दैनिक नवप्रदेश

प्रदेश के साथ पूरा देश...

www.navpradesh.com | रायपुर, शनिवार 24 अप्रैल 2021, शुक्लपक्ष-द्वदशी, विक्रम संवत-2077 वर्ष-10 अंक-76 पृष्ठ-08 मूल्य-3 रुपए | रायपुर, बिलासपुर, भोपाल, जबलपुर व रांची से एक साथ प्रकाशित

ग्रामीण क्षेत्रों में लक्षण वाले लोगों को तत्काल दवाएं उपलब्ध कराएं : भूपेश

मुख्यमंत्री ने सभी जिला पंचायत अध्यक्षों से कोरोना संक्रमण के नियंत्रण एवं बचाव के उपायों के संबंध में की चर्चा

■ **राशन दुकानों से मुफ्त में मिलेगा मई और जून माह का एकमुश्त खाद्यान्न**

रायपुर/नवप्रदेश। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने आज यहां अपने निवास कार्यालय में आयोजित वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सभी जिला पंचायत अध्यक्षों से राज्य के ग्रामीण इलाकों में कोरोना संक्रमण की स्थिति, इसके नियंत्रण एवं बचाव के उपायों के बारे में विस्तार से चर्चा की और उनसे सुझाव मांगे। मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने कहा कि कोरोना संक्रमण की पिछली लड़ाई हमने राज्य में सभी लोगों की भागीदारी से जीती थी। वर्तमान लड़ाई भी हम सावधानी और सभी लोगों के सहयोग से जीतेंगे। उन्होंने कहा कि कोरोना संक्रमण का वर्तमान दौर ज्यादा घातक है, हमें बेहद सावधानी बरतने की जरूरत है। उन्होंने ग्रामीण क्षेत्रों में कोविड के प्रारंभिक लक्षण वाले लोगों को स्वास्थ्य विभाग द्वारा अनुशंसित दवाओं का सेवन तत्काल शुरू कराए जाने की बात कही, ताकि कोरोना संक्रमण को गंभीर होने से रोका जा सके। मुख्यमंत्री ने कहा कि स्वास्थ्य विभाग द्वारा राज्य के ग्रामीण अंचलों में भी कोरोना की दवाओं की आपूर्ति शुरू कर दी गई है। स्वास्थ्य विभाग के मैदानी अमले एवं मितानिनों के माध्यम से लक्षण वाले मरीजों को पर्ची और दवाएं (कोविड किट) उपलब्ध ■ शेष पृष्ठ 6 पर

कोरोना से सब मिलकर लड़ाई लड़ेगे और जीतेंगे

मुख्यमंत्री ने कहा कि जैसे ही किसी व्यक्ति को सर्दी, खांसी, बुखार और कोरोना संक्रमण का लक्षण मालूम पड़े उसे कोरोना जांच की रिपोर्ट का इंतजार किए बिना प्रारंभिक तौर पर तयशुदा दवाएं लेनी शुरू कर देनी चाहिए। उन्होंने जिला पंचायत अध्यक्षों एवं ग्रामीण जनप्रतिनिधियों से इस संबंध में लोगों को जागरूक करने और समझाईश देने की भी अपील की। मुख्यमंत्री ने इस दौरान एक-एक कर सभी जिला पंचायत अध्यक्षों से उनके जिले में कोरोना संक्रमण की स्थिति, अन्य राज्यों से आने वाले श्रमिकों एवं लोगों के स्वास्थ्य की जांच-पड़ताल, क्वारेंटीन सेंटर की व्यवस्था, रोजगार मूलक कार्यों के संचालन सहित अन्य मामलों की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि संकट की इस घड़ी में प्रदेश सरकार आप सबके साथ है। हम सब मिलकर कोरोना की रोकथाम की लड़ाई लड़ेगे और जीतेंगे।

आज बेबाक

कोरोना की भयावहता देखकर हरियाणा के एक पेशेवर चोर की इंसानियत भी जाग गई। जिला अस्पताल जिंद से कोरोना वैक्सीन चुराने वाले चोर ने उक्त वैक्सीन पुलिस थाने के बाहर छोड़ दी और साथ में एक पर्चा भी छोड़ा जिसमे उसने गलती से वैक्सीन चुराने के लिए माफी मांगी है। किन्तु अस्पतालों से जीवनरक्षक दवाई और इंजेक्शन चुराने वाले और उसकी कालाबाजारी करने वाले सफेदपोश डकैतों और आक्सीजन की आपूर्ति में बाधा डालने वाले नरपिशाचों का दिल कोरोना संक्रमितों की दर्दनाक मौतों के बावजूद नहीं पसीज रहा है। इन मौत के सौदागरों को तो कायदे से सजा-ए-मौत मिलनी चाहिए।

खास-खबर

15 हजार रेमडेसिविर के वायल्स रायपुर पहुंचे : सिंहदेव

रायपुर। स्वास्थ्य मंत्री टीएस सिंहदेव ने रायपुर एयरपोर्ट पर रेमडेसिविर के इंजेक्शन की खेप पहुंचने की तस्वीर जारी करते हुए ट्वीट किया कि 15 हजार रेमडेसिविर के वायल्स रायपुर पहुंच गए हैं। सीजीएमएससी के गोदाम में ले जाने के बाद इनकी गिनती और स्टोरेज किया जाएगा, जहां से कोरोना मरीजों के लिए तत्काल अस्पतालों को भेजा जाएगा।

पुलवामा में विस्फोटक बरामद, बड़ी घटना टली

श्रीनगर (वार्ता)। कश्मीर के पुलवामा जिले में शुक्रवार को उस समय एक बड़ी घटना टल गयी जब सुरक्षा बलों ने एक शक्तिशाली विस्फोटक का पता लगाकर उसे निष्क्रिय कर दिया। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि रोड ओपनिंग पार्टी को नियमित जांच के दौरान तहाब रोड पर सर्किल रोड के समीप विस्फोटक मिला। इसके बाद समूचे इलाके की तत्काल घेराबंदी कर दी गयी।

11 राज्यों और केन्द्र शासित प्रदेशों के सीएम के साथ वीडियो कांफ्रेंस में बोले पीएम-

एकजुट होकर कोरोना से लड़े समूचा देश: मोदी

नई दिल्ली (वार्ता)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज कहा कि कोरोना महामारी की दूसरी लहर कई राज्यों और छोटे - बडे शहरों को चपेट में ले रही है और सभी राज्यों को इसे परास्त करने के लिए एकजुट होना पड़ेगा तथा दवा और ऑक्सीजन के लिए एक दूसरे की मदद करनी होगी। देश में कोरोना महामारी का प्रकोप बढने के मद्देनजर प्रधानमंत्री ने पिछले पांच सप्ताह में आज यानी गुरूवार को तीसरी बार राज्यों के मुख्यमंत्रियों के साथ स्थिति की समीक्षा की। इससे पहले भी उन्होंने 17 मार्च और आठ अप्रैल को राज्यों के मुख्यमंत्रियों के साथ महामारी से निपटने के उपायों पर चर्चा की थी। श्री मोदी ने कोरोना से सबसे अधिक प्रभावित 11 राज्यों और केन्द्र शासित प्रदेशों के मुख्यमंत्रियों के साथ वीडियो कांफ्रेस के जरिये बैठक की। उन्होंने ■ शेष पृष्ठ 6 पर

सभी राज्यों को मिलेगी ऑक्सीजन

प्रधानमंत्री ने कहा कि सरकार सभी राज्यों को जल्द से जल्द ऑक्सीजन आपूर्ति करने के लिए हर संभव उपाय कर रही है और इसमें रेल तथा हवाई मार्ग की मदद ली जा रही है। उन्होंने कहा कि संसाधनों को बेहतर बनाने के साथ साथ हमें जांच भी बढानी होगी और लोगों को सुगम तरीके से जांच की सुविधा देनी होगी।

बातचीत लीक करने पर पीएम ने ली क्लास तो, हाथ जोड़कर मांगी माफी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मीटिंग के दौरान दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के व्यवहार से खासे नाराज हैं। उन्होंने मीटिंग के दौरान ही केजरीवाल के लिए कड़े शब्दों का इस्तेमाल किया। उन्होंने दिल्ली के मुख्यमंत्री से कहा कि आपने एक बहुत महत्वपूर्ण प्रॉटोकॉल तोड़ा है। ऐसे निजी बातचीत का कभी प्रचार-प्रसार नहीं किया जाता है। पीएम की इस फटकार से सीएम सकते में आ गए और उन्होंने हाथ जोड़ लिया।

पीएम की किस बात पर केजरीवाल ने जोड़े हाथ?

केजरीवाल जब आगे बोल रहे थे तो पीएम मोदी ने उन्हें टोकते हुए कहा, 'यह हमारी जो परंपरा है, हमारा जो प्रोटोकॉल है यह उसके बहुत खिलाफहो रहा है कि कोई मुख्यमंत्री ऐसी इनहाउस मीटिंग को लाइव टेलिकास्ट करे। यह उचित नहीं है। हमें हमेशा से संयम का पालन करना चाहिए।' इस पर केजरीवाल ने माना की उनसे गलती हो गई है। उन्होंने पीएम से कहा, 'ठीक है सर इसका ध्यान रखेंगे आगे से। अगर सर मेरी तरफसे कोई गुस्ताखी हुई है, मैंने कुछ कठोर बोल दिया, या मेरे आचरण में कोई गलती है, तो उसके लिए मैं माफी चाहता हूं।'

केन्द्र को मिलने वाली दर पर राज्यों को मिले टीका: भूपेश

■ **रेडमेसिविर और अन्य जीवन रक्षक दवाईयों के उत्पादक राज्यों द्वारा अन्य राज्यों में भी प्राथमिकता से आपूर्ति के लिए मुख्यमंत्री ने गाइडलाइन जारी करने प्रधानमंत्री से किया अनुरोध**

नई दिल्ली/रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने प्रधानमंत्रीनरेंद्र मोदी से केंद्र सरकार को कोरोना के टीके मिलने की दर पर ही राज्यों को भी टीका उपलब्ध कराने का आग्रह किया है। उन्होंने कहा कि इससे राज्यों पर वित्तीय भार कम होगा। मुख्यमंत्री ने स्वास्थ्य कर्मियों, फ्रंटलाइन वर्कर्स और 45 वर्ष से अधिक उम्र के लोगों के टीकाकरण के लिए प्रदेश को केंद्र सरकार से मिलने वाले वैक्सीन की आपूर्ति की समय सारणी से भी अवगत कराने का आग्रह किया है, जिससे राज्य में सभी पात्र लोगों के टीकाकरण की कार्ययोजना बनाई जा सके। श्री बघेल ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में आज विभिन्न राज्यों के मुख्यमंत्रियों के साथ कोरोना नियंत्रण की व्यवस्था और टीकाकरण ■ शेष पृष्ठ 6 पर

जरूरत के बाद दे रहे दूसरों को ऑक्सीजन

मुख्यमंत्री बघेल ने बैठक में प्रधानमंत्री से कहा कि जिस तरह से ऑक्सीजन उत्पादक राज्य अपनी जरूरत के बाद का अतिरिक्त आक्सीजन प्राथमिकता से दूसरे राज्यों को उपलब्ध करा रहे हैं। वैसे ही रेडमेसिविर और अन्य जीवन रक्षक दवाइयों के उत्पादक राज्य प्राथमिकता से इन्हें दूसरे राज्यों को भी उपलब्ध कराएं। इसके लिए भारत सरकार द्वारा गाइडलाइन जारी किया जाना चाहिए। उन्होंने प्रधानमंत्री से यह अनुरोध भी किया कि छत्तीसगढ़ में इस्पात उद्योगों की अधिकता को देखते हुए औद्योगिक ऑक्सीजन के उत्पादन और उसके उपयोग की अनुमति दी जाए, जिससे अर्थव्यवस्था पर विपरीत प्रभाव न पड़े और इन उद्योगों से जुड़े हज़ारों परिवारों के समक्ष रोज़गार का संकट न उत्पन्न हो।

69 प्रतिशत लोग लगा चुके है पहला टीका

मुख्यमंत्री बघेल ने कोरोना टीकाकरण की प्रगति के बारे में प्रधानमंत्री को बताया कि प्रदेश की 18 प्रतिशत आबादी को इसकी पहली खुराक दी जा चुकी है। उन्होंने जानकारी दी कि 90 प्रतिशत स्वास्थ्य कर्मियों, 84 प्रतिशत फ्रंटलाइन वर्कर्स और 45 वर्ष से अधिक के 69 प्रतिशत लोगों को कोरोना से बचाव का पहला टीका लगाया जा चुका है। उन्होंने बताया कि दूसरे राज्यों से कोरोना संक्रमितों का प्रवेश रोकने के लिए अंतर्राज्यीय सीमाओं, एयरपोर्ट, बस स्टैंड और रेलवे स्टेशनों पर कोरोना की जांच की जा रही है।

स्वास्थ्य सुविधाओं का निरंतर हो विस्तार

मरीजों के इलाज के लिए अस्पतालों और कोविड केयर सेंटर्स में व्यवस्थाएं लगातार बढ़ाई जा रही हैं। निजी अस्पतालों में भी संक्रमितों के इलाज की दरें तय की गई हैं। चिकित्सा क्षेत्र में मानव संसाधन बढ़ाने के लिए सेवानिवृत्त डॉक्टरों और अन्य मेडिकल स्टाफके साथ ही नए डॉक्टरों की भर्ती की जा रही है। रेडमेसिविर की कालाबाजारी रोकने और जरूरतमंदों तक इसे पहुंचाने के लिए व्यवस्था बनाई गई है। चिकित्सा विशेषज्ञों और सामाजिक संगठनों के साथ ही सभी नगरीय निकायों एवं पंचायतीराज संस्थाओं से लगातार चर्चा कर कोरोना प्रबंधन में उनकी सहायता ली जा रही है।

80 करोड़ गरीबों को मई और जून का राशन मुफ्त देगी केन्द्र सरकार

नई दिल्ली/ए.। कोरोना की दूसरी लहर की वजह से रोजाना बड़ी संख्या में मामले सामने आ रहे हैं। पिछले दो दिनों से देश में इतने मामले सामने आए हैं, जितने अभी तक किसी देश में नहीं मिले थे। संक्रमण की इस लहर को रोकने के लिए केंद्र सरकार से लेकर राज्य सरकारें जुटी हुई हैं। कुछ राज्य सरकारों ने वीकेंड लॉकडाउन, लॉकडाउन समेत कई तरह की पाबंदियों का ऐलान किया है। महामारी के इस समय में गरीबों को भोजन की समस्या से दो-चार न होना पड़े, इसके लिए केंद्र सरकार ने अहम कदम उठाया है। एक बार फिर से मोदी सरकार ने गरीबों को मुफ्त में राशन मुहैया करवाने का ऐलान किया है। प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के तहत केंद्र सरकार गरीबों के मई और जून 2021 के महीने में मुफ्त में राशन मुहैया करवाएगी।

26 करोड़ आएगा खर्च

केंद्र सरकार की ओर से जारी बयान के अनुसार, गरीबों के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कमिटमेंट को देखते हुए भारत सरकार ने 80 करोड़ लाभार्थियों को मुफ्त में राशन सामग्री मुहैया कराने का फैसला लिया है। इसी तरह से पिछले साल भी पीएम गरीब कल्याण योजना के तहत राशन मुहैया करवाया गया था। सरकार ने बताया कि पीएम नरेंद्र मोदी ने जोर देकर कहा है कि जिस समय देश कोरोना वायरस की दूसरी लहर का सामना कर रहा है, उस समय महत्वपूर्ण है कि गरीबों को पोषण मिल सके। केंद्र सरकार इस योजना के तहत तकरीबन 26 हजार करोड़ रुपये खर्च करेगी।

रेलिंग तोड़ गंगा में गिरी गाड़ी, 11 डूबे, 9 शव बरामद

पटना/ए.। बिहार की राजधानी पटना से बड़ी खबर। पुरानी पानापुर घाट पर शुक्रवार की सुबह पीपापुल का रेलिंग तोड़ते हुए एक पिक वैन गंगा नदी में गिर गयी। हादसे में 11 लोगों की मौत होने की बात सामने आ रही है। अब तक 9 शवों को बरामद किया जा चुका है। पिक वैन पर सवार एक ही परिवार के सभी लोग अकिलपुर से दानापुर चित्रकूटनगर आ रहे थे। पटना में पुरानी पानापुर घाट पर शुक्रवार की सुबह पीपा पुल का रेलिंग तोड़ते हुए एक पिकअप वैन गंगा नदी में गिर गई। हादसे में 11 लोगों के डूबने की बात सामने आ रही है। अब तक 9 शवों को बरामद किया जा चुका है। पिक वैन पर सवार एक ही परिवार के सभी लोग अकिलपुर से दानापुर के चित्रकूटनगर आ रहे थे।

बताया जाता है कि अकिलपुर निवासी राकेश कुमार का 21 अप्रैल को तिलक समारोह था। तिलक खत्म होने के बाद सभी अपने दानापुर स्थित घर आ रहे थे। इसी बीच यह दर्दनाक हादसा हो गया। इधर वैन के नदी में गिरने की खबर मिलते ही मौके पर पुलिस व गोताखोरों को बुला लिया गया। एसडीआरएफ और एनडीआरएफ की टीम को राहत कार्य मे लगाया गया है। पटना के कई थानों की पुलिस मौके पर पहुंची है।

7 दिन बाद निगेटिव आई रिपोर्ट, 91% पर कारगर

... कोरोना के इलाज के लिए Virafin को मिली मंजूरी

नई दिल्ली/ए.। कोरोना महामारी से तबाह भारत के ड्रग्स रेगुलेटर ने शुक्रवार को एक बड़ा ऐलान किया है। महामारी के मरीजों के इलाज के लिए डीसीजीआई ने जाइडस की वीराफिन दवा के इस्तेमाल को मंजूरी दे दी है। दावा किया जा रहा है कि कोरोना मरीजों के इलाज में यह दवा अभूतपूर्व रूप से कारगर है और इसके इस्तेमाल के बाद उत्साहजनक नतीजे सामने आए हैं। जानकारी के मुताबिक, जायडस ने इसका ट्रायल देश के तकरीबन 25 सेंटर्स पर किया था, जिसमें उत्साहजनक नतीजे सामने आए। इसे देखते हुए भारत की दवा नियंत्रक संस्था (डीसीजीआई) ने कोरोना मरीजों के लिए इस्तेमाल को मंजूरी दे दी है। अब इसे अस्पतालों में उपलब्ध कराया जाएगा और डॉक्टरों की सलाह के बाद इसे मरीजों को दिया जाएगा। इससे ■ शेष पृष्ठ 6 पर

कितनी कारगर है दवा

दवा बनाने वाली कंपनी जायडस ने दावा किया है कि वीराफिन के इस्तेमाल से कोरोना मरीजों की आरटी-पीसीआर रिपोर्ट 7 दिन बाद निगेटिव आई है। ऐसा कोरोना के 91.15 प्रतिशत मरीजों के साथ हुआ है। कंपनी ने बताया कि इस दवा से कोरोना के मरीजों को वायरस से लड़ने की ताकत मिलती है। अगर वायरस से संक्रमण के शुरुआती लक्षणों के बाद यह दवा मरीज को दी जाए तो उसे कोरोना से तेजी से उबरने में मदद मिलेगी।

सख्त टिप्पणी

अपने कार्यकाल के आखिरी दिन सीजेआई बोबडे ने की कड़ी टिप्पणी-

सीजेआई बोले -ऑक्सीजन की कमी से मर रहे हैं लोग

नई दिल्ली/ए.। देश में कोरोना संकट पर स्वतः संज्ञान लेने के मामले में आज फिर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। बतौर सीजेआई अपने आखिरी दिन सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश जस्टिस एसए बोबडे ने सरकार पर सख्त टिप्पणी की और कहा कि ऑक्सीजन की कमी की वजह से लोग मर रहे हैं। फिलहाल, मामले को मंगलवार तक के लिए स्थगित कर दिया गया है। सुप्रीम कोर्ट में कोरोना संकट पर तीन जजों की बेंच ने सुनवाई की, जिसकी अध्यक्षता चीफ जस्टिस एसए बोबडे कर रहे हैं। सुप्रीम कोर्ट आज लॉकडाउन की घोषणा करने के लिए उच्च न्यायालयों की न्यायिक शक्ति से जुड़े पहलू की भी जांच करेगा।

सुनवाई शुरू होते ही सुप्रीम कोर्ट के चीफजस्टिस एसए बोबडे ने कहा कि देश में ऑक्सीजन की कमी की वजह से लोग मर रहे हैं। वहीं, कोविड-19 प्रबंधन पर राष्ट्रीय योजना से संबंधित सुप्रीम कोर्ट के स्वतः संज्ञान मामले में न्यायमित्र नियुक्त किए गए हरीश साल्वे ने मामले से हटने का अनुरोध किया। हरीश साल्वे ने कोविड-19 मामले में न्याय मित्र नियुक्त किए जाने पर कुछ वकीलों द्वारा आलोचना किए जाने का जिक्र करते हुए कहा कि मैं नहीं चाहता कि मामले में फैसले के पीछे यह कहा जाए कि मैं प्रधान न्यायाधीश को जानता हूं। इसके बाद भारत के मुख्य न्यायाधीश एसए बोबडे ने हरीश साल्वे को मामले से हटने की अनुमति दे दी। बता दें कि सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश जस्टिस एसए बोबडे आज यानी शुक्रवार को रिटायर हो रहे हैं। वह देश के ऐसे पहले मुख्य न्यायाधीश होंगे, जिनके कार्यकाल का अधिकतर हिस्सा कोविड लॉकडाउन और वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से सुनवाई करने में चला गया। वह अपने 14 माह के कार्यकाल में 90 दिन ही फिजिकल सुनवाई कर पाए। इससे पहले देश के कोविड-19 की मौजूदा लहर से जूझने के बीच सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को कहा था कि वह ऑक्सीजन की आपूर्ति तथा कोरोना वायरस से संक्रमित मरीजों के इलाज के लिए आवश्यक दवाओं समेत अन्य मुद्दों पर नेशनल प्लान चाहता है।

भ्रम पैदा हो रहा -सुप्रीम कोर्ट

शीर्ष अदालत ने कहा कि कम से कम छह उच्च न्यायालय- दिल्ली, बंबई, सिक्किम, मध्य प्रदेश, कलकत्ता और इलाहाबाद- मौजूदा स्थिति से जुड़े मामलों को देख रहे हैं। इसने कहा कि उच्च न्यायालय नेकनीयत और सबके हित में अपने क्षेत्राधिकार का प्रयोग कर रहे हैं। पीठ ने कहा, ''हो यह रहा है कि इससे कुछ प्रकार का भ्रम पैदा हो रहा है और संसाधन भी अलग-अलग दिशा में खर्च हो रहे हैं। इसने कहा कि एक उच्च न्यायालय सोचता है किसी समूह के लिए यह प्राथमिकता है जबकि दूसरा सोचता है कि दूसरे के लिए प्राथमिकता है। हम चार मुद्दों के संबंध में जानना चाहते हैं - ऑक्सीजन की आपूर्ति, आवश्यक दवाओं की आपूर्ति, टीकाकरण की प्रणाली और तरीके। हम लॉकडाउन लगाने का अधिकार राज्य के पास रखना चाहते हैं और इसे न्यायिक फैसला नहीं बनाया जाना चाहिए।

छग, त्रिपुरा के अलावा सभी राज्यों में सक्रिय मामले बढ़े

नई दिल्ली (वार्ता)। छत्तीसगढ़ और त्रिपुरा में पिछले 24 घंटों में कोरोना वायरस संक्रमण के सक्रिय मामलों में कमी आयी जबकि अन्य राज्यों तथा केंद्रशासित प्रदेशों में इनकी संख्या में बढ़ोतरी हुई। छत्तीसगढ़ में सक्रिय मामलों में 1196 की कमी आने के साथ सक्रिय मामलों की संख्या 1,21,555 रह गयी जबकि त्रिपुरा में 37 मामलों की कमी आने के साथ इनकी कुल संख्या 563 रह गयी। दूसरी तरफ केरल में सक्रिय मामलों में सर्वाधिक 20,597 की बढ़ोतरी हुई, कर्नाटक में 20048, उत्तर प्रदेश में 17545, राजस्थान में 10791 और महाराष्ट्र में 4147 सक्रिय मामले बढ़े।केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से शुक्रवार सुबह जारी आंकड़ों के अनुसार पिछले 24 घंटों के दौरान देश में 3,32,730 नये मामले आने के साथ ही संक्रमितों का आंकड़ा बढ़कर एक करोड़ 62 लाख 63 हजार 695 हो गया। सक्रिय मामलों में लगातार बढ़ोतरी से इनकी संख्या 24,28,616 हो गयी है और इसकी दर 14.93 हो गयी। दूसरी तरफ रिकॉर्ड 1,93,279 मरीज स्वस्थ भी हुए हैं जिसे मिलाकर अब तक एक करोड़ 36 लाख 48 हजार 159 लोग कोरोना वायरस संक्रमण को मात दे चुके हैं।

आकाशगंगा सब्जी मार्केट में सुबह की गई घेराबंदी

दुकानदार सामान छोड़कर भागे, सामान की जब्ती

नवप्रदेश संवाददाता

भिलाई। निगम क्षेत्र अंतर्गत आकाशगंगा सब्जी मंडी में आज प्रातः घेराबंदी कर दुकान खोल कर सामान एवं सब्जी देने वालों पर कठोर कार्रवाई की गई! शिकायत मिली थी कि आकाशगंगा सब्जी मंडी में दुकानदार अनावश्यक भीड़ लगाकर सब्जी एवं सामानों की सप्लाई कर रहे हैं। शिकायत प्राप्त होने के बाद योजनाबद्ध तरीके से आज प्रातः 4 बजे का समय निर्धारित किया। कार्यवाही करने के लिए सभी को सूचना प्रदान कर दी गई थी। ताकि अल सुबह मंडी का निरीक्षण करते हुए कार्रवाई की जा सके। कार्यपालक मजिस्ट्रेट एवं पुलिस प्रशासन को भी इत्तिला कर दिया गया था। निगम मोबाइल टीम एवं पुलिस प्रशासन जब अकाश गंगा सब्जी मंडी पहुंची तब कुछ दुकानदार अपना शटर बंद करके इधर.उधर भागने लगे। उनमें से एक ऑटो चालक सब्जी लेने पहुंचा था तथा दूसरा अपने वाहन छोड़कर भाग गया। दोनों ही वाहन सब्जियों से भरी हुई थी।

वाहन से सब्जियों की जब्ती बनाई गई तथा ऑटो चालक से 1 हजार अर्थदंड लिया गया। इधर मैसर्स रामचंद्र लाल एंड कंपनी एवं श्री जगन्नाथ ट्रेडर्स द्वारा दुकान खोलकर तथा भीड़ बढ़ाते हुए आलू सप्लाई करने की शिकायत पर संयुक्त टीम पहुंची और लालचंद के दुकान के सामने रखे 48 बोरी आलू व जगन्नाथ ट्रेडर्स के दुकान के सामने विक्रय के लिए रखे हुए 21 बोरी आलू की जब्ती करते हुए दोनों दुकानों को सील बंद करने की कार्रवाई की गई एवं पंचनामा तैयार किया गया। उल्लेखनीय है कि निगम आयुक्त ऋषुराज रघुवंशी ने लॉकडाउन का कड़ाई से पालन कराने के निर्देश दिए हैं। इसके परिपालन में कार्रवाई को अंजाम दिया जा रहा है। आकाशगंगा सब्जी मंडी में आज कार्रवाई के दौरान कार्यपालिक मजिस्ट्रेट योगेंद्र वर्मा, नेहरू नगर के जोन आयुक्त सुनील अग्रहरि, मोबाइल टीम के दल प्रभारी प्रकाश अग्रवाल, सहायक राजस्व अधिकारी संजय वर्मा एवं शरद दुबे, सुपेला थाना से एएसआई रजनीकांत दीवान, संतोष शर्मा, नारदलाल टांडेकर, भरत यादव, शैलेश मौर्या, भावेश पटेल, नितिन एवं सुरेंद्र पटेल सहित अन्य मौजूद रहे।

रोज 50 कोरोना मरीजों के लिए नविता अपने रसोई में बना रहीं खाना

नवप्रदेश संवाददाता

दुर्ग। कोरोना के खिलाफ जंग सब मिलकर लड़ रहे हैं। कोरोना मरीजों का मनोबल न टूटे। इसके लिए कोई न कोई कुछ न कुछ अच्छा कर रहा है। ये लड़ाई पिछले साल से शुरू हुई थी जो अब तक जारी है। नविता शर्मा के बारे में बात करने वाले हैं। नर सेवा ही नारायण सेवा है, यही मूलमंत्र है नविता का। जिसे उन्होंने धारण किया है। नविता शर्मा पिछले 1 वर्षों से कोरोना पीड़ितों के लिए कार्य कर रही हैं। नविता ने कहा जो कोरोना महामारी में पीड़ितों की सेवा कर रहे अभी कोरोना प्रकोप शहर में भयानक स्तिथि में पहुंच गया है। जिससे कोरोना पूरे परिवार को अपनी चपेट में ले रहा है। नविता अपने खुद की रसोई में शुद्ध व पौष्टिक भोजन दे रही हैं। तकरीबन रोज 50 कोरोना मरीजों के लिए भोजन बनाती हैं। जिसके लिए उन्होंने अपने फेसबुक व व्हाट्सअप ग्रुप में पोस्ट भी किया है कि कोरोना से प्रभावित परिवार किसी भी समय उनके नम्बर पर सम्पर्क करें। खाना पहुंच जाएगा। विगत कुछ दिनों से बहुत से लोगों ने संपर्क किया। उनके घर तक खाना पहुंचा रहे हैं। उन्होंने लोगों से आग्रह किया कि कम से कम अपने आसपास के लोगो की मदद करे इसके साथ ही कोरोना मरीजों को बेड, इंजेक्शन, प्लाज्मा एव आक्सीजन आदि किसी भी प्रकार की परेशानी होने पर फोन आता है तो यथासंभव सहयोग करती है।

न्यूज गैलरी

लाइफ लाईन बनी भिलाई की ऑक्सीजन

भिलाई। आज बढ़ते कोरोना मरीजों की संख्या ने मेडिकल ऑक्सीजन की जरूरतों को बढ़ा दिया है। ऑक्सीजन कोरोना मरीजों के जीवन बचाने हेतु पहली जरूरत बन गई है। अस्पतालों में भर्ती मरीजों के लिए लिक्विड मेडिकल ऑक्सीजन की उपलब्धता सुनिश्चित करना आज सर्वोच्च प्राथमिकता में शामिल हो चुका है। भिलाई इस्पात संयंत्र ने देश के संकटकालीन जरूरतों को ध्यान में रखते हुए ऑक्सीजन की निरन्तर आपूर्ति सुनिश्चित की है। भिलाई का ऑक्सीजन कोरोना मरीजों के लिए जीवनदायिनी बन चुका है। बीएसपी बिरादरी ने ऑक्सीजन की इस बढ़ते जरूरत को बड़ी सिद्धता से महसूस किया है। यही वजह है कि सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र ने लिक्विड मेडिकल ऑक्सीजन की आपूर्ति को निर्बाध गति से कायम रखा। बीएसपी शासन के आवश्यकतानुसार विभिन्न अस्पतालों को भी ऑक्सीजन की आपूर्ति की जा रही है। भिलाई इस्पात संयंत्र ने मेडिकल ऑक्सीजन जरूरतों को निरन्तर पूर्ण किया है और भविष्य में भी यह सहयोग जारी रखेगा। आज भी संयंत्र के मेन गेट तथा मरोदा गेट से लिक्विड मेडिकल आक्सीजन के ट्रक निरंतर रवाना होते रहे।

लॉकडाउन का उल्लघन, खोल दिए शटर

दुर्ग। लॉकडाउन का उल्लंघन कर दुकानों के शटर आधे खोलकर कारोबार करने वाले व्यवसाइयों के खिलाफ आज निगम टीम ने जुर्माना लगाते हुए कड़ी चेतावनी दी। इंदिरा मार्केट, शनिचरी बाजार, चंडी चौक, मान होटल चौक, पोलसाय पारा चौक, शहीद चौक, स्टेशन रोड, नया गंज मंडी के अलावा कातुलबोड सहित अन्य स्थानों पर प्रशासनिक अफसरों की टीम ने निरीक्षण किया और विभागीय अमले को कार्रवाई के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान आयुक्त हरेश मंडावी, एसडीएम विनय पोयाम, सीएसपी विवेक शुक्ला, तहसीलदार पार्वती पटेल, स्वास्थ्य अधिकारी दुर्गेश गुप्ता, अतिक्रमण प्रभारी शिव शर्मा सहित दुर्ग थाना पुलिस बल की मौजूदगी में कार्रवाई की गई।

8 चिकित्सा अधिकारियों को मिला नोटिस

दुर्ग। प्रदेश में कोविड संकट को देखते हुए स्वास्थ्य सेवाओं की आवश्यक स्थिति के चलते एस्मा एक्ट लागू है। कोरोना संक्रमण की रोकथाम के लिए मरीजों के इलाज एवं अन्य स्वास्थ्य सेवाओं हेतु विभिन्न स्वास्थ्य केंद्रों के चिकित्सा अधिकारियों की ड्यूटी 21 अप्रैल से चंदूलाल चंद्राकर हास्पिटल में लगाई गई थी। इनमें 8 चिकित्सा अधिकारिया को अब तक उपस्थिति नहीं देने के कारण कलेक्टर डॉण् सर्वेश्वर नरेंद्र भुरे ने शो काज नोटिस जारी किया है। कलेक्टर ने इन्हें प्रदेश में प्रभावी एस्मा एक्ट के अंतर्गत ड्यूटी में तत्काल उपस्थित होने के निर्देश दिये हैं अन्यथा की स्थिति में महामारी एक्ट के अंतर्गत इनका पंजीयन रद्द करने की कार्रवाई की जाएगी। उल्लेखनीय है कि राज्य में 15 अप्रैल से एस्मा एक्ट लागू है जिसके तहत समस्त स्वास्थ्य सुविधाएं तथा डाक्टर, नर्स एवं अन्य स्वास्थ्यकर्मियों को आवश्यक सेवाओं में शामिल किया गया है।

ऑनलाइन जमा कर सकते है टैक्स

भिलाई।लॉकडाउन के दौरान कई लोगों ने अपना टैक्स ऑनलाइन जमा किया है। टैक्स जमा करने वाले करदाता में ऑनलाइन पेमेंट को क्लिक करके भिलाई मुंसिपल कारपोरेशन का चयन करने के उपरांत वार्ड एवं अपना आईडी नंबर डालकर डेबिट, क्रेडिट एवं नेट बैंकिंग के माध्यम से ऑनलाइन पेमेंट जमा कर सकते हैं। इस वेबसाइट पर टैक्स की वर्षवार जानकारी भी देख सकते हैं। ऑनलाइन में किसी प्रकार की समस्या होने पर हेल्पलाइन नंबर 18001216505 पर संपर्क कर विस्तृत जानकारी प्राप्त की जा सकती है। लॉकडाउन की स्थिति में घर बैठे ही ऑनलाइन संपत्तिकर जमा किया जा सकता है।

कोरोना संक्रमण की स्थिति में आई गिरावट : वोरा

महापौर ने सुविधा और व्यवस्था की किये समीक्षा

नवप्रदेश संवाददाता

दुर्ग। विधायक अरुण वोरा एवं महापौर धीरज बाकलीवाल ने आज शहर के लोगों की चिंता करते हुये शहर क 60 वार्डो में कोरोना संक्रमण की स्थिति की समीक्षा करते हुये बताया कि कोरोना संक्रमण संख्या में गिरावट आई है। उन्होनें प्रभावितों को हर सुविधा उपलब्ध कराने तथा व्यवस्था बनाये रखने के निर्देश अधिकारियों को दिये। बैठक में आयुक्त हरेश मंडावी, विद्युत यांत्रिकी विभाग प्रभारी भोला महोबिया, कार्यपालन अभियंता मोहनपुरी गोस्वामी, राजेश पाण्डेय, पार्षद प्रकाश जोशी एवं राजेश शर्मा उपस्थित थे।

प्रभावित व्यक्तियों को किसी भी चीज की कमी नहीं होने दी जाएगी

विधायक वोरा ने महापौर, अधिकारियों से चर्चा करते हुये कहा कि हमें शहर के लोगों की स्वास्थ्य के लिए बेहद चिंतित हैं। राज्य शासन के द्वारा किसी भी प्रभावित व्यक्ति के ईलाज में किसी भी प्रकार की कमी नहीं आने दी जाएगी। शासन के निर्देश पर आक्सीजन बेड, वेंटीलेटर की व्यवस्था की गई है। उन्होनें शासकीय अस्पताल सहित सभी प्राइवेट अस्पतालों के प्रबंधकों से कहा है कि कोरोना संक्रमित व्यक्ति और उसके परिजनों को किसी भी प्रकार से न भटकायें।

1 मई से वेक्सीनेशन हेतु सभी 60 वार्डो में बनायें टीकाकरण केन्द्र

बैठक में अधिकारियों से चर्चा करते हुये बताए कि शासन के निर्देश 1 मई से 18 वर्ष और उससे ऊपर के युवाओं को कोरोना टीका लगाया जाएगा। किसी भी वार्ड के युवा इस टीकाकरण के लिए न छूटे इसके लिए प्रत्येक वार्ड में एक टीकाकरण केन्द्र खोलें इसकी तैयारी कर लेवें। उन्होनें कहा देखने में आ रहा है कि कोरोना संक्रमित व्यक्ति और उनके परिजन के समक्ष भटकाव की स्थिति निर्मित हो रही है ऐसे लोगों को पूरी सुविधा दी जावे।

विधायक देवेंद्र ने केंद्रीय इस्पात मंत्री को लिखा पत्र

नवप्रदेश संवाददाता

भिलाई। विधायक देवेंद्र यादव ने बीएसपी में कोविड के दौरान हुए कर्मचारियों की मृत्यु के पश्चात परिवारजनों को अनुकम्पा नियुक्ति एवं मेडिकल सुविधा जारी रखने केंद्रीय इस्पात मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को पत्र लिखा है। पत्र लिख कर जल्द आवश्यक कार्यवाही करने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित करने की मांग किए हैं। विधायक यादव ने अपने पत्र में लिखा है कि मेरे संज्ञान में आया है कि भिलाई इस्पात संयंत्र प्रबंधन द्वारा कोविड 19 से पीड़ित बीएसपी कर्मचारियों की मृत्यु पश्चात उनके आश्रित परिजनों को अनुकंपा नियुक्ति प्रदान नहीं किया जा रहा है। साथ ही अन्य सुविधाएं जैसे मेडिकल इत्यादि से मृतक बीएसपी कर्मियों के आश्रित परिजनों का नाम पृथक कर दिया जा रहा है। श्री यादव ने केंद्रीय इस्पात मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान का ध्यान आकर्षित करते हुए पत्र में आगे लिखे हैं कि ज्ञात हो कि केंद्र शासन के अन्य उपक्रम जैसे कोल फील्ड, रेल्वे इत्यादि में कार्यरत कर्मचारी का उक्त संक्रमण से मृत्यु पश्चात अश्रित परिवार को अनुकंपा नियुक्ति एवं अन्य सुविधाएं प्रदान की जाती है। इसलिए श्री यादव ने केंद्रीय इस्पात मंत्री से अनुरोध किया है ।

लॉकडाउन में हो बेहतर काम

संक्रमण रोकने आयुक्त ने दिए टिप्स

नवप्रदेश संवाददाता

रिसाली। एक हजार से भी ज्यादा एक्टीव केस वाले निगम क्षेत्र में संक्रमण को कम करने आयुक्त प्रकाश कुमार सर्वे ने छोटी से छोटी बिन्दु को टास्क में लेकर कार्य करने निर्देश दिए है। अधिकारियों से कहा कि जहां कोरोना संक्रमित रह रहे है वहां से निकलने वाले कचरा को सावधानी पूर्वक कलेक्शन कर निष्पादन करे। उन्होने आने वाले माह को चुनौती के रूप में लेने कहा। निगम आयुक्त ने विभाग प्रमुखों की बैठक लेकर कोरोना की समीक्षा की। इस दौरान जांच में कोरोना संक्रमितों की संख्या में मामूली गिरावट होने पर और बेहतर कार्य करने के निर्देश दिए। आयुक्त ने कहा कि संक्रमण फैलने वाले चीजों में फोकस करते कहा कि जहां कोरोना संक्रमित निवास कर रहे है वहां से निकलने वाले कचरों को अलग रख निष्पादन किया जाए। आयुक्त ने निर्देश दिए कि मुख्यमंत्री स्लम स्वास्थ्य योजना के तहत लगने वाले शिविर में भी ध्यान रखे। मेडिकल वेस्ट को खुले स्थान में न फेकने दे। बैठक में नोडल अधिकारी रमाकांत साहू, प्रभारी कार्यपालन अभियंता बीके सिंह, उपअभियंता डिगेश्वरी चंद्राकर, उमयंती ठाकुर, हिमांशु कावड़े, अखिलेश गुप्ता, एसके सिंह भदौरिया, गोपाल सिन्हा, राजस्व अधिकारी हरचरण सिंह अरोरा, स्वास्थ्य विभाग प्रभारी जगरनाथ कुशवाहा आदि उपस्थित थे।

मृत्यु हो वहां करे सेनेटाइज

आमतौर पर निगम के प्रत्येक वार्ड में सेनेटाइज कराया जा रहा हैं आयुक्त ने उन क्षेत्र में विशेष फोकस करने कहा जहां कोरोना की वजह से मौत हुई है। सेनेटाइज कार्य के लिए 3 की जगह 4 ट्रैक्टर आरक्षित करने निर्देश दिए।

मुक्तिधाम का होगा विस्तार

रिसाली मुक्तिधाम में एक साथ 8 शव का अंतिम संस्कार करने प्लेटफार्म बना है। शव की संख्या बढ़ने पर आयुक्त ने प्लेटफार्म बढ़ाने और बारिश के समय लकड़ी कंडा को रखे अतिरिक्त शेड बनाने निर्देश दिए।

पेयजल शुद्धता पर नजर

आयुक्त ने जल जनित रोगों पर नियंत्रण रखने निर्देश दिए। अधिकारियों से कहा कि वे सार्वजनिक जल स्त्रोत जहां का पानी पेय जल के लिए उपयोग किया जाता है वहां नजर रखे। हर सप्ताह जल शुद्धता जांचने अधिक से अधिक पानी सैंपल लेकर जांच के लिए लैब भेजे।

वैक्सीनेशन की तैयारी

केन्द्र सरकार की गाइड लाइन के आधार पर प्रदेश में भी 18 वर्ष से अधिक आयु वालों को अनिवार्य रूप से टिका लगाया जाएगा। आयुक्त ने वर्तमान स्थान पर चल रहे टिकाकरण केन्द्र की संख्या बढ़ाने कहा।

राज्यों पर वैक्सीनेशन का भार डालना गलत : वर्मा

नवप्रदेश संवाददाता

दुर्ग। पूर्व महापौर आरएन वर्मा ने कहा है कि 18 से 45 वर्ष के प्रत्येक व्यक्ति को कोरोना का मुफ्त टीका लगाने में छत्तीसगढ़ देश का पहला राज्य होगा। जनहित और जनकल्याण से जुड़ा ऐसा फैसला एक संवेदनशील व्यक्ति ही कर सकता है। इस फैसले के लिए मुख्यमंत्री भूपेश बघेल साधुवाद के पात्र हैं। वर्मा ने केंद्र की मोदी सरकार को आड़े हांथों लेते हुए सवाल किया कि वैक्सीनेशन के लिए बजट में शामिल 35 हज़ार करोड़ कब और किस कार्य में खर्च किये जाएंगे। क्या राज्यों में सरकार बनाने विधायक खरीदने या देश के हर जिले में आलीशान भाजपा कार्यालय बनाने में इस राशि को खर्च किया जाएगा। उन्होने कहा कि किसी भी प्रजातांत्रिक देश में ऐसा नही होता कि रिलीफ फंड के नाम से जमा की गई राशि का उपयोग समय आने पर भी न किया जाए। इस राशि का आडिट भी न कराया जाए और लोगों की जानकारी की पहुंच से बाहर रखा जाए। मोदी राज में पीएम केयर्स फण्ड के नाम से एकत्रित एक लाख करोड़ का उपयोग कोरोना नियंत्रण करने वैक्सीनेशन के लिए क्यों नही किया गया घ् मोदी सरकार द्वारा

18 से 45 आयु वर्ग के लोगों के वैक्सीनेशन का खर्च राज्य सरकार पर डालकर केंद्र सरकार जनता के हितों से मुंह मोड़ रही है। दूसरी और मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने राज्य में 18 से 45 आयु के लोगों के लिए फ्री वैक्सीनेशन का प्रावधान कर सेवा जतन और सरोकार की सरकार के संकल्प को चरितार्थ कर दिखाया है।

लोगो की लापरवाही

भिलाई-3 (नवप्रदेश)। निगम क्षेत्रांतर्गत कोरोना लॉकडाउन में गाईड लाईन की अवहेलना करने वालों पर आयुक्त कीर्तिमान सिंह राठौर के निर्देशानुसार 10-10 सदस्यों का 2 मोबाईल टीम गठित किये हैं। प्रत्येक टीम सुबह.शाम 2-2 पाली में निरीक्षण कर रहें हैं कि कहीं कोई व्यवसायी समान विक्रय तो नहीं कर रहे हैं साथ ही निगम क्षेत्र के निवासियों को लगातार कोरोना के बढ़ते क्रम को ध्यान में रखते हुए गाईड लाईन का पालन करने, मास्क लगाने एवं नजदीकी स्वास्थ्य केन्द्र में जाकर टीका लगाये जाने की अपील की जा रही है।

मुफ्त टीकाकरण का फैसला ऐतिहासिक

नवप्रदेश संवाददाता

दुर्ग। प्रोफेशनल कांग्रेस के प्रदेश समन्वयक दीप सारस्वत ने कहा कि कोरोना के गंभीर संकट काल में जहां केंद्र सरकार प्रदेश के साथ पक्षपात कर रही हैं वहीं संवेदनशील मुख्यमंत्री भूपेश बघेल प्रदेश के हर वर्ग का ध्यान रख रहे हैं। केंद्र द्वारा टीका का भारी भरकम कीमत तय करने के बाद भी मुख्यमंत्री ने जनहित में बड़ा कदम उठाया है। जिसके मुताबिक राज्य में बढ़ रही वैश्विक महामारी कोरोना के दूसरे लहर से युवाओं को बचाने के लिए 18 वर्ष से अधिक उम्र के लोगों को मुफ्त कोरोना वैक्सीन लगवाई जाएगी। छत्तीसगढ़ प्रोफेशनल कांग्रेस ने इस फैसले ऐतिहासिक व

अन्य प्रदेशों के लिए प्रेरणादायी करार देते हुए स्वागत किया है। उन्होने कहा कि लॉकडाउन के हालातों से जरूरतमंद को राहत पहुंचाने मुख्यमंत्री ने दो माह के एकमुश्त चावल वितरण का आदेश भी दिया है। इससे प्रदेश के 67 लाख से ज्यादा राशनकार्डधारियों को फायदा होगा। कोरोना संक्रमण के खिलाफ जंग में केंद्र की मोदी सरकार के द्वारा निरंतर छग के प्रति पक्षपात करने का आरोप लगाया है।

इस्पात संयंत्र... बीएसपी व नगर निगम के वरिष्ठ अधिकारियों ने वाटर ट्रीटमेंट प्लांट का किया दौरा..

पेयजल में पीलापन पर नियंत्रण, संयंत्र द्वारा प्रदत्त जल पीने योग्य

नवप्रदेश संवाददाता

भिलाई। टाउनशिप में विगत कई दिनों से पेयजल आपूर्ति में पीलापन आने की शिकायत आ रही है। इस संदर्भ में सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र द्वारा विभिन्न प्रयास किये जा रहे है। इन्हीं प्रयासों की कड़ी में इस्पात संयंत्र तथा निगम व जल संसाधन विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा आज 23 अप्रैल को मरोदा स्थित बीएसपी वाटर ट्रीटमेंट प्लांट का दौरा किया गया। इस दौरे में निगम के चीफ इंजीनियर सत्येन्द्र जैन एवं उनकी टीम, जल संसाधन विभाग के एसडीओ ओपी शर्मा तथा सेल-बीएसपी के टाउनशिप के मुख्य महाप्रबंधक पीके घोष तथा यूके झा, बीएसपी के वाटर मैनेजमेंट विभाग के मुख्य महाप्रबंधक सीके नारायणन व उनकी टीम शामिल रहे। चीफ इंजीनियर सत्येन्द्र जैन के नेतृत्व में निगम की टीम ने बीएसपी के वाटर ट्रीटमेंट प्रणाली का समुचित निरीक्षण किया और यह पाया कि बीएसपी द्वारा वाटर ट्रीटमेंट की सही प्रक्रिया का अनुपालन किया जा रहा है। यहाँ से आपूर्ति किये जाने वाले पेयजल की गुणवत्ता तथा जांच रिपोर्ट को देखते हुए इसे पीने योग्य पाया। इस पेयजल में जो हल्का पीलापन आ रहा है वह इनकमिंग पानी के किसी पेड़-पौधों के जड़ों आदि के निरन्तर संपर्क में आने के कारण आ सकता है। रंग की इस समस्या को दूर करने के लिए एक संयुक्त टीम का निर्माण कर, डैम का निरीक्षण करने के पश्चात् आवश्यक उपाय किये जायेंगे। बीएसपी प्रबंधन ने अनुरोध किया है कि समस्या हल होते तक उन्हें भी तांदुला डेम के स्थान पर नगर निगम की तरह खरखरा डेम से जलापूर्ति की जाये।

इस्पात संयंत्र द्वारा शहर में पानी की सप्लाई के लिए तांदुला डेम से पानी संयंत्र के मरोदा स्थित मरोदा-2 टैंक में आता है। यहाँ से पानी जल शोधन संयंत्र मरोदा में ले जाकर उसका पर्याप्त ट्रीटमेंट के पश्चात ही शहर में ओवर हेड टैंक के माध्यम से वितरित किया जाता है। पानी में पीलेपन की मात्रा को ध्यान में रखते हुए पीलापन दूर करने हेतु एलम की मात्रा में वृद्धि की गयी है, परंतु पानी के रंग में कोई फर्क नहीं पड़ा। परंतु पानी के जांच में यह पाया गया कि ये पानी उच्च गुणवत्ता सहित एवं स्वस्थ्य की दृष्टि से पूर्णतः अनुकूल है, जिसकी पुष्टि जल संसाधन विभाग के प्रयोगशाला द्वारा की गयी है। संयंत्र द्वारा जल शोधन संयंत्र में पानी की गुणवत्ता की जांच हर पाली में की जाती है और टेस्ट रिपोर्ट के अनुसार हर बार पानी की गुणवत्ता आईएस 10500 (2012 के अनुसार ही पाई जा रही है। हर सेक्टर से भी सप्लाई प्वाइंट में पानी की जांच की जा रही है, वहाँ भी पानी की गुणवत्ता सही पाई गई है। रेसीड्युअल क्लोरीन की मात्रा भी मापित क्षमता के अंदर ही पाई गई है। वर्तमान स्थिति में जल प्रबंधन विभाग द्वारा ट्रीटमेंट प्लांट मरोदा में एलम की मात्रा बढायी गई है।

नरेंद्राचार्य महाराज का ऑनलाइन प्रवचन

नवप्रदेश संवाददाता

भिलाई। श्रीरामनवमी पर रामानंदाचार्य स्वामी नरेंद्राचार्य महाराज ने ऑनलाइन किया प्रवचन किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि जिस तरह श्रीराम ने वनवास में भी रहकर और मर्यादा में रहकर रावण का नाश किया उसी प्रकार इस कोरोना काल मे सभी लोगों को अपनी मर्यादाओं का स्वमेव पालन करना चाहिए तभी आप कुशल रह सकते है। उन्होंने आगे कहा कि जिस जिस बात को लेकर मार्गदर्शन दिया जाता है जैसे मास्क पहनों, जरूरी हो तभी घर से निकले, प्राणायाम आदि योग अभ्यास करें, तो हर परिस्थिति से बाहर निकल कर आ सकते है। जगदुरू नरेंद्राचार्य ने अपने प्रवचन में भगवान दत्तात्रेय के द्वारा माने गए 24 गुरु का उदाहरण देकर विपरीत परिस्थितियों का सामना करने का रास्ता बताया। पिछले दिनों उन्होंने अपने सभी शिष्यों को आदेश दिया कि दिन में 2 बार भाप लेना और ज्यादा से ज्यादा अनुलोम विलोम करो तथा

बाहर नही निकलो। इसके साथ ही इस कठिन समय में कम से कम 10 मिनिट भक्ति करने को भी कहा। जिससे सभी का मनोबल बढ़ेगा। पिछले सप्ताह जगद्गुरु नरेंद्राचार्य जी महाराज संप्रदाय के छत्तीसगढ़ के शिष्यों, भक्तों ने स्वामी जी के श्रीलीलामृत ग्रंथ का साप्ताहिक पाठ जूम ऐप के द्वारा किया। जिसमें बालोद, राजनांदगांव, धमतरी, रायपुर एवं दुर्ग के शिष्यों ने हिस्सा लिया। नरेंद्राचार्य जी महाराज ने अपने सभी शिष्यों एवं भक्तों को आश्वस्त किया कि वे उनके साथ है। संप्रदाय के द्वारा प्रसारित सत्संग, आध्यात्मिक शाला तथा हिंदी मराठी प्रवचन को सुनकर लाभ लेवें और अपना मनोबल बढ़ाएं।

निधन

संध्या मिश्रा

दुर्ग। कसारीडीह निवासी श्रीमती संध्या मिश्रा 57 वर्ष को एम्स रायपुर में निधन हो गया। उनका अंतिम संस्कार शिवनाथ नदी मुक्तिधाम दुर्ग में किया गया। वे टैक्स सलाहकार एवं श्री साई मंदिर समिति के सदस्य अखिलेश मिश्रा की पत्नी थी। वे अपने पीछे भरापुरा परिवार छोड़ गई है। उनके निधन पर श्री साई मंदिर समिति दुर्ग के अलावा छग कान्यकुब्ज ब्राह्मण समाज ने शोक व्यक्त किया है।

राष्ट्रीय पंचायत दिवस पर आज छत्तीसगढ़ को मिलेंगे 12 पुरस्कार

■ प्रदेश को ई-पंचायत सहित कोंडागांव जिला पंचायत, गरियाबंद व तिल्दा जनपद पंचायत और 7 ग्राम पंचायतों को विभिन्न श्रेणियों में राष्ट्रीय पुरस्कार

रायपुर/नवप्रदेश। राष्ट्रीय पंचायत दिवस के मौके पर नई दिल्ली में 24 अप्रैल को आयोजित कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ को 12 पुरस्कार दिए जाएंगे। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी वर्चुअल कार्यक्रम में प्रदेश को ये पुरस्कार प्रदान करेंगे। केन्द्रीय पंचायतीराज एवं ग्रामीण विकास मंत्री नरेन्द्र तोमर भी कार्यक्रम में मौजूद रहेंगे। यह लगातार दूसरा वर्ष है जब प्रदेश की पंचायतीराज संस्थाओं को उनके उत्कृष्ट कार्यों के लिए राष्ट्रीय स्तर के 12 पुरस्कारों से नवाजा जाएगा। वर्ष 2020 में भी प्रदेश को ई-पंचायत पुरस्कार और 11 पंचायतीराज संस्थाओं को विभिन्न श्रेणियों में पुरस्कृत किया गया था। उससे पहले 2019 में भी प्रदेश की पंचायतों को 11 राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त हुए थे। पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री टी.एस. सिंहदेव वरिष्ठ विभागीय अधिकारियों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंस से पुरस्कार वितरण कार्यक्रम में जुडेंगे।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी नई दिल्ली में आयोजित वर्चुअल कार्यक्रम में देंगे पुरस्कार, पंचायत मंत्री टी.एस. सिंहदेव वीडियो कॉन्फ्रेंस से शामिल होंगे।

इन पंचायतों को मिलेंगे पुरस्कार

प्रदेश की पंचायतों में आईसीटी के इस्तेमाल में बेहतर प्रदर्शन के लिए भारत सरकार द्वारा छत्तीसगढ़ का चयन ई-पंचायत पुरस्कार के लिए किया गया है। तीन अलग-अलग वर्गों में दिए जाने वाले इस पुरस्कार में छत्तीसगढ़ को प्रथम वर्ग में असम के साथ संयुक्त रूप से दूसरा स्थान प्राप्त हुआ है। वहीं केन्द्रीय पंचायती राज मंत्रालय द्वारा कोंडागांव जिला पंचायत, गरियाबंद और तिल्दा जनपद पंचायत तथा सरगुजा जिले के अंबिकापुर विकासखंड के सरगवां और लुंड्रा विकासखंड के रिरी, बालोद जिले के गुंडरदेही विकासखंड के माहुद (अ), कबीरधाम जिले के सहसपुर लोहारा विकासखंड के महराटोला एवं रायपुर जिले के आरंग विकासखंड के बैहार ग्राम पंचायत का चयन दीनदयाल उपाध्याय पंचायत सशक्तिकरण पुरस्कार के लिए किया गया है। राष्ट्रीय पंचायत पुरस्कार-2021 के अंतर्गत बीजापुर जिले के भोपालपटनम विकासखंड के दूरस्थ वनांचल गोटईगुड़ा ग्राम पंचायत को नानाजी देशमुख राष्ट्रीय गौरव ग्राम सभा पुरस्कार, रायपुर जिले के अभनपुर विकासखंड के नवागांव (ल) को बाल हितैषी ग्राम पंचायत पुरस्कार और आरंग विकासखंड के बैहार को ग्राम पंचायत विकास योजना पुरस्कार दिया जाएगा।

न्यूज गैलरी

राज्यपाल सुश्री उइके ने कोरोना वैक्सीन का दूसरा डोज लगवाया

रायपुर। राज्यपाल सुश्री अनुसुईया उइके ने आज पं. जवाहर लाल नेहरु स्मृति चिकित्सा महाविद्यालय के कोविड-19 टीकाकरण केंद्र पहुंचकर कोरोना वैक्सीन का दूसरा डोज लगवाया। राज्यपाल ने छत्तीसगढ़वासियों से अपील करते हुए कहा कि सभी पात्र लोग कोरोना वैक्सीन अवश्य लगवाएं। साथ ही उन्होंने कहा कि वैक्सीन लगवाने से शरीर में रोगप्रतिरोधक क्षमता विकसित होगी जिससे हमें कोरोना को हराने में मदद मिलेगी। कोरोना का टीका लगाने के बाद भी मास्क अवश्य लगाएं और कोविड-19 के बचाव के सारे उपायों का पालन करें। राज्यपाल सुश्री अनुसुईया उइके को स्टाफ नर्स श्रीमती सीता साहू ने वैक्सीन का दूसरा डोज लगाया। वैक्सीन लगने के बाद वे आधा घंटे के लिये निगरानी कक्ष में थीं। चिकित्सा महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. विष्णु दत्त ने राज्यपाल को कोरोना का वैक्सीनेशन पूर्ण करने का प्रमाण पत्र भी दिया। राज्यपाल सुश्री अनुसुईया उइके ने कोरोना के विरुद्ध जारी संघर्ष में मेडिकल कॉलेज अस्पताल रायपुर के द्वारा किये जा रहे प्रयासों के लिए अधिष्ठाता डॉ. विष्णु दत्त एवं उनकी पूरी टीम को बधाई दी।

महापौर ने पीपीई कीट पहनकर इंडोर स्टेडियम कोविड वार्ड का किया निरीक्षण

रायपुर। राजधानी रायपुर के महापौर एजाज ढेबर ने अनोखी मिशाल पेश की है। उनकी इस कार्य की प्रशंसा करीबी तो करीबी विरोधी भी कर रहे हैं। अपने तरह का यह अनोखा कार्य है। अभी तक किसी भी राजनेता द्वारा इस तरह की पहल नहीं की गई थी। उन्होंने पीपी कीट पहनकर राजधानी रापयुर के इंडोर स्टेडियम में बनाए गए कारोना वार्ड में मरीजों का हाल जाना एवं उनका मनोबल बढ़ाने का प्रयास किया। उनके इस कार्य की पूरे प्रदेश में खूब प्रशंसा हो रही है। उन्होंने इसके माध्यम से मुश्किल घड़ी में मरीजों को सकारात्मक रहकर, मजबूती से लड़ने का संदेश दिया है। साथ ही विश्वास दिलाया कि वे शीघ्र ही स्वस्थ होकर अपने घर लौटे।साथ ही उन्होंने विपक्षी दल बीजेपी को भी संदेश देने का प्रयास किया है कि आप कोविड अस्पताल जाकर भर्ती मरीजों से मिलें ताकि उनका हौसला अफ्जाई हो सके। सोशल मीडिया में लगातार मरीजों की स्थिति को जानने व उनका मनोबल बढ़ाने राजनेताओं से मांग किया जाता रहा है। जिस पर कदम उठाते हुए राजधानी रायपुर के महापौर एजाज ढेबर ने इंडोर स्टेडियम में मरीजों का हाल जाना।

वरिष्ठ टेनिस खिलाड़ी लारेन्स सेंटियागो का निधन

रायपुर। छग प्रदेश टेनिस संघ के कोषाध्यक्ष एवम वरिष्ठ टेनिस खिलाड़ी लारेन्स सेंटियागो का दुखद निधन आज प्रातः6 बजे नारायणा हॉस्पिटल में हो गया, प्रदेश के मुख्यमंत्री एवम छग प्रदेश टेनिस संघ के अध्यक्ष भूपेश बघेल ने स्व लारेन्स सेंटियागो को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए इसे प्रदेश टेनिस की बहुत बड़ी क्षति कहा जिसकी भरपाई नही की जा सकेगी। प्रदेश टेनिस एवम ओलंपिक संघ के महासचिव गुरुचरण सिंह होरा ने श्री लारेन्स सेंटियागो के निधन को अपनी व्यक्तिगत क्षति बताते हुए कहा के मैंने अपना एक अच्छा दोस्त, कर्मठ कार्यकर्ता और हँसमुख स्वभाव के धनी व्यक्ति को खो दिया जिन्होंने अपने परिवार की टेनिस विरासत को न सिर्फ संभाल कर रखा , अपितु उसे और आगे बढ़ाया मेरी अश्रुपूरित श्रद्धाजंलि के साथ मेरी ईश्वर से यह कामना है की परिवार को दुख की इस घडी में ईश्वर संबल प्रदान करे आल इंडिया टेनिस संघ के आजीवन अध्यक्ष अनिल खन्ना एवम महासचिव अनिल धुपर ने भी अपनी श्रधांजलि अर्पित करते हुए कहा के उन्होंने अपना दोस्त और एक शानदार टेनिस खिलाड़ी खो दिया प्रदेश टेनिस संघ के चेयरमैन डॉ ए फरिश्ता, पूर्व अध्यक्ष विक्रम सिंह सिसोदिया, वरिष्ठ उपाध्यक्ष अवतार सिंह जुनेजा ,डॉ अजय पाठक ,सहित संघ के समस्त पदाधिकारियों एवम छग प्रदेश के समस्त टेनिस खिलाड़ियों ने आज स्व सेंटियागो के आत्मा की शांति की प्रार्थना करते हुए उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की।

निधन

डॉ. तीर्थश्वर सिंह

भिलाई। इंदिरा गाँधी नेशनल ट्राईबल विश्वविद्यालय अमरकंटक, कल्याण स्नातकोत्तर महाविद्यालय भिलाई नगर के पूर्व प्रोफेसर डॉ.तीर्थश्वर सिंह 58 साल का गुरुवाररात्रि 7:30 बजे के आसपास इलाज के दौरान किम्स अस्पताल बिलासपुर मे दुखद निधन हो गया, वे प्रोफेसर डॉ.वीणा सिंह के पति व इंजीनियरिंग महाविद्यालय के प्रोफेसर डॉ.राजेश्वर सिंह के बडे भाई थे।

त्रिभुवन लाल वर्मा

खरोरा। ग्राम कुर्रा निवासी दाऊ त्रिभुवन लाल वर्मा,उम्र 73 वर्ष का आकस्मिक निधन दिनॉक 22 अप्रेल दिन गुरुवार को हो गया। जिसका अंतिम संस्कार ग्राम के मुक्तिधाम मे किया गया। वे विनोद कुमार वर्मा, क्षत्रपाल वर्मा के पिता एवं मंथन वर्मा ,ओम वर्मा के दादा जी थे।

राज्य में अब तक के सारे रिकॉर्ड टूटे, 16700 से ज्यादा नए केस

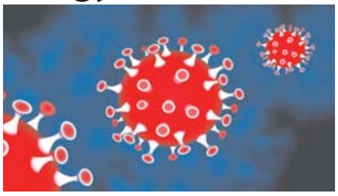

■ 197 मौतें भी 15000 से ज्यादा हुए ठीक

नवप्रदेश संवाददाता

रायपुर। छत्तीसगढ़ में कोरोना वायरस संक्रमण का ग्राफ थमने का नाम नहीं ले रहा है। अब तक 6 लाख से ज्यादा लोग संक्रमित हो चुके हैं। 16750 नए मरीज मिलने की पुष्टि हुई है। प्रदेश में लगातार बढ़ती संक्रमित मरीजों की संख्या चिंताजनक है। अब छत्तीसगढ़ में कुल एक्टिव मरीज 121555 हो गए हैं। 16750 नए कोरोना पॉजिटिव मरीज़ों की पहचान हुई वहीं 15051 मरीज़ स्वस्थ होने के उपरांत डिस्चार्ज/रिकवर्ड हुए। राज्य में स्वस्थ होने के उपरांत डिस्चार्ज/रिकवर्ड हुए मरीज़ों की संख्या 477339 है।

स्वास्थ्य विभाग से मिली जानकारी के अनुसार

दुर्ग 1759, राजनांदगांव 1024 बालोद 412, बेमेतरा 389, कबीरधाम 394, रायपुर 3035, धमतरी 707, बलौदाबाजार 783, महासमुंद 479, गरियाबंद 314, बिलासपुर 1117, रायगढ़ 931, कोरबा 767, जांजगीर-चांपा 905, मुंगेली 407, जीपीएम 131, सरगुजा 585, कोरिया 261, सूरजपुर 306, बलरामपुर 561, जशपुर 495, बस्तर 185, कोंडागांव 141, दंतेवाड़ा 68, सुकमा 25, कांकेर 500, नारायणपुर 26, बीजापुर 40, अन्य राज्य 2 कोरोना पॉजिटिव मिले हैं।

कुल 197 मौतें

कोरोना से कुल 197 मौतें हुई हैं। स्वास्थ्य विभाग के कल दिये आंकड़ों के मुताबिक कुल 6467 लोगों की मौत हुई थी, जबकि आज मौत का आंकड़ा 6674 पहुंच गयी है। इस प्रकार प्रदेश में आज कुल 207 लोगों की मौत हुई है।

अस्पताल के लिए महापौर निधि से चिकित्सा अधिकारी को दिए 6.50 लाख

लगातार ऑक्सीजन बेड की कमी को देखते हुए पिछले दिनों नगर निगम के महापौर आयुक्त सभापति और विभागों के अध्यक्षों की मीटिंग में निर्णय लिया गया था कि जिला अस्पताल में जम्बो सिलेंडर महापौर निधि से प्रदान किया जाएगा इसी के तहत जिला अस्पताल को 6ः50 लाख रुपए का चेकनगर निगम के द्वारा जिला अस्पताल को प्रदान किया गया है इस राशि से सिलेंडर लेकर ऑक्सीजन बेड की क्षमता को बढ़ाकर लोगों को सुविधाएं ज्यादा से ज्यादा प्रदान करेंगे ऐसी आशा और अपेक्षा के साथ महापौर निधि से राशि प्रदान किया गया। नगर निगम के द्वारा किए गए सहयोग से निश्चित रूप से आने वाले दिनों में जिला अस्पताल में ऑक्सीजन बेड की संख्या में इजाफा होगा और उसे जिला अस्पताल में इलाज कराने वाले मरीजों को सुविधाएं प्रदान होगी वर्तमान में चाहे सामान्य बीमारी से पीड़ित हो या कोरोनावायरस से संक्रमित मरीज जिला अस्पताल बड़ी संख्या में पहुंच रहे हैं किंतु सीमित संख्या में बेड उपलब्ध होने के कारण सभी को ऑक्सीजन बेड की सुविधाएं प्राप्त नहीं हो पा रही है इसके लिए नगर निगम के द्वारा यह सहयोग जिला अस्पताल को प्रदान किया गया है। जिला अस्पताल एवं निजी अस्पतालों में अभी ऑक्सीजन बेड एक बहुत बड़ी समस्या बनकर उभरी है जिसे पूरी करना सभी के सहयोग से ही संभव है।

बढ़ सकता है लॉकडाउन, आंकड़े लगातार डराने वाले, मौतों का आकड़ा 200 पार

प्रदेश के कई जिलों में कोरोना संक्रमण की दूसरी लहर घातक सिद्ध हो रही है। राज्य सरकार द्वारा जिलों में बढ़ते संक्रमण को देखते लॉकडाउन लगाया व बढ़ाया जा रहा है। प्रदेश के सभी जिलों में 26 अप्रैल तक लॉकडाउन लागू है। आने वाले दिनों में लॉकडाउन को बढ़ाया जाएगा या खत्म किया जाएगा। इसको लेकर आम लोगों में अब चिंता बढ़ती जा रही है। वहीं विशेषज्ञों का मानना है कि प्रदेश के सभी जिलों में लॉकडाउन को अभी और आगे बढ़ाने की जरूरत है। लॉकडाउन को 13 दिन बीत जाने के बाद भी संक्रमण में कमी नहीं आया है। प्रदेश के अस्पतालों में बेड की भारी किल्लत सामने आती जा रही है। सरकार के लगातार हस्तक्षेप के बाद भी जीवन दायनी ऑक्सीजन की कमी से लोगों की जान जा रही है। जो गंभीर समस्या है। गौरतलब हो कि प्रदेश में पिछले 13 दिनों से लॉकडाउन लगाया गया है। इसके बावजूद संक्रमण का आंकड़ा प्रतिदिन 10 हजार+ आ रहा है। मरने वालों का आंकड़ा भी बढ़ता ही जा रहा है। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने प्रदेश के 18+के सभी लोगों को फ्री वैक्सीनेशन का ऐलान भी कर दिया है। जो प्रदेशवासियों के लिए अच्छी खबर है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से आह्वान किया है कि प्रदेश को वैक्सीनेशन का पर्याप्त खेप उपलब्ध कराया जाये। ताकि प्रदेशवासियों को जल्द फ्री वैक्सीनेशन कराया जा सके।

मरीजों के बेहतर इलाज के लिए हर आवश्यक व्यवस्था हो : अकबर

■ वन मंत्री ने कबीरधाम जिले में कोरोना संक्रमण की स्थिति की समीक्षा की

■ वन मंत्री की पहल पर कवर्धा में कोरोना की रोकथाम के लिए 50 लाख रूपए की मंजूरी सहित भेजे जा रहे 100 अतिरिक्त ऑक्सीजन गैस सिलेण्डर

रायपुर। वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री तथा कवर्धा विधानसभा क्षेत्र के विधायक मोहम्मद अकबर ने आज राजधानी के शंकर नगर स्थित अपने निवास कार्यालय में वर्चुअल बैठक के माध्यम से कबीरधाम जिले में कोरोना संक्रमण की स्थिति की समीक्षा की। उन्होंने बैठक में चर्चा करते हुए जिला कलेक्टर कबीरधाम को जिले में कोविड-19 से संक्रमित मरीजों के बेहतर इलाज के लिए हर आवश्यक व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इसके तहत उन्होंने अस्पतालों में आवश्यक संसाधनों को बढ़ाने सहित उनके शीघ्र आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए भी निर्देशित किया।

उल्लेखनीय है कि वन मंत्री अकबर स्वयं होम आइसोलेशन में रहते हुए दूरभाष से कोरोना संक्रमण की स्थिति के बारे में प्रतिदिन लगातार समीक्षा करते रहे हैं। उनके प्रयासों का परिणाम है कि कबीरधाम जिला में कोई भी संक्रमित व्यक्ति चिकित्सा सुविधा से वंचित नहीं है। इन्हें ऑक्सीजन युक्त बेड का अभाव भी नहीं हुआ। उन्होंने समीक्षा के दौरान टेस्टिंग किट, रेमडेसिविर, स्टेरायड तथा ऑक्सीजन आदि जिन दवाईयों की व्यवस्था जिला स्तर के प्रयासों से संभव नहीं हो रही है, उनकी भी व्यवस्था उच्च स्तर से शीघ्र करने के लिए आश्वस्त किया। वन मंत्री श्री अकबर ने इस दौरान कवर्धा जिले में कोरोना संक्रमित मरीजों के इलाज कर रहे निजी अस्पतालों के संचालकों तथा डॉक्टरों से भी चर्चा की। उन्होंने कोरोना संक्रमित मरीजों के तत्परता से इलाज सुविधा के लिए निजी अस्पतालों की मांग के अनुरूप ऑक्सीजन सिलेण्डर तथा रेमडेसिविर आदि आवश्यक दवाईयों की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने के संबंध में कलेक्टर को आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने निजी अस्पतालों के डॉक्टरों से भी चर्चा करते हुए कहा कि वे शासकीय अस्पतालों में आवश्यकता के अनुरूप कोरोना संक्रमित मरीजों के इलाज के लिए अपना समय देवें। जिस पर निजी अस्पताल डॉक्टरों द्वारा अपनी सहमति जताई गई।

वन मंत्री अकबर ने समीक्षा करते हुए कबीरधाम जिले में कोरोना से संक्रमित मरीजों के बेहतर उपचार और वहां संचालित कोविड केयर सेंटरों में मेडिकल तथा मानव संसाधनों बढ़ाने और महामारी से निपटने के लिए हर आवश्यक व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

नाड़ीशोधन योग सर्वाधिक लाभदायी : डॉ. सिद्धि शर्मा

रायपुर। छग सिंधी पंचायत रायपुर छग के बैनर तले आज शुक्रवार 23अप्रेल मध्याह्न 1बजे जूम एप पर कोरोना महामारी पर योग गुरूओं के माध्यम से न घबराएं - योग करें का संदेश दिया। पंचायत के प्रवक्ता दिनेश अठवानी ने बताया कि डा सिद्धि शर्मा ने सांस लेने का कुदरती तरीका बताया,जो एब्डामिनल तरीका कहा जाता है।प्राणायाम में नाड़ी शोधन को लाइव विस्तृत रूप से समझाया।।इसे खाना खाकर न करके सम्भवतःखाली पेट करें।

इसी विषय पर कोंडागाँव व बस्तर सुदूर अंचल में 17वर्ष से सेवारत डा बीना खोब्रागढ़े ने बतायाः आक्सीजन प्राणवायु है,इसे योग द्वारा मजबूत कर इम्यूनिटी बढ़ाएं। भोजन में दही, सलाद-फल- कच्ची सब्जी, अंकुरित चना, आदि 80 लें, अनाज केवल 20त्न लेवें, खूब चबा-चबाकर खाएं, पाचन तंत्र का काम आसान हो जाये। मात्रा के लिहाज से 1 नास्ता, 2 दिन का भोजन, रात्रि में भोजन न लेकर हल्दी डालकर दूध लेवें। काढ़ा अधिक लेने से हानि होती है,इसे 50मिली लेवें। गाय का घी ऊपर से लें,यह बायोमास का काम करता है। गिलोय,अश्वगंधा तुलसी, अदरक, काली मिर्च, मुनक्का,आंवला आदि प्रतिरोधक सेल्स आरबीसी को बढ़ाते हैं। इम्यूनिटी बढ़ाने उपरोक्त भोजन,अच्छी निद्रा, प्रकृति व सभी से व्यवहार मधुर रखें। तनाव से भी बीमारियां बढ़ती हैं। तनाव बीमारी बढ़ाने में मुख्य कारक होता है। एम्स से डा राधाकृष्ण रामचंदानी ने बताया,मरीज अधिक होने से बड़ी हास्पिटल में बंद कमरे में पेशेंट ठूंसकर भरे जा रहे हैं। छोटे हास्पिटल अधिक उचित हैं। कमरा हवादार होने से श्वसन क्रिया अच्छे से होती है। उन्होंने आगे बताया घरों में आप सर्वाधिक सुरक्षित हैं। सभी हास्पिटल में कोरोना की दवाइयां एक जैसी होती हैं। जब तक बहुत अधिक तक़लीफ़ न हो, होम कोरंटाइन होकर डा की दवाएं लीजिए,अधिक लाभ होगा। रेमडेसिविर कोई रामबाण औषधि नहीं। बाकी दवाओं से भी आराम मिलता है।

कोरोना वारियर हमारे चिकित्सक: डॉ. समीर तिवारी

रायपुर। प्रदेश में कोरोना संक्रमण की रोकथाम के लिए पूरा प्रशासनिक अमला,स्वास्थ्य विभाग दिन रात लगा हुआ है। स्वास्थ्य विभाग में ऐसे अनेक अधिकारी कर्मचारी हैं जो अपने स्वास्थ्य की परवाह किए बिना अपनी ड्यूटी पूरी मुस्तैदी से कर रहे हैं। ऐसे ही आयुष चिकित्सा अधिकारी हैं बिलासपुर जिले के डॉ समीर तिवारी जो वर्तमान में होम आइसोलेशन के सहायक नोडल अधिकारी है। गत वर्ष मार्च से ही संक्रमित मरीजों का होम आइसोलेट करने,दवाईयां पहुंचाने और फोन से मरीजों को सलाह देने का कार्य बखूबी कर रहे हैं। उनके पास लगभग 500 फोन रोज आते हैं और वे सबको बड़े ही धैर्य से सलाह देते हैं। इस बीच उनका हाथ भी फेक्चर हो गया फिर भी वे अपनी ड्यूटी से पीछे नही हटे। ऐसे ही कोरोना वारियर्स के कारण कोरोना से जंग पर हम शीघ्र ही विजय पाएंगे। पर हमें मास्क लगाना ,भीड़ से बचना और हाथों की नियमित सफाई करना भूलना नहीं है।

रेमडीसिविर की अनावश्यक मांग पर उचित सलाह दे: डॉ. बघेल

■ निजी डेडीकेटेड कोविड-19 अस्पताल के संचालकों को रेमडीसिविर इजेक्शन के संबंध में मरीजों को उचित सलाह देने के निर्देश दिए

रायपुर। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी रायपुर डॉ मीरा बघेल ने जिले के सभी निजी डेडीकेटेड कोविड-19 अस्पताल के संचालकों को पत्र लिखकर कोविड-19 उपचार में रेमडीसिविर इजेक्शन की अनावश्यक मांग एवं उपयोग के संबंध में ध्यान आकर्षित किया है और मरीजों को उचित सलाह देने के निर्देश दिए। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने कहा है कि निजी चिकित्सालयों में कोविड-19 उपचार में इजेक्शन रेमडीसिविर की अनावश्यक मांग एवं उपयोग की बात संज्ञान में आयी है । यह भी संज्ञान में आया है कि कोविड-19 मरीजो को ओ.पी.डी. में बुला कर रेमडिसिविर लगाया जा रहा है। कोविड-19 मरीजो को इस रेमडिसिविर इंजेक्शन नहीं लगाना हैं।

कई मरीजों के रिश्तेदारों को रेमडिसिविर इंजेक्शन के लिए पर्ची लिखकर भेजा जा रहा है, जो लंबी कतार में खड़े रहते है। उन्होंने पूछा है कि क्या प्रसिक्रिप्शन चिकित्सक के द्वारा लिखा जा रहा अथवा किसी भी स्टाफ के द्वारा लिख दिया जा रहा है? ऐसे मरीज जिनका सेचुरेशन 94-95 प्रतिशत है, उन्हे भी इंजेक्शन के लिए पर्ची लिखकर भेजा जा रहा है। क्या ऐसे मरीजों को रेमडिसिविर की आवश्यकता है? मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने कहा है कि ऐसी शिकायते मरीज एवं परिजनों के द्वारा की जा रही है. उन्होंने कहा है कि आपके स्वास्थ्य संस्था से ऐसी शिकायते आने पर अनुशासनात्मक कार्यवाही करते हुए संस्था के मान्यता को निरस्त करने की कार्यवाही की जाएगी। उन्होंने संचालको से कहा है कि मरीजों को उचित सलाह दें और निर्देशो का पालन करना सुनिश्चित करें।

कोविड-19 संक्रमितों को इंजेक्शन लगाने की सलाह

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने यह भी कहा है कि संस्था में चिकित्सकों के द्वारा कोविड-19 संक्रमित मरीजों के उपचार हेतु इंजेक्शन रेमडिसिविर लगाने के सलाह दी जा रही है। उक्त संबंध में डॉक्टर के प्रिस्क्रिप्शन (हॉस्पिटल पर्ची) में डोज नंबर, मरीज का एसपीओ2 का लिखा होना एवं डॉक्टर नाम एवं सील व टेस्ट रिपोर्ट साथ ही प्रेषित करें। इंजेक्शन रेमडिसिविर लगवाने वाले मरीजों का डाटा अनिवार्य रूप से संकलित करे उन्होंने संचालको को निर्देशित किया है कि इंजेक्शन रेमडिसिविर लगवाने वाले मरीजों का डाटा अनिवार्य रूप से संकलित करना सुनिश्चित करें। ताकि आवश्यकतानुसार विभागीय अधिकारी द्वारा ऑडिट किया जा सके।

संपादकीय

मेडिकल इमर्जेंसी घोषित हों

देश में कोरोना अब बेकाबू होता जा रहा है। पिछले दो दिनो से अब रोज तीन लाख से अधिक मामले सामने आ रहे है। सर्वाधिक कोरोना प्रभावित अनेक राज्यों में लॉकडाउन लग चुका है इसके बावजूद कोरोना संक्रमितों की संख्या बढ़ती ही जा रही है। वहां के अस्पतालों में लोगों को बेड नहीं मिल पा रहा है और आक्सीजन की भी मारा मारी हो रही है। इस मामले में मुंबई हाईकोर्ट ने केन्द्र सरकार के खिलाफ कड़ी टिप्पणी की है। हाईकोर्ट ने यहां तक कह दिया है कि कोरोना संक्रमितों को हर कीमत पर ऑक्सीजन उपलब्ध होना चाहिए भले ही इसके लिए सरकार को चोरी करनी पड़े तो वह चोरी भी करें। इसी से स्पष्ट है कि गंभीर रूप से कोरोना पीड़ित लोगों की हालत कैसी है, आक्सीजन के आभाव में प्रतिदिन सैकड़ों लोग काल का ग्रास बन रहे है। अनेक स्थानों पर तो आवश्यक दवाओं का भी टोटा हो गया है, निश्चित रूप से हालत भयावह होने लगे है। इसलिए यह आवश्यक है कि देश में तत्काल मेडिकल इमर्जेंसी घोषित हों और केन्द्र व राज्य सरकारों को मिलकर कोरोना से मौजूदा हालातों से निपटने के लिए नए सिरे से रणनीति बनानी चाहिए। इस बारे में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने उच्च स्तरीय बैठकों का दौर शुरू कर दिया है और कोरोना प्रभावित राज्यों के मुख्यमंत्रियों के साथ भी चर्चा की है। उम्मीद की जानी चाहिए कि केन्द्र और राज्य सरकारें मिलकर कोरोना की दूसरी लहर से उत्पन्न हुई विषम स्थिति का सामना करने के लिए नए सिरे से कार्ययोजना बनाएंगी और उसपर युद्ध स्तर पर अमल किया जाएगा। इस समय देशभर के अस्पतालों में आक्सीजन को जो किल्लत मची है उसे दूर करना निहायत जरूरी है। इसके साथ ही एक मई से 18 वर्ष से ज्यादा के लोगों को टीका लगाने का जो अभियान शुरू होने जा रहा है उसे भी तेज गति देनी होगी ताकि कम से कम समय में ज्यादा से ज्यादा लोगों को टीका लगाया जा सके। इसके अलावा चिकित्सा सुविधाओं का विस्तार भी द्रुत गति से करना होगा क्योंकि इस बार कोरोना वायरस ने गांव कस्बों तक कोहराम मचाना शुरू कर दिया है। इसलिए सभी जिला चिकित्सालयों, प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों और उपकेन्द्रों में भी कोरोना संक्रमितों के उपचार की व्यवस्था करना आवश्यक हो गया है। इसके लिए सरकार को मेडिकल इमरजेंसी घोषित कर के अपना पूरा ध्यान लोगों के स्वास्थ्य पर केंद्रित करना चाहिए और अस्पतालों में सर्वोच्च प्राथमिकता के आधार पर संसाधन जुटाने चाहिए क्यों कि कोरोना का यह कहर पता नहीं कब तक जारी रहेगा और आगे कितना विकराल होगा। ऐसी स्थिति में लोगों की जान की रक्षा से बड़ा और कोई काम सरकार के लिए नहीं रह जाता।

राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस पर विशेष

सुशासन की पहल की बुनियाद है पंचायती राज

विकास कुमार

इनके द्वारा जो कार्य एवं निर्माण कार्य किए जाते हैं, दूसरी पंचवर्षीय तक नहीं चल पाते हैं। जो उत्तरदायित्व पूर्ण नहीं हैं। ग्रामीणों को बताया जाता है कि इस कार्य के लिए केवल इतनी ही सामग्री निर्धारित है । इससे अमुक कार्य को करें या नहीं। आज कई ग्राम पंचायतों में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र तक नहीं है ।यदि है भी तो वहां ना डॉक्टर हैं , ना दवा। ऐसे अभावग्रस्त जीवन में ग्रामीण अपना विकास कैसे कर सकते हैं । संविधानतः यह भी प्रावधान है कि गांव का मुखिया प्रावधान साल में तीन बैठक करें जिससे प्रमुख समस्याओं पर विचार - विमर्श किया जा सके और लोकतांत्रिक प ढंग से उस समस्या के निदान के लिए कार्य किया जाए। चुनाव जीतने के बाद प्रत्याशी तो गांव ही भूल जाता है । ग्रामीणों को काम से फुर्सत नहीं कि वह इसका जवाब मांग सकें।ऐसे में सर्वोत्कृष्ट शासन केवल एक कल्पना रह जाती है।

लोकतांत्रिक देशों का यही चिंतन होना चाहिए की निवास करने वाले नागरिकों को निर्णय निर्माण ,मतदान, नीति क्रियान्वयन एवं उनके समस्याओं को सुलझाने का आकार कितना विकसित किया जा रहा है?। वर्तमान समय में विश्व बैंक द्वारा प्रचलित सुशासन की अवधारणा अत्यंत लोकप्रिय एवं सर्वविदित है। क्या यह अवधारणा बिना निचले स्तर के शासन को सशक्त बनाए विकसित हो पाएगी ?वह शासन प्रणाली पंचायती व्यवस्था है। जो जन सहभागिता और जन जागरूकता बनाने का महत्वपूर्ण आधार है? ।आज राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस है ।स्वतंत्रता के पश्चात संविधान के भाग 4 के अनुच्छेद 40 में पंचायती व्यवस्थाओं से संबंधित प्रावधान किया गया जो वाद योग्य नहीं है (अनु 37)।यही कारण रहा कि स्वतंत्रता के पश्चात इनको सशक्त बनाने के लिए कई प्रयास किए गए जिससे कि निचले तपके का व्यक्ति शासन और लोकतंत्र के पहलुओं में जुड़ सके। 1952 का सामुदायिक विकास कार्यक्रम ,1953 का राष्ट्रीय प्रसार सेवा कार्यक्रम और अन्य कई समितियां समय-समय पर इसके लिए गठित की गई। केंद्र सरकार द्वारा पंचायती राज एवं सामुदायिक विकास मंत्रालय का गठन किया गया और इस विभाग के मंत्री एस के डे बनाए गए थे । यह सभी कार्यक्रम सफल नहीं हो पा रहे थे, क्योंकि इनको संविधानतः कोई प्रावधान नहीं दिया गया था । इस पहल को आगे बढ़ाने का कार्य प्रधानमंत्री राजीव गांधी जी ने 1979 में 64 वां संविधान संशोधन प्रस्तुत करके किया । यह विधेयक राज्यसभा में पारित न हो सका। 1991 में पी वी नरसिम्हा राव द्वारा संवैधानिक दर्जे के लिए महत्वपूर्ण प्रयास किया गया। 73 वां संविधान संशोधन प्रस्तुत किया गया , 22 दिसंबर को लोकसभा एवं 23 दिसंबर को राज्यसभा से मंजूरी दे दी गई। अब सवाल राज्यों से अनुमोदन का था ।,20 अप्रैल को 17 राज्यों ने इसमें संस्तुति दी ।24 अप्रैल 1992 को राष्ट्रपति श्री शंकर दयाल शर्मा जी के हस्ताक्षर हुए और पंचायतों को संवैधानिक दर्जा प्रदान किया गया ।इनको भाग 9 के अनुच्छेद 243 में वर्णित किया गया ।यही कारण है कि प्रत्येक 24 अप्रैल को राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस के रूप में मनाया जाता है।

स्थानीय स्वशासन को गठित करते समय आत्मनिर्भर गांव एवं सशक्त गांव की कल्पना की गई थी । इन सपनों और उम्मीदों के साथ इन्हें गठित किया गया था कि आत्मनिर्भर और सशक्त गांव बनेंगे। क्या वह काम कर पा रही हैं? क्या उन उम्मीदों को साकार कर पा रही हैं? इसका स्पष्ट ढांचा और स्वरूप एक बार ग्रामीणांचलों में भ्रमण करके देखा जा सकता है । इन्हें आत्मनिर्भर और

उत्तरदायित्व पूर्ण ना बन पाने का स्पष्ट कारण जन जागरूकता का अभाव ,शिक्षा का अभाव एवं संपूर्ण पंचायत के विषयों को राज्य सरकार द्वारा इन्हें हस्तांतरित ना किया जाना है। बहुत से राज्यों ने अनुसूची 11 में उल्लेखित वन 39 विषयों को अभी तक हस्तांतरित नहीं किया है ।भारतीय संविधान के अनुच्छेद 243 के(॥) में यह प्रावधान किया गया है कि पंचायती विषयों पर करारोपण एवं कर संग्रह की शक्ति होगी । कर संग्रह तो कर लिया जाता है ।वह पैसा किस कार्य में लगाया जाता है इसका भी स्पष्ट अंकेक्षण नहीं किया जाता । ना ही इसप्रकार के आय के मतों को राज्य वित्तीय आयोग के अंतर्गत रखा जाता है जो अनुच्छेद 239 में वर्णित है। यही कारण रहा 29 वां पंचायती राज दिवस है के बावजूद उतनी सुदृढ़ता देखने को नहीं मिलती है जितनी कल्पना की गई थी। पंचायती राज को सशक्त बनाने के लिए सर्वप्रथम 1957 में बलवंत राय मेहता समिति गठित की गई ।इस समिति ने जनतांत्रिक विकेंद्रीकरण की सिफारिश करते हुए त्रिस्तरीय व्यवस्था की बात की। इसके प्रावधानों को लागू करने के लिए 2 अक्टूबर ,1959 को प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरु जी द्वारा राजस्थान के नागौर जिले में इनका शुभारंभ किया गया। पंचायती व्यवस्थाएं भी अलग-अलग राज्यों में अलग-अलग प्रकार से कार्य करती हैं ।जैसे- केरल, त्रिपुरा एवं सिक्किम में एक स्तरीय हैं, असम, कर्नाटक और उड़ीसा में दो स्तरीय, उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश में त्रिस्तरीय हैं एवं पश्चिम बंगाल जैसे राज्यों में यह चार स्तरीय हैं। अधिकतम राज्यों में त्रिस्तरीय व्यवस्था का प्रावधान किया गया है। जहां त्रिस्तरीय व्यवस्था काम करती हैं ।वहां ग्राम पंचायत , पंचायत समिति एवं जिला पंचायत है। ग्राम पंचायत सबसे छोटी इकाई होती है ।अनुच्छेद 243 के( ) के अनुसार कम से कम 200 एवं अधिकतम 5000 मतदाता क्षेत्र वाले गांव के रूप में यह गठित की जा सकती हैं।

सुशासन की पहल ग्राम पंचायतों से शुभारंभ होना चाहिए। यही एक ढांचा है जिस के विकसित होने के पश्चात केवल शासन तंत्र नहीं, अपितु संपूर्ण लोकतंत्र विकसित होगा। इनमें आरक्षण का भी स्पष्ट उल्लेख किया गया है । अनुच्छेद 243 के(ष) में प्रावधान है । राज्यों द्वारा परिसीमन बनाते समय इसका प्रावधान भी किया जाता है। प्रश्न यह है कि क्या संपूर्ण परियोजनाएं गांव में लागू हो पाती हैं ? जो केंद्र एवं राज्य के द्वारा संचालित की जाती हैं । आज मूलभूत आवश्यकताओं गांव को नहीं मिल पा रही हैं।पानी, बिजली, शिक्षा ,स्वास्थ्य और परिवहन आदि। इनके द्वारा जो कार्य एवं निर्माण कार्य किए जाते हैं, दूसरी पंचवर्षीय तक नहीं चल पाते हैं। जो उत्तरदायित्व पूर्ण नहीं हैं। ग्रामीणों को बताया जाता है कि इस कार्य के लिए केवल इतनी ही सामग्री निर्धारित है । इससे अमुक कार्य को करें या नहीं। आज कई ग्राम पंचायतों में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र तक नहीं है ।यदि है भी तो वहां ना डॉक्टर हैं , ना दवा। ऐसे अभावग्रस्त जीवन में ग्रामीण अपना विकास कैसे कर सकते हैं । - **लेखक इंदिरा गांधी राष्ट्रीय जनजातीय केंद्रीय विश्वविद्यालय अमरकंटक के राजनीति विज्ञान विभाग में रिसर्च स्कॉलर हैं।**

विचार

अपने नेताओं से पूछना शुरू कीजिए

कोरोना की इस दूसरी लहर में देश के लगभग सभी जिलों की स्वास्थ्य सेवाएं चरमरा गई हैं। महामारी से निपटने के लिए जिन-जिन चीजों की दरकार होती है, उन सबमें कमी दिख रही है। फिर चाहे वे डॉक्टर हों, बेड, वेंटिलेटर, आईसीयू, दवाएं या फिर ऑक्सीजन। दुखद है कि अंतिम संस्कार के लिए भी लोगों को कतारों में खड़ा होना पड़ रहा है। हालांकि, यह भी सच है कि खास परिस्थितियों में मरीजों की संख्या में अप्रत्याशित बढ़ोतरी होने से स्वास्थ्य सेवाओं पर बोझ बढ़ना स्वाभाविक है।

बहरहाल, पिछले एक वर्ष में चिकित्सा और स्वास्थ्यकर्मियों को हमने नायक की तरह सम्मानित किया, पर देश के विभिन्न हिस्सों से उनके साथ दुर्व्यवहार, धमकी, हमले और मार-पीट की भी खबरें आईं। करीब दो हफ्ते पहले ही सोशल मीडिया पर एक बड़े सरकारी अस्पताल के सीनियर डॉक्टर का वीडियो वायरल हुआ था, जिसमें उनके साथ सार्वजनिक तौर पर दुर्व्यवहार किया गया था। यह एक बड़े राज्य की राजधानी की घटना है। पता चला, जो लोग डॉक्टर से अभद्रता कर रहे थे, वे निर्वाचित जन-प्रतिनिधि थे, जबकि डॉक्टर पिछले एक साल से कोरोना के नोडल ऑफिसर। इस घटना के बाद उनके इस्तीफे और फिर से पदस्थापना की भी खबर आई।

साफहै, यह महामारी हर मोर्चे पर देश के स्वास्थ्य तंत्र की परीक्षा ले रही है, और अपने गिरेबान में झांकने को कह रही है। हमें यह समझना होगा कि डॉक्टर व अन्य तमाम स्वास्थ्यकर्मी स्वास्थ्य सेवा मुहैया कराने के माध्यम भर हैं। अच्छी स्वास्थ्य सेवाएं तो निर्वाचित सरकारों के नीतिगत फैसलों और उन नीतियों पर प्रशासनिक मशीनरी व स्वास्थ्य क्षेत्र के प्रबंधकों के संजीदा अमल पर निर्भर करती हैं। विभिन्न स्तरों पर चुने गए प्रतिनिधि व सरकारें ही हैं, जो हर परिस्थिति में बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं मुहैया कराने के लिए जवाबदेह हैं। मगर असल में अग्रिम मोर्चे पर तैनात स्वास्थ्यकर्मी (डॉक्टर और नर्स) ही लोगों के गुस्से का निशाना बनते हैं। स्पष्ट है, विपरीत परिस्थितियों में भी अच्छी स्वास्थ्य सेवाएं तत्कालीन सरकार द्वारा लिए गए नीतिगत फैसलों और निचले तंत्र द्वारा उनके अमल पर निर्भर करती हैं। इसीलिए, चुने हुए जन-प्रतिनिधियों की भूमिका काफी अहम हो जाती है। स्वास्थ्य सुविधाएं तैयार करने संबंधी फैसले लेने (या नहीं लेने) के लिए वही उत्तरदायी हैं। वित्तीय संसाधनों को आवंटित करने उनका फैसला ही अस्पतालों या स्वास्थ्य सुविधाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करता है। स्वास्थ्य कर्मियों की नियुक्ति और उनकी मौजूदगी भी सरकार की नीतियां तय करती हैं। इसलिए, किसी जिले, राज्य या देश में स्वास्थ्य सेवाएं कितनी अच्छी या बुरी हैं, यह अमूमन चुने हुए नेता और सरकारों की जवाबदेही है।

डॉ. सुभाष पांडेय यशस्वी बन चमकते रहेंगे

गिरीश पंकज

कई कार्यक्रमों में हम साथ-साथ भी रहे। कई बार उनके घर में भी गोष्ठी हुई। उनका विषय-वस्तु पर केंद्रित अध्ययन गूढता लिए हुए रहता था। फिर चाहे वह डॉ राममनोहर लोहिया पर बोलें, नेताजी सुभाषचंद्र बोस पर, सिनेमा पर या किसी अन्य विषय पर। कोरोना काल में उनकी सक्रिय जनसेवा को हम कभी भूल नहीं सकते थे। अपने पिता की तरह सुभाष भी बहुत सिद्धांतवादी थे । दुर्ग का उन्हें सीएमओ बनाकर भेजा गया था लेकिन उनकी ईमानदारी के कारण वहां के अनेक लोग उनसे परेशान हो गए। उनके खिलाफ शिकायतें करने लगे। अंततः सुभाष को वापस रायपुर भेज दिया गया। सुभाष अक्सर कहा करते थे कि सरकारी नौकरी में उन लोगों को बड़ी परेशानी होती है जो ईमानदारी के साथ काम करना चाहते हैं। सुभाष ने अपना पूरा शासकीय जीवन ईमानदारी के साथ निकाल दिया।

मेरे परम मित्र डॉक्टर सुभाष पांडेय को भी कोरोनारूपी क्रूर दैत्य ने छीन लिया। यह कितनी बड़ी विसंगति है कि कोरोना के मरीजों के उपचार के लिए दिन रात समर्पित सुभाष कोरोना वायरस से संक्रमित होकर चल बसे। इसके पहले भी वे संक्रमित हुए थे लेकिन बहुत जल्दी उबर गए थे और कोरोना नियंत्रण अभियान के नोडल अधिकारी के रूप में स्वास्थ्य विभाग में अपनी सेवाएं दे रहे थे। दो दिन पहले कोरोना से संक्रमित होने के बाद उन्हें एम्स में भर्ती किया गया था और आज दुखद खबर आई। डॉक्टर सुभाष पांडेय सिर्फ एक सामान्य डॉक्टर नहीं थे। वे सहज सरल इंसान थे। उनके पिता प्रोफेसर जयनारायण पांडेय महान स्वतंत्रता सेनानी थे, जिनके नाम से रायपुर का एक बड़ा शासकीय विद्यालय जाना जाता है। इसी विद्यालय में जयनारायण पांडेय जी ने आजादी के संघर्ष के दौरान देश का तिरंगा झंडा लहराया था। अपने पिता के संस्कार ग्रहण करके सुभाष भी लेखन कार्य से जुड़ गए थे। यहां के अखबारों में इस समय समय पर वे बच्चों के लिए ज्ञानवर्धक सामग्री प्रकाशित करवाया करते थे। विभिन्न महापुरुषों की जयंती पर लेख भी लिखा करते थे । सुभाष पांडेय से तीस साल पहले मेरा परिचय हुआ और उनके पिताजी के योगदान के बारे में मुझे जानकारी मिली तो अपने आप को सौभाग्यशाली मानता हूं की पहली बार मैंने ही उनके पिताजी के बारे में विस्तार से लेख लिखा । और यह सिलसिला लगातार चलता रहा । इस साल भी 20 जनवरी को उनकी पुण्यतिथि पर मैंने अनेक अखबारों में उनके पिताजी के बारे में नये कोण से लेख लिखा था। समाजवादी सोच के कारण हम दोनों की मित्रता निरंतर प्रगाढ़ होती गई। दोनों का एक दूसरे के घर में आना-जाना शुरू हुआ। सुभाष की एक विशेष प्रतिभा यह थी कि वे फिल्म जगत की अदभुत जानकारी रखते थे। किस फिल्म में किसने संगीत दिया, उसका गीतकार कौन था, फिल्म किस सन में आई थी। इस सब मामले में वे लगभग इनसाइक्लोपीडिया थे। समय-समय पर वे मुझे पुरानी फिल्मों के गीत भेजते थे और उसका इतिहास भी बताया करते थे। सुभाष पांडेय महान अभिनेता देवानंद के भी बड़े भक्त थे। कई बार उनके जन्मदिन पर देवानंद से उनकी बातें भी होती थी। मैं सुभाष पांडेय से कहता था सेवानिवृत्त होने के बाद तुमको विस्तार के साथ फिल्मी इतिहास लिखना है और पहले की तरह लेखन में सक्रिय होना है। अभी कुछ महीने बाद वे सेवानिवृत्त होने वाले थे । मेरी उनसे बात हुई थी कि वे घर पर ही क्लीनिक शुरू करके व्यस्त रहें। निरंतर लिखते रहें। सुभाष शिशु रोग विशेषज्ञ थे इसलिए बाल साहित्य

लेखन में भी उनकी गहरी रुचि थी । जब वे केवल नौ साल के थे, तब पिता जयनारायण जी का स्वर्गवास हो गया था। तब उनकी माता जी ने सुभाष पांडेय और अन्य बच्चों का लालन-पालन किया। जब सुभाष बड़े हुए तब अपने पिता के व्यक्तित्व को समझा। और उन्हीं के प्रयासों का नतीजा था कि आज नयापारा की गली प्रोफेसर जय नारायण पांडेय मार्ग के नाम से जानी जाती है। गवर्नमेंट हाई स्कूल का नामकरण भी उनके पिताजी के नाम से हुआ । सुभाष ने अपने पिता की अमर कृति 'प्रमुख राजनीतिक विचारको की चिंतनधारा' का पुनरप्रकाशन कराया। परम प्रिय मित्र डॉ सुभाष पांडेय की, जो कोरोना से जूझने वाले बड़े योद्धा थे और अंततः कोरोना ने ही उनको निगल लिया इसलिए तो उनके चाहने वाले उन्हें 'शहीद' का दर्जा देने की मांग करने लगे। सरकार शहीद घोषित करे या न करे, समाज उन्हें शहीद मानता है और उनके अवदान को याद करके भावुक भी हो जाता है। अपने कार्यकाल के दौरान उन्होंने पल्स पोलियो अभियान, शिशु संरक्षण अभियान, इंद्रधनुष अभियान, आयोडीन जनित रोगों से जुड़े अभियान के परिप्रेक्ष्य में अपनी उत्कृष्टता को प्रमाणित किया। मैंने देखा, वे खुद कलात्मक विज्ञापन बनाया करते थे। डॉक्टर सुभाष की एक और जबर्दस्त प्रतिभा थी, जिसका मैं अनेक बार प्रत्यक्षदर्शी रहा । कई कार्यकर्मों में हम साथ-साथ भी रहे। कई बार उनके घर में भी गोष्ठी हुई। उनका विषय-वस्तु पर केंद्रित अध्ययन गूढता लिए हुए रहता था। फिर चाहे वह डॉ राममनोहर लोहिया पर बोलें, नेताजी सुभाषचंद्र बोस पर, सिनेमा पर या किसी अन्य विषय पर। कोरोना काल में उनकी सक्रिय जनसेवा को हम कभी भूल नहीं सकते थे। अपने पिता की तरह सुभाष भी बहुत सिद्धांतवादी थे । दुर्ग का उन्हें सीएमओ बनाकर भेजा गया था लेकिन उनकी ईमानदारी के कारण वहां के अनेक लोग उनसे परेशान हो गए। उनके खिलाफ शिकायतें करने लगे। अंततः सुभाष को वापस रायपुर भेज दिया गया। सुभाष अक्सर कहा करते थे कि सरकारी नौकरी में उन लोगों को बड़ी परेशानी होती है जो ईमानदारी के साथ काम करना चाहते हैं। सुभाष ने अपना पूरा शासकीय जीवन ईमानदारी के साथ निकाल दिया। कैसी विडंबना है कि सेवानिवृत्ति का जब दो महीना बचा था, वे हम सब को छोड़कर परमधाम चले ले गए ।

आज सुभाष पांडेय नहीं है, तो बहुत सी बातें जेहन में उभर रही हैं । फिर कभी विस्तार से उन सबको लिखने की कोशिश करूंगा। अभी तो भारी मन के साथ अपने परम मित्र सुभाष को विनम्र श्रद्धांजलि दे रहा हूं और ईश्वर से प्रार्थना कर रहा हूं कि वह उनके परिवार को इस महान आघात को सहने की क्षमता प्रदान करे। सुभाष के दोनों बच्चे डॉक्टर हैं। एक बेटा, एक बेटी। भाभी भी डॉक्टर हैं । सुभाष की बड़ी बहन भी डॉक्टर हैं रीवा में। बस रह-रहकर एक ही सवाल दिमाग में कौंध रहा है कि मित्र सुभाष पांडेय!! तुमने यह क्या कर दिया? क्यों हम सब को छोड़कर चले गए। तुम्हें तो अभी रहना था। न जाने कितने काम करने थे। लोगों की सेवा करनी थी । कितना लिखना-पढ़ना था। सब कुछ धरा-का- धरा रह गया । मित्र को शत शत नमन !! व्यक्ति चला जाता है, उसका रह जाता है काम। चाम तो मिट्टी में मिल जाए, रह जाता है नाम।।

पाठकों की बात

पत्र, प्रतिक्रियाएं, सोशल मीडिया

चैत्र मास शुक्ल

चैत्र मास शुक्ल पक्ष नवमी को दशरथ घर जन्मे प्रभु श्री राम। अवध की धरती पर हुए मंगला गीत जग में जन्मे आज जगदीश।। चार भाई, सबसे बड़े कौशल्या सुत। मर्यादा पुरुषोत्तम राम का हुआ प्रगट्यो उत्सव खुशियों से भरपूर।। मात पिता के वचन का मान बढ़ाया । कहलाये मर्यादा पुरुषोत्तम राम।। मैत्री सब को सिखायी और नारी रक्षा बीज सिखाया। दुश्मन को भी दिया सम्मान। ऐसे थे अवधपुरी रधुनन्द राम।। - **संध्या चतुर्वेदी**

जीने के लिए

जीने के लिए हर न्यूनतम आवश्यकताओं को पूरा करती है हमारी प्रकृति। हमारा कर्तव्य बनता है कि हम भी इसका ख़याल रखें। पृथ्वी की आत्मा को बदलने से रोकें। पेड़ लगाएँ, नदियाँ साफ़ रखें, पहाड़ों, जंगलों को बचाएँ... ये बचेंगे तो हम बचेंगे। - **ओम प्रकाश जायसवाल**

खास पाती | अब किसी को क्या बतायें किस

अब किसी को क्या बतायें किस तरह जीते है हम वक्त के हाथों से उधड़े ख़ूवाबो को सीते है हम तिश्नगी या ख़ूवाहिशें अच्छा है के हद में रहें जैसे हो के भी समुंदर आज भी रीते हैं हम यह गुज़रती उम्र हमको दे गई मज़बूरियां कल अमीर-ए-शहर थे, अब रोज़-ओ-शब,बीते हैं हम उस हसीं रुख़सार के लहजे में हम भी दर्ज़ हैं गेसु - ए- ख़मदार की आराइश - ओफीते हैं हम राह राहत कुन नहीं थी और सफ़र पुर जंग था पूछ मत मंज़िल तुझे किस हार से जीते हैं हम। - **सुभाष राहत बरेलवी**

हम मोहब्बत में जां लुटाते

हम मोहब्बत में जां लुटाते रहे। बेकदर वो मगर हमदम निकला। जिसको देखे बिना हमको चैन न था। दिल में उसके न कोई रंजोगम निकला। हम समझते थे कि,दिल मे उसके हम ही। मेरे दिल का वो झूठा भरम निकला। प्यार है गर ख़ता तो ख़ता कर चुके। क्या करें, बेवफा। जो सनम निकला। मेरी आँखों से आंसू की नदियां बही। कोर उसका कभी भी न नम निकला। उनकी गलियों से किरण गुजरी कभी। करता गैर का खैर मकदम निकला। - **शोभा किरन**

बाहर तभी निकलिए जब

बाहर तभी निकलिए जब बहोत जरूरी हो, मास्क को बराबर लगाए रखिये,उचित दूरी का पूरा ध्यान रखिये..बचाव ही सबसे बड़ी दवा है! आप का जीवन अनमोल है आप के लिए और आप के अपनों के लिए,पूरी सावधानी से रहिये औरों को भी जागरूक करिए,जब तक आप सावधान है तब तक सुरक्षित हैं,सावधानी हटी दुर्घटना घटी। - **धीरज सिंह धीरू**

जब से उनसे मैं मिला हूं

जब से उनसे मैं मिला हू मुश्किलों से ही घिरा हूं । दुनिया से क्या लेना मुझको , उनके ज़ुल्मों पे फ़िदा हूं । वो हवाओं के फसाने मैं चराग़ों की कथा हूं पाप की कश्ती में बैठे , खुशियों की मैं सोचता हूं। मरने से पहले कमीन तेरा दर्शन चाहता हूं। - **डॉ संजय दानी**

लॉक डाउन तब सफल माना

लॉक डाउन तब सफल माना जायेगा जब बड़े साहबो और माननीयों के बंगले के नल की टोंटी टूट जाये मोबाइल का चार्जर खराब हो जाये बिजली का बल्ब फ्यूज हो जाये , बोरिंग के पम्प का पैनल बोर्ड खराब हो जाये और उन्हें बनाने वाले मेकेनिक मत मिले उन्हें कोई दुकान खोल कर न दें।

- **संत आर थवाईत**

कल रात तेरे ख्याबों से मुलाकात

कल रात तेरे ख्याबों से मुलाकात की मैने पूछा बताना क्या तेरे आरजु में हम भी रहे थे कभी कह गए ख्याब तेरे, आरजु मे होना इश्क नही तुम हो मेरी दुआओ में,सजदो में और दिल में क्यों करें आरजु तेरी ,तुम्हे जिस्म नही जानते हम मेरेही हो जानते हैं हम, रूहो में पहचानते हैं हम क्या कहता बस अब मेरे ख्याबो में तुम तो रहोगे हमेशा।।- **प्रीति श्रीवास्तव**

वक्त ने हमको चुप रहना सिखा

वक्त ने हमको चुप रहना सिखा दिया, हालातों ने सब कुछ सहना सिखा दिया, अब किसी की आज आस नहीं जिंदगी में, इन तन्हाइयों ने हमें अकेला रहना सिखा दिया।

-गौरी पटले

QUIZ TIME

1) 2001 की जनगणना के अनुसार भारत की आबादी क्या है?
2) किस विदेशी यात्री ने भारतीयों को 'गर्म स्वाभाव का, परंतु ईमानदार' कहा है?
3) सरोजिनी नायडू ने किसे 'हिंदू-मुस्लिम एकता के दूत' के रूप में उल्लिखित किया है?
4) ब्रिटिश सरकार ने बंगाल विभाजन के अपने निर्णय को कब वापस लिया?
5) एक प्रसिद्ध नाटक 'अंधेर नगरी चैपट राजा' के लेखक कौन थे?

Ramaquiz

उत्तरमाला- (1) 102.7 करोड़ (2) मेगास्थनीज (3) मोहम्मद अली जिन्ना (4) 1911 ई. (5) भारतेंदु हरिश्चंद्र

आज का इतिहास

नई दिल्ली (वार्ता)। 1815 - हिमाचल प्रदेश में गोरखा रेजीमेंट की नींव रखी गयी। 1858 - स्वतंत्रता सेनानी कुंवर सिंह का निधन। 1898 - स्पेन ने अमेरिका के खिलाफयुद्ध की घोषणा की। 1915- जर्मनी की सेना ने बेल्जियम के फ्लेमिश प्रांत के आइपर क्षेत्र में क्लोरोफार्म गैस छोड़ी। 1920 - पोलैंड की सेना ने यूक्रेन पर हमला किया। 1929- इंगलैंड से भारत के लिए पहली नॉन-स्टॉप फ्लाइट शुरू हुई। 1954 - ऑस्ट्रेलिया और तत्कालीन सोवियत रूस ने राजनयिक संबंध समाप्त किये। 1960 - दक्षिण फारस में आये भयंकर भूकंप से 500 लोगों की मौत। 1972 - जाने-माने चित्रकार जैमिनी राय का निधन। 1973 - भारत रत्न से अलंकृत मास्टर ब्लास्टर सचिन रमेश तेंदुलकर का जन्म। 1974 - प्रसिद्ध कवि रामधारी सिंह दिनकर का निधन। 1998 - भारतीय क्रिकेट टीम ने शारजाह में ऑस्ट्रेलिया को छह विकेट से हराकर कोका कोला कप जीता। 2013 - बंगलादेश की राजधानी ढाका में इमारत ढहने से 1129 लोगों की मौत हो गई और 2500 से ज्यादा घायल हो गए।

आदिपुरुष की तैयारी कर रही है कृति

मुंबई (वार्ता)। बॉलीवुड अभिनेत्री कृति सैनन ने अपनी आने वाली फिल्म आदिपुरुष के लिये तैयारी शुरू कर दी है।

कृति सैनन ने हाल ही में 'भेड़िया' की शूटिंग का काम खत्म किया है। इसके बाद उन्होंने अपनी अपकमिंग फिल्म 'आदिपुरुष' की तैयारी शुरू कर दी है। इस फिल्म में वह साउथ के सुपरस्टार प्रभास के साथ नजर आएंगी। बताया जा रहा है कि इस फिल्म में कृति सैनन सीता के रोल में दिखाई देंगी। अपने किरदार को अच्छी तरह से समझने के लिए इन दिनों कृति रामायण पढ़ रही हैं। हाल ही में कृति सैनन को मुंबई एयरपोर्ट पर स्पॉट किया गया। इस दौरान उनके हाथों में एक किताब थी। कृति के पास जो किताब थी उसका नाम है- 'द फॉरेस्ट ऑफ एनचैनमेंट्स'। यह किताब माता सीता के दृष्टिकोण से लिखी गई है।

गौरतलब है कि फिल्म 'आदिपुरुष' में प्रभास और कृति के अलावा सैफअली खान और सनी सिंह भी लीड किरदार में हैं। फिल्म में प्रभास भगवान राम के किरदार में नजर आएंगे। कृति माता सीता का किरदार निभाएंगी। सैफअली खान रावण के रोल में दिखेंगे और सनी सिंह लक्ष्मण के रोल में दिखाई देंगे। फिल्म को हिंदी, तेलुगू, मलयालम और तमिल के अलावा कन्नड़ भाषा में रिलीज किया जाएगा।

निक जोनस को मिस कर रही प्रियंका

मुंबई (वार्ता)। बॉलीवुड अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा इन दिनों अपने पति और अमेरिकन पॉप सिंगर निक जोनस को बेहद मिस कर रही है। प्रियंका चोपड़ा इन दिनों अपने अपकमिंग प्रोजेक्टस की शूटिंग की वजह से लंदन में हैं और निक जोनस सिंगिंग रियलिटी शो 'द वॉयस' जज करने यूएस गए हुए हैं। प्रियंका अपने पति को बहुत मिस कर रही हैं। प्रियंका ने अपने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट शेयर किया है। जिसमें उन्होंने अपने प्यार का इज़हार करते हुए बताया है कि वो निक जोनस को मिस्ड कर रही हैं।

प्रियंका ने इंस्टाग्राम पर अपनी और निक की एक फोटो शेयर की है, जिसमें दोनों एक गार्डन में नज़र आ रहे हैं। फोटो में प्रियंका और निक एक दूसरे को बड़े प्यार से निहारते दिख रहे हैं। फोटो शेयर करते हुए प्रियंका ने लिखा है, ''मैं आपको बहुत मिस कर रही हूं मेरे दिल।'' इस कैप्शन के साथ प्रियंका ने दिल वाली इमोजी बनाई है।

मालदीव से वापस लौटीं जाह्नवी

मुंबई। जाह्नवी कपूर मालदीव से वापस लौट आई हैं। उन्हें बीती रात को अपनी ट्रेनर नम्रता पुरोहित के साथ मुंबई एयरपोर्ट पर स्पॉट किया गया। इससे पहले वो मालदीव में सारा अली खान के साथ वर्कआउट करती दिखी थीं उनका वो वीडियो काफी वायरल हुआ था। जाह्नवी ने अपने इंस्टाग्राम पर मालदीव वैकेशन की कुछ नई तस्वीरें शेयर की हैं। एक तस्वीर में जान्हवी समंदर के किनारे खड़ी हैं और वो सूरज को निहार रही हैं। वहीं दूसरी तस्वीर में वो बैठी हुई हैं और कैमरे की ओर देखते हुए पोज दे रही हैं। जाह्नवी ने इस दौरान व्हाइट कलर का क्रॉप टॉप और डेनिम शॉर्ट्स पहने हुए हैं। तस्वीरों के साथ उन्होंने एक लंबा चौड़ा नोट लिखा और माफी मांगी है। आखिर उन्होंने ये माफी क्यों मांगी आगे बताते हैं। जाह्नवी लिखती हैं कि 'मुझे माफकरिए, आपने हमें इतना दिया लेकिन मैं उसकी कद्र नहीं कर पाए। मुझे माफ करिए हर उस सेकेंड के लिए, जब आपकी इतनी खूबसूरती को भूल गए।' जान्हवी आगे लिखती हैं कि 'आप कभी भी उस धैर्य से पीछे नहीं हटी, आपने इंतजार किया कि हम देखभाल करेंगे, माफकरिए।' दरअसल जाह्नवी ने यह पोस्ट वर्ल्ड अर्थ डे को समर्पित किया है। जिसमें वो प्रकृति को शुक्रिया कर रही हैं। जाह्नवी की बात करें तो उनकी फिल्म 'रूही' कुछ समय पहले रिलीज हुई थी। फिल्म में उनके साथ राजकुमार राव और वरुण शर्मा थे।

श्रवण कुमार राठौड़ के निधन से शोक में डूबा बॉलीवुड

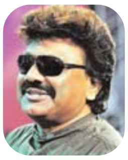

नई दिल्ली। उनके फैंस सहित बॉलीवुड सितारों और सिंगर्स का भी दिल टूट गया है। बॉलीवुड की तमाम नामचीन हस्तियां लगातार अपने सोशल मीडिया अकाउंट से श्रवण की फोटो शेयर कर उन्हें भावुक श्रद्धांजलि दे रहे हैं। इस लिस्ट में अक्षय कुमार, सिंगर सुनिधि चौहान, म्यूजिशियन नदीम सैफी,अदनान सामी, श्रेया घोषाल, मनोज बाजपेयी का नाम शामिल है।

अक्षय कुमार ने शोक व्यक्त करते हुए ट्विट किया है कि संगीतकार श्रवण के निधन के बारे में जानकर बहुत दुख हुआ। नदीम-श्रवण ने 90 के दशक में और बाद में, धड़कन सहित कई फिल्मों के लिए जादू रचा, जो मेरे करियर में प्रसिद्ध रहे। उनके परिवार के प्रति गहरी संवेदना।

सुनिधि चौहान ने भी भावुक श्रद्धांजलि दे हुए लिखा है कि मेरे सबसे प्रिय श्रवण के निधन के बारे में सुनकर बहुत दुख हुआ। यह विश्वास करना मुश्किल हो रहा है। अनदान सामी ने शोक व्यक्त करते हुए लिखा कि महान संगीतकार श्रवण के निधन की दुखद खबर से शॉक्ड हूं। वह न केवल एक अविश्वसनीय संगीतकार थे, बल्कि एक सदाबहार आत्मा और एक सुंदर दिल भी रखते थे RIP।

न्यूज गैलरी

केकेआर के कप्तान मोर्गन पर धीमे ओवर रेट के लिए 12 लाख का जुर्माना

मुंबई (वार्ता)। कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के कप्तान इयान मोर्गन पर कल उनकी टीम के चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ आईपीएल मुकाबले में धीमे ओवर रेट के लिए 12 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया है।

केकेआर को इस मुकाबले में 18 रन से हार का सामना करना पड़ा था। केकेआर का आईपीएल आचार संहिता के तहत उल्लंघन का यह पहला मामला था इसलिए मोर्गन पर 12 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया है।

बेहरनडोर्फ भारत रवाना

चेन्नई (वार्ता)। ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड की जगह लेने वहां के तेज गेंदबाज जैसन बेहरनडोर्फ आईपीएल में हिस्सा लेने के लिए भारत रवाना हो गए हैं। चेन्नई सुपरकिंग्स ने बेहरनडोर्फको हेजलवुड की जगह अनुबंधित किया था। हेजलवुड ने आगामी व्यस्त अंतर्राष्ट्रीय सत्र का हवाला देते हुए खुद को आईपीएल से हटा लिया था ताकि वह मानसिक और शारीरिक रूप से फिट रह सकें। बेहरनडोर्फने 2019 में मुंबई इंडियंस के लिए पांच मैच खेलकर पांच विकेट लिए थे। वह इस सत्र में नीलामी में बिके नहीं थे और उनका आधार मूल्य एक करोड़ रुपये था।

किरण मोरे कोविड 19 से उबरे

मुंबई (वार्ता)। मुंबई इंडियंस टीम के विकेटकीपिंग सलाहकार किरण मोरे कोविड 19 से अब पूरी तरह उबर चुके हैं और भारतीय क्रिकेट कण्ट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के दिशा निर्देशों के अनुसार अब पूरी तरह फिट हैं। मोरे ने चिकित्सकों की निगरानी में अपना आइसोलेशन पूरा कर लिया है और उन एके तीनों आरटी-पीसीआर टेस्ट नेगेटिव आये हैं। वह अब फिट हैं और मुंबई इंडियंस के बायो बबल से जुड़ सकते हैं।

दिल्ली टीम के बायो बबल से जुड़े नोर्जे

नई दिल्ली (वार्ता)। दक्षिण अफ्रीका के तेज गेंदबाज एनरिच नोर्जे कोविड 19 के टेस्ट नेगेटिव आने के बाद दिल्ली कैपिटल्स टीम के बायो बबल से जुड़ गए हैं। दिल्ली टीम ने ट्विटर पर यह पुष्टि करते हुए यह घोषणा की कि नोर्जे के तीनों टेस्ट नेगेटिव आये हैं और वह बायो बबल में अपने टीम साथियों के साथी जुड़ गए हैं। नोर्जे का भारत आगमन पर टेस्ट नेगेटिव रहा था।

शेयर बाजार गिरावट के साथ खुला, सेंसेक्स-निफ्टी लाल

नई दिल्ली। इस हफ्ते के आखिरी कारोबारी दिन को शेयर बाजार लाल निशान के साथ खुला। आज यानी शुक्रवार को बीएसई का 30 शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 200 अंकों की गिरावट के साथ 47,876 पर खुला तो वहीं निफ्टी भी लाल निशान के साथ 14,338 के स्तर पर खुला। शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 150 अंकों के नुकसान के साथ 47,930.17 के स्तर पर कारोबार कर रहा था। वहीं नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 34.65 गिरकर 14,371.50 के स्तर पर था।

निफ्टी 50 के 29 स्टॉक हरे और 20 लाल निशान पर थे, वहीं एक में कोई बदलाव नहीं दिख रहा था। निफ्टी के टॉप गेनर में पावरग्रिड, एसबीआई लाइफ टाटा स्टील, एनटीपीसी, डीवीसलैब थे तो वहीं टॉप लूजर में हिन्दुस्तान यूनीलीवर, आईसीआईसीआई बैंक, ब्रिटानियां, इन्फोसिस और बजाज फाइनेंस के स्टॉक थे। गुरुवार को दोनों इंडेक्स लाल निशान के साथ खुले थे, लेकिन अंत में दोनों में तेजी देखी गई और सेंसेक्स और निफ्टी हरे निशान के साथ बंद हुए।

सेंसेक्स में शामिल शेयरों में आईसीआईसीआई बैंक में सबसे ज्यादा करीब 2 प्रतिशत की गिरावट रही। इसके साथ ही एचडीएफसी बैंक और एचडीएफसी, बजाज फाइनेंस, हिन्दुस्तान यूनिलीवर, स्टेट बैंक, महिन्द्रा एण्ड महिन्द्रा और कोटक बैंक में भी गिरावट रही। इसके विपरीत पावर ग्रिड, एशियन पेंट्स, टाइटन, एचसीएल टेक, डा. रेड्डीज लैब और अल्ट्रा टेक सीमेंट में लाभ दर्ज किया गया। पिछले दिन के सत्र में सेंसेक्स 374.87 अंक यानी 0.79 प्रतिशत बढ़कर 48,080.67, निफ्टी 109.75 अंक यानी 0.77 प्रतिशत बढ़कर 14,406.15 अंक पर बंद हुआ था।

केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के मुताबिक देश में कोरोना वायरस से संक्रमित सक्रिय लोगों का आंकड़ा 24,28,616 तक पहुंच गया है। इससे पिछले दिन 22,91,428 सक्रिय मामले थे। तेजी से बढ़ते संक्रमण को देखते हुये अर्थव्यवस्था में जारी सुधार को झटका लगने का अंदेशा निवेशकों को है।

रुपया सात पैसा लुढ़का

मुंबई (वार्ता)। अंतरबैंकिंग मुद्रा बाजार में रुपया शुक्रवार को सात पैसे कमजोर हुआ और कारोबार की समाप्ति पर एक डॉलर 75.01 रुपये का बिका। चार कारोबारी दिवस में भारतीय मुद्रा 66 पैसे लुढ़क चुकी है। गुरुवार को यह छह पैसे की गिरावट के साथ 74.94 रुपये प्रति डॉलर पर रही थी। रुपये पर आज शुरू से ही दबाव रहा। यह आठ पैसे टूटकर 75.02 रुपये प्रति डॉलर पर खुला और 75.07 रुपये प्रति डॉलर तक लुढ़क गया। घरेलू शेयर बाजारों की गिरावट से रुपये पर भी दबाव पड़ा। दुनिया की अन्य प्रमुख मुद्राओं के बास्केट में डॉलर सूचकांक के कमजोर पड़ने से बाद में कुछ वापसी करता हुये रुपया 74.75 रुपये प्रति डॉलर तक मजबूत हुआ।

ज्वाला गुट्टा ने तमिल अभिनेता से की शादी

हैदराबाद (वार्ता)। पूर्व बैडमिंटन खिलाड़ी ज्वाला गुट्टा तमिल अभिनेता विष्णु विशाल के साथ गुरुवार को परिणय सूत्र में बंध गईं। दोनों की यह दूसरी शादी है। कोरोना के कारण विवाह हैदराबाद में एक निजी समारोह में हुआ। शादी की तस्वीरें सामने आने के बाद दोनों के फैंस उन्हें सोशल मीडिया पर बधाई दे रहे हैं। खेल जगत और सिनेमा जगत के सितारे भी उन्हें बधाई और शुभकामनाएं दे रहे हैं। विष्णु ने वर्ष 2009 में तमिल स्पोर्ट्स ड्रामा फिल्म 'वेन्निला कबडी कुजु' से फिल्मों में डेब्यू किया था। वर्ष 2012 के लंदन ओलंपिक के महिला युगल क्वार्टर फाइनल में पहुंचने वाली ज्वाला ने इससे पहले शटलर चेतन आनंद से शादी की थी। दोनों का 2011 में तलाक हो गया था। विष्णु ने पहली शादी फिल्म प्रोड्यूसर रागिनी नटराज से 2010 में की थी लेकिन दोनों 2018 में अलग हो गए थे। विष्णु और रागिनी का एक बेटा भी है। अर्जुन समेत कई पुरस्कारों से सम्मानित ज्वाला ने वर्ष 2017 में बैडमिंटन कोर्ट को अलविदा कर दिया। वह हैदराबाद में अपनी बैडमिंटन अकादमी में चलाती हैं।

कैशलेस दावों से इंकार करने वाली कंपनियों के खिलाफ होगी कार्रवाई

नई दिल्ली। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने इरडा के चेयरमैन एससी खुंटिया से बीमा कंपनियों द्वारा कैशलेस दावे खारिज किए जाने की शिकायतों पर तत्काल कार्रवाई करने को कहा। उन्होंने यह भी कहा कि बीमा कंपनियों ने 8,642 करोड़ रुपये के कोविड से जुड़े नौ लाख से अधिक दावों का निपटान किया है। मंत्री ने ट्विटर पर लिखा है, ''यह रिपोर्ट मिल रही है कि कुछ अस्पताल कैशलेस बीमा को मना कर रहे हैं। इरडा के चेयरमैन एस सी खुंटिया से बात कर इस पर तुरंत कदम उठाने को कहा है। मार्च, 2020 में कोविड को व्यापक स्वास्थ्य बीमा में शामिल किया गया। कैशलेस सुविधा नेटवर्क अस्पतालों के साथ-साथ अस्थायी अस्पतालों में भी उपलब्ध है। उन्होंने कहा कि भारतीय बीमा नियामक एवं विकास प्राधिकरण (इरडा) ने बीमा कंपनियों से कोविड दावों का निपटान प्राथमिकता के आधार पर करने को कहा है। सीतारमण ने यह भी कहा, ''बीमा

कंपनियों ने 8,642 करोड़ रुपये के कोविड से जुड़े 9 लाख से अधिक दावों का निपटान किया है। यहां तक कि टेलीफोन पर परामर्श को भी कवर किया जा सकता है। इरडा कंपनियों को निर्देश देगा कि वे कोविड मामलों की स्वीकृति और निपटान प्राथमिकता के आधार पर करे। कैशलेस सुविधा की मंजूरी नहीं मिलने की रिपोर्ट पर संज्ञान लेते हुए इरडा ने कहा है कि यह स्पष्ट किया जाता है कि जिन मामलों में बीमा कंपनियों की अस्पतालों के साथ कैशलेस सुविधा को लेकर व्यवस्था है, वैसे नेटवर्क वाले अस्पताल कोविड समेत सभी प्रकार के इलाज 'कैशलेस करने के लिये बाध्य हैं।

पर्सनल लोन के पुनर्गठन में फंसा दूसरी लहर का पेच

नई दिल्ली। कोरोना की दूसरी लहर का असर फिर से उद्योग-धंधे और नौकरीपेशा वर्ग पर पड़ने लगा है। पिछले साल रिजर्व बैंक ने कोरोना संकट को देखते हुए लोन मोरेटोरियम दिया था। साथ ही बैंकों को कर्ज पुनर्गठन का दिशा-निर्देश दिया था। इससे होम और कार लोन के साथ क्रेडिट कार्ड सहित सभी तरह के कर्ज पर राहत मिली थी। लेकिन इस बार रिजर्व बैंक ने अभी तक किसी तरह की राहत की घोषणा नहीं की है। ऐसे में अधिकांश बैंक लोन पुनर्गठन का आवेदन रद्द कर रहे हैं। हालांकि, इसके बावजूद भी आपके विकल्प कम नहीं हुए हैं।

विशेषज्ञों का कहना है कि खुदरा लोन यानी क्रेडिट कार्ड और पर्सनल लोन आदि का पुनर्गठन करना बैंकों के लिए खर्चीला होता है। इसकी वजह से वह ऐसा नहीं करना चाहते हैं। इसके अलावा बैंकों को कर्ज पुनर्गठन के लिए बोर्ड से मंजूरी की जरूरत होती है जो लंबी प्रक्रिया है। इससे भी बैंक बचने की कोशिश करते हैं। बैंक ऑफइंडिया की पहल अभय क्रेडिट काउंसिलिंग सेंटर मुख्य कर्ज सलाहकार और सेवानिवृत्त बैंकर वी.एन. कुलकर्णी का कहना है कि ऐसी स्थिति में आपको वसूली (रिकवरी) विभाग के महाप्रबंधक (जीएम) से बात करनी चाहिए और अपनी स्थिति उसके सामने रखनी चाहिए।

जोकोविच सर्बिया ओपन के क्वार्टर फाइनल में

बेलग्राद (वार्ता)। मोंटे कार्लो टूर्नामेंट में तीसरे दौर में हार कर निराशाजनक प्रदर्शन करने वाले दुनिया के नंबर एक टेनिस खिलाड़ी नोवाक जोकोविच ने बेलग्राद में चल रहे सर्बिया ओपन टूर्नामेंट की शुरुआत जीत के साथ की है और वह क्वार्टर फाइनल में पहुंच गए हैं। जोकोविच ने यहां बुधवार को 90 मिनट तक चले मुकाबले में दक्षिण कोरिया के अपने प्रतिद्वंद्वी सून वो कुआन को 6-1, 6-3 से हराया। पिछले हफ्ते डैनियल इवांस के खिलाफ मुकाबला हारने वाले जोकोविच ने इस मुकाबले में आक्रामक रुख अपनाया और 68 मिनट के बाद टूर्नामेंट में आगे बढ़ने के लिए पांच बार दक्षिण कोरियाई खिलाड़ी की सर्विस को विफल कर दिया।

जोकोविच ने मैच के बाद कहा, मुझे लगता है कि मैं शुरुआत से ही बहुत अच्छा खेल रहा हूं, उस सर्विस गेम को छोड़कर जिसमें मैं दूसरे सेट में 5-2 से हार गया था। मुझे लगता है कि आज का यह मेरा ऐसा प्रदर्शन था, जिसमें मैंने कोई गलती नहीं की। मैं अच्छी तरह से आगे बढ़ा, मैं गति के साथ अच्छी तरह खेल रहा था। मैंने महत्वपूर्ण क्षणों में अच्छा प्रदर्शन किया। कुल मिलाकर मुझे बहुत अच्छा लग रहा है। जोकोविच ने सोमवार को पूर्व-टूर्नामेंट संवाददाता सम्मेलन के दौरान अपने होम टाउन में प्रतिस्पर्धा के महत्व के बारे में बातचीत की। उल्लेखनीय है कि यहां वर्ष 2012 में आखिरी एटीपी टूर्नामेंट आयोजित हुआ था। इस सर्बियाई खिलाड़ी ने 2009 और 2011 में तीन में से दो बार यह टूर्नामेंट जीता है। सर्बिया ओपन मौजूदा सीजन के पहले मुकाबले में कुआन के खिलाफ अपने प्रदर्शन से उन्होंने यह स्पष्ट कर दिया है कि वहबेलग्राद में इस टूर्नामेंट को तीसरी बार जीतने के मजबूत दावेदार हैं।

संभावना

रन मशीन विराट कोहली ने इस पारी से आईपीएल में अपने 6000 रन भी पूरे कर लिए

पडिकल और विराट के दम पर 10 विकेट से जीता बेंगलुरु

मुंबई (वार्ता)। देवदत्त पडिकल (नाबाद 101) के पहले शतक और कप्तान विराट कोहली नाबाद 72 के शानदार अर्धशतक से रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने राजस्थान रॉयल्स को आईपीएल मुकाबले में गुरुवार को 10 विकेट से हराकर लगातार जीत का चौका लगा दिया।

राजस्थान ने शिवम दुबे (46) और राहुल तेवतिया (40) की उपयोगी पारियों से बेंगलुरु के खिलाफ20 ओवर में नौ विकेट पर 177 रन का सम्मानजनक स्कोर बनाया लेकिन बेंगलुरु ने पडिकलऔर विराट की बेहतरीन पारियों से

16.3 ओवर में बिना कोई विकेट खोये 181 रन बनाकर आसानी से मैच कब्जा लिया और एक बार फिर अंक तालिका में शीर्ष स्थान हासिल कर लिया। रन मशीन विराट ने अपनी इस पारी से आईपीएल में अपने 6000 रन भी पूरे कर लिए और यह उपलब्धि हासिल करने वाले वह पहले बल्लेबाज बन गए। पडिकल ने 52 गेंदों पर नाबाद 101 रन में 11 चौके और छह छक्के मारे जिसके लिए पडिकल को प्लेयर ऑफ द मैच का पुरस्कार मिला जबकि कप्तान विराट ने 47 गेंदों पर नाबाद 72 रन में छह चौके और तीन छक्के लगाए।

पडिकल ने एक तरफ अपना पहला शतक बनाया तो विराट ने 188 पारियों में 6000 रन पूरे कर लिए और यह उपलब्धि हासिल करने वाले पहले बल्लेबाज बन गए। बेंगलुरु ने अपनी लगातार चौथी जीत हासिल कर ली। पडिकल और विराट ने इसके साथ ही ओपनिंग साझेदारी का बेंगलुरु की तरफ से सबसे बड़ी ओपनिंग साझेदारी का नया रिकॉर्ड बना दिया। बेंगलुरु ने बिना कोई विकेट खोये अपनी सबसे बड़ी जीत और ओवरआल तीसरी सबसे बड़ी जीत हासिल की। बेंगलुरु के कप्तान विराट कोहली ने टॉस जीतकर पहले क्षेत्ररक्षण करने का फैसला किया।राजस्थान की शुरुआत खराब रही और उसने अपने तीन विकेट मात्र 18 रन तक गंवा दिए थे। राजस्थान के कप्तान संजू सैमसन 18 गेंदों में दो चौकों और एक छक्के के सहारे 21 रन बनाकर टीम के 43 के स्कोर पर आउट हो गए। ऐसी नाजुक स्थिति में शिवम दुबे ने रियान पराग के साथ पांचवें विकेट के लिए 66 रन की महत्वपूर्ण साझेदारी की।

मोमिनुल ने भी शतक ठोका, बंगलादेश मजबूत

पल्लेकेल (वार्ता)। नजमुल हुसैन शंटो (163) के शानदार शतक और उनकी कप्तान मोमिनुल हक़ (127) के साथ तीसरे विकेट के लिए 242 रन की दोहरी शतकीय साझेदारी की बदौलत बंगलादेश ने श्रीलंका के खिलाफ पहले क्रिकेट टेस्ट मैच के दूसरे दिन गुरुवार को पहली पारी में चार विकेट पर 474 रन का मजबूत स्कोर बना लिया।

नजमुल ने 126 रन से आगे खेलना शुरू किया और 378 गेंदों में 17 चौकों और एक छक्के की मदद से 163 रन बनाकर टीम के 394 के स्कोर पर आउट हुए। बांग्लादेश के कप्तान मोमिनुल ने 64 रन से आगे खेलना शुरू किया और वह 304 गेंदों में 11 चौकों के सहारे 127 रन बनाकर टीम के 424 के स्कोर पर पवेलियन लौटे।

मुशफिकुर रहीम ने 107 गेंदों में चार चौकों के सहारे 43 और विकेटकीपर लिटन दास 39 गेंदों में दो चौकों और एक छक्के के सहारे 25 रन बनाकर क्रीज पर हैं। उन्होंने टीम के स्कोर को 474 रन तक पहुंचा दिया है।

■ न्यूज गैलरी

साहू समाज के द्वारा कोविड केयर सेंटर बागबाहरा में NRB ऑक्सीजन मास्क का किया सहयोग

महासमुंद नवप्रदेश। साहू समाज ने कोविड केयर सेंटर बागबाहरा में लगभग 2 लाख तक के सहयोग का बीड़ा उठाया है उसी क्रम में आज दूसरे चरण में भर्ती मरीजों के लिए हऋ्रक मास्क का सहयोग किया गया। सामाजिक पदाधिकारी लगातार स्वस्थ विभाग के संपर्क में है उन्होंने आस्वस्थ किया था कि जिस प्रकार का भी जरूरी सहयोग बने वो करने को तैयार है। इसी कड़ी में कोविड केयर सेंटर में ड्यूटी कर रहे डॉक्टरों से चर्चा किया जिसमें उन्होंने बताया कि हऋ्रकऑक्सीजन मास्क वर्तमान में भर्ती सभी मरीजो के लिए अत्यंत आवश्यक है। पता चलते ही सामाजिक जन इस मास्क को दिलाने लगातार प्रयासरत थे। इस प्रकार के मास्क की मांग अधिक होने के कारण ये बाजार में उपलब्ध नही था उसके बावजूद भी अथक प्रयाश से पदाधिकारियो ने किसी तरह इस मास्क को ढूंढ निकाला और आज कोविड केयर सेंटर में दान किया। समाज आगे भी लगातार विभाग से संपर्क कर सहयोग के लिए तत्पर है। स्वास्थ्य विभाग से चौधरी और डॉ रवेंद्र मौजूद थे डॉ रेवेन्द्र का कहना है कि यह मास्क अत्यंत जरूरी था क्यो की इन मास्क के जरिये मरीजो को तेज गति से और आसानी से सुद्ध ऑक्सीजन दिया जा सकता है।

खंडसरा महिला मोर्चा कार्यकारणी की घोषणा, रेवती व सुलोचना बनी महामंत्री

बेमेतरा। भारतीय जनता पार्टी जिलाध्यक्ष ओम प्रकाश जोशी, जिला महामंत्री विकास धर दीवान, जिला उपाध्यक्ष अजय तिवारी व फिरतु राम साहू, महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष लक्ष्मीलता वर्मा एवं जिला महामंत्री मधु रॉय की अनुशंसा पर खंडसरा मंडल महिला मोर्चा अध्यक्ष सती सिन्हा ने मंडल कार्यकारणी की सूची जारी की। 10 पदाधिकारीयों की कार्यकारणी में अध्यक्ष, 2 उपाध्यक्ष, 2 महामंत्री, 2 मंत्री सहित अन्य शामिल हैं। मंडल अध्यक्ष सती सिन्हा ने उपाध्यक्ष सरोज वीरेंद्र चौबे व गुड्डी धनेश चंद्राकर को बनाया है, वही महामंत्री की जिम्मेदारी रेवती हिरेंद्र साहू तथा सुलोचना बहल निषाद को दी गई। मंडल मंत्री सावित्री दुर्गेश साहू व गीता हरि निषाद, गौरी चूड़ामणि साहू को कोषाध्यक्ष, उतरा रेवाराम निषाद को सह कोषाध्यक्ष एवं पूजा देवेन्द्र मिश्रा को सोशल मीडिया प्रभारी का दायित्व दिया गया। वही मंडल कार्यकारणी सदस्य संतोष सिन्हा, ईश्वरी बाई चंद्राकर, पिंकी सप्रे, सीमा मिश्रा, सुभाषिनी साहू, दुर्गा साहू, कमला साहू, दानी साहू, खिलेश्वरी दयावंत बांधे, दशोदा सिन्हा, सिमरन साहू, निर्मला ध्रुव व गेंद बाई साहू को नियुक्त किया गया है तथा विशेष आमंत्रित सदस्य के रूप में पूनिया साहू, अमृत बाई चंद्राकर, नंदिनी कुंभकार, मधु चंद्राकर, गौरी साहू, योगेश्वरी चौहान को शामिल किया गया हैं। मंडल अध्यक्ष सती ने कहा कि कार्यकारणी में मंडल स्तर पर प्रत्येक वर्ग, क्षेत्र से संपर्क कर संगठन को मजबूत करने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि भाजपा महिला मोर्चा जनपक्षीय मुद्दों को लेकर संघर्षरत है। कार्यकारणी घोषणा पर खंडसरा मंडल के दीपक तिवारी, शरद जोशी, होरीलाल सिन्हा, कृपा शंकर त्रिपाठी, छन्नू गुप्ता, राजेश दुबे, रोहित साहू, राजाराम चन्द्राकर, फिरन्ता साहू, कुंजबिहारी ठाकुर, अश्वनी साहू, मोनू गोस्वामी, गजेन्द्र साहू,डॉ भुनेश्वर साहू, रेवाराम निषाद, दीनबंधु यादव, छोटू साहू, कपिल रजक आदि ने हर्ष जताया।

साल भर से वाहन चालक परेशान आर्थिक पैकेज की मांग

भाटापारा। छत्तीसगढ़ ड्राईवर एकता संगठन के प्रदेश मीडिया प्रभारी साजिद खान ने प्रदेश के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल से निवेदन किया की लॉकडाउन के

चलते ड्राईवरों को घर परिवार चलाने में समस्या आ रही है।ड्राईवरों की समस्या को देखते हुए मैं प्रदेश के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल जी से आग्रह करना हूं कि ड्राईवर भाइयों के लिए आर्थिक पैकेज का घोषणा करें जिससे कि ड्राइवरों को और उनके परिवार को राहत मिलेगी क्योंकि पिछले 1 साल से भी ज्यादा हो चुके हैं कोरोना महामारी से पूरी दुनिया को जूझते जिसके चलते ड्राईवरों को बहुत से आर्थिक और मानसिक रूप से दिक्कतों का सामना भी करना पड़ रहा है।

शादी का प्रलोभन देकर दुष्कर्म करने वाला युवक गिरफ्तार

बेमेतरा। पुलिस अधीक्षक दिव्यांग पटेल के निर्देशन पर, अति.पुलिस अधीक्षक बेमेतरा विमल कुमार बैस, एसडीओपी बेमेतरा राजीव शर्मा के द्वारा थाना

बेमेतरा के अपराध क्रमांक 246/2021 धारा 376, 376(2) (n) भादवि में थाना बेमेतरा प्रभारी निरीक्षक राजेश मिश्रा एवं थाना स्टाफ को आरोपी के पता तलास कर तत्काल कार्यवाही करने हेतु मार्गदर्शन प्राप्त हुये थे। प्रकरण में विवेचना के दौरान दिनांक 21 अप्रेल को थाना नवागढ क्षेत्र अंतर्गत रहने वाले आरोपी महेन्द्र सिंह पिता कुशल सिंह उम्र 32 साल को विधिवत गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय पेश किया गया। उक्त कार्यवाही में थाना बेमेतरा प्रभारी निरीक्षक राजेश मिश्रा, सउनि केवल सिंह नेताम, आरक्षक जितेन्द्र वर्मा, राजेश भास्कर एवं अन्य स्टाफका सराहनीय भुमिका रही।

लॉकडाउन का जायजा लेने भ्रमण पर निकले एसपी नियम तोड़ने वालों पर कार्यवाही करने दिये निर्देश

बेमेतरा। लॉकडाउन का जायजा लेने भ्रमण पर निकले एसपी दिव्यांग पटेल एवं अति.पुलिस अधीक्षक बेमेतरा विमल कुमार बैस, डीएसपी रामकुमार बर्मन, डीएसपी तोमेश वर्मा, सउनि संतोष ध्रुर्वे व अन्य स्टाफद्वारा दिनांक 22 अप्रेल

को सिग्नल चौक बेमेतरा, नवागढ, संबलपुर, मारो, नांदघाट एवं तिवरैया टेमरी चेक पोस्ट में लॉकडाउन का जायजा लिया। इस दौरान लॉकडाउन के नियमों का उल्लंघन करने वाले ग्राम गुनरबोड में किराना दुकान को शील किया गया एवं बेवजह व बिना मास्क के घुमने वाले 10 लोगो से 5 हजार रूपये समन शुल्क लिया गया। वहीं 20 अप्रेल को समस्त थाना/चौकी व यातायात स्टाफद्वारा बेवजह वाहन में घुमने वाले 85 वाहन चालको के विरूद्ध मोटर व्हीकल एक्ट की कार्यवाही करते हुए उनसे 17100 रूपये समन शुल्क लिया गया तथा बिना मास्क लगाये 36 लोगो के विरूद्ध 18 हजार रूपये का समन शुल्क लिया गया।

बालोद की बेटियां अपने ससुराल से कर रही लोगों को कोरोना से बचाव के लिए प्रेरित, सोशल मीडिया में वायरल हुआ प्रेरक वीडियो

- ■ ये बेटियां खुद ही कोविड से प्रत्यक्ष रूप से जूझ रही हैं
- ■ ये खुद भी कोविड ड्यूटी भी कर रहे हैं ,पति हास्पिटल में है या पुलिस में, वहां जोखिम भरी ड्यूटी में हैं

नवप्रदेश संवाददाता

बालोद। बालोद जिले की रहने वाली बेटियां शादी के बाद अपने ससुराल में जहां जहां जिस मुकाम पर है वहीं से वह प्रेरक वीडियो बनाकर लोगों को कोरोना से बचने की अपील कर रहीं हैं। तो वे लोगों को प्रेरित करते हुए एक वीडियो बनाई है जो इन दिनों काफी चर्चा में है। वीडियो का नेतृत्व कर रही बड़गांव हायर सेकेंडरी स्कूल की व्याख्याता कादम्बिनी यादव के छोटे से प्रयास से यह सफल हुआ है। जिन्होंने अपने कन्या हायर सेकेंडरी स्कूल में पढ़ी सभी सहपाठियों के वाट्सअप समूह में ये बात रखा। जो जहां है वहीं से ही एक-एक प्रेरक वीडियो तैयार किये और ये प्रयास सफल रहा और फिर एक ज्वाइंट वीडियो बनाकर रिलीज किया गया। कादम्बिनी यादव के पति लोकेश पारकर गवर्मेंट हास्पिटल नवापारा राजिम में एएमओ हैं। अपने पति के कोरोना काल के दौरान किए जा रहे प्रयास से प्रेरित व स्वयं लोगों को मास्क बांटकर और हर सम्भव सहायता करते हुए ,सुरक्षा के उपाय के लिए प्रेरित करने वाली कादम्बिनी ने इस वीडियो के जरिए एक नया संदेश दिया है तो वही उनके सभी सहपाठी साथियों ने भी अपना अपना वीडियो साझा करके सभी ने एक-एक संदेश जारी किया है।

बेटियां इस तरह से दे रही इस वीडियो में प्रेरणा

इस वीडियो के जरिए बेटियां संदेश दे रही है कि कोरोना को हराना है, सकारात्मकता लाना है फिर से खुशहाली लाना है। वीडियो में पहला संदेश कादम्बिनी यादव लोकेश पारकर का है। जिसमें वह माता रानी से प्रार्थना कर रही कि इस महामारी से हमें मुक्त कर दो, इस चिंता की घड़ी से हम बाहर निकल जाए। हमें कमजोर नहीं होना है। हमें हिम्मत नहीं हारना है। एक दूसरे से दूर रहकर साथ बने रहना है। ऐ बुरे वक्त जरा अदब से पेश आ, वक्त को कितना वक्त लगता है गुजर जाने में। शबाना खान ने कहा कि वह एएमओ है वह लगातार ड्यूटी कर रही है। उन्होंने कहा कि आप सुरक्षित और घर पर ही रहें। हम आपकी ड्यूटी में तैनात हैं। हैदराबाद में रह रही स्वाति पटेल ने कहा कि हम सब की गलतियों की वजह से कोरोना फिर से बढ़ रहा है हमें इसके संक्रमण से बचने के लिए अपनी इम्युनिटी को बढ़ाना है। मास्क जरूर पहनना है। बार-बार अपने हाथों को धोना है या सैनिटाइज करना है। लोगों से उचित दूरी बनाना है और बेवजह घर से बाहर नहीं निकलना है। हमें इससे डरना नहीं है बल्कि उसे हराना है और उसका डटकर मुकाबला करना है।

ऑक्सीजन कंसंट्रेटर से जब चाहें तब ऑक्सीजन

- ■ बनाता है 1 मिनट में 6 लीटर ऑक्सीजन, रिफिलिंग की नही जरुरत

भाटापारा । पोर्टेबल ऑक्सीजन कंसंट्रेटर। यह उस मशीन का नाम है, जिसकी पूछ-परख और मांग दोनों बढ़ चुकी है। शॉर्टेज जैसी स्थिति नहीं है लेकिन कभी-कभार, आपात स्थितियों में उपयोग किया जाने वाला यह उपकरण, मांग के बेतरह दबाव में आ चुका है। स्थिति देख दिल्ली और पंजाब की इकाइयों ने उत्पादन बढ़ा दिया है।

संक्रमण के बढ़ते मामले । ऑक्सीजन सिलेंडर को लेकर विकराल और भयावह स्थिति के बाद जीवन को अनमोल माना जा रहा है। पूरी तरह विपरीत हो चुकी स्थितियों के बीच सालों से उपेक्षित, या कहें कभी-कभार ही उपयोग किए जाने वाले ऑक्सीजन कंसंट्रेटर की मांग ने कीमत और उत्पादन दोनों बढ़ा दी है। महंगा है लेकिन जीवन बचाने जैसे एकमात्र उद्देश्य से इसकी खरीदी अब प्राथमिकता से की जा रही है।

क्या है ऑक्सीजन कंसंट्रेटर

कई रूप में बनने वाले ऑक्सीजन कंसंट्रेटर में पोर्टेबल यूनिट की मांग सबसे ज्यादा की जा रही है। बिस्तर के किनारे रखी जा सकने वाली यह मशीन बिजली और बैटरी दोनों से चलाई जा सकती है। मशीन चालू करते ही यह बाहर की वायु, अपने भीतर लेकर उसे शुद्ध प्राणवायु में बदलती है और 1 मिनट में 1 से 6 लीटर तक मेडिकल ऑक्सीजन बनाती है। कीमत है 32 से 42 हजार रुपए।

यहां मिल रहे

ऑक्सीजन कंसंट्रेटर मशीन की उपलब्धता मेडिकल सर्जिकल इक्विपमेंट बेचने वाली दुकानों में है। 32 से 42 हजार रुपए में मिल रही इस मशीन का उत्पादन दिल्ली और पंजाब की यूनिटों में किया जाता है। ऑक्सीजन सिलेंडर की देश स्तर पर बढ़ चुकी मांग के बाद ऑक्सीजन की निरंतर उपलब्धता सुनिश्चित करने वाली इस मशीन का उत्पादन अब दोगुना किए जाने की खबर आ रही है।

> ऑक्सीजन कंसंट्रेटर की मांग बढ़ रही है क्योंकि इसमें रिफिलिंग की जरूरत नहीं पड़ती। इकाईयों ने उत्पादन क्षमता बढ़ा दी है। इसलिए शॉर्टेज जैसी स्थिति नहीं है।
>
> **– अविनाश अग्रवाल,** सचिव ,राज्य औषधि विक्रेता संघ, रायपुर

मांग में भारी इजाफा

महाराष्ट्र ,दिल्ली , उत्तर प्रदेश और छत्तीसगढ़ इस समय ऑक्सीजन कंसंट्रेटर की सबसे ज्यादा मांग वाले राज्य बन चुके हैं। पांचवें नंबर पर मध्य प्रदेश का नाम आ रहा है। इसके अलावा स्वयंसेवी संस्थाओं की भी मांग निकली हुई है क्योंकि जरूरतमंद संक्रमित मरीजों की मदद के लिए ऐसी संस्थाएं भी इसकी खरीदी कर रहीं है।

प्रशान्त गाँधी बने राष्ट्रीय संयोजक रक्तदान

भाटापारा। अखिल भारतीय मारवाड़ी युवा मंच की 13 वीं रास्ट्रीय कार्यकारिणी 2021- 23 के लिए राष्ट्रीय अध्यक्ष कपिल लाखोटिया ने भाटापारा ग्रेन सिटी शाखा से प्रशान्त गाँधी को स्थान देकर उन्हें रक्तदान प्रकल्प की जिम्मेदारी सौंपी है। प्रशान्त गाँधी ने मंच के साधारण सदस्य से शाखा मंत्री, शाखा अध्यक्ष, प्रान्तीय सह संयोजक प्रांतीय महामंत्री के दायित्वों का निर्वहन सफलता पूर्वक करते हुए इन सभी पदों पर अपनी छाप छोड़ी है, इन्हें राष्ट्र से भी कई बार सम्मानित किया जा चुका है, आज इसी कारण इन्हें राष्ट्रीय कार्यकारिणी में स्थान प्राप्त हुआ है। प्रशान्त गांधी को रक्तदान का रास्ट्रीय संयोजक बनाए जाने पर ग्रेन सिटी शाखा सदस्यों ने हर्ष व्यक्त किया कि इनकी नियुक्ति से ग्रेन सिटी शाखा का मान बढ़ा है । प्रशान्त गांधी ने अपनी नियुक्ति पर रास्ट्रीय अध्यक्ष कपिल जी लाखोटिया, पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष रवि जी अग्रवाल, पूर्व रास्ट्रीय उपाध्यक्ष सुनील जैन, रिंकू अग्रवाल, रस्ट्रीय उपाध्यक्ष अर्चना अग्रवाल, निर्वितमान अध्यक्ष सुनील अग्रवाल, प्रान्तीय अध्यक्ष अमर सुल्तानिया सहित प्रान्त के सभी मंच साथियों के प्रति आभार व्यक्त किया और विश्वाश दिलाया कि जो जिम्मेदारी दी गई है उस पर खरा उतरने की पूरी कोशिश

करूंगा उन्होंने अपनी नियुक्ति को मायुम भाटापारा ग्रेन सिटी शाखा की ऊर्जा का परिणाम बताया । ज्ञात हो कि अखिल भारतीय मारवाड़ी युवा मंच की देश भर में 650 से अधिक शाखाए और 40000 से ज्यादा सदस्य है और विश्व की सबसे बड़ी युवा समाजिक संस्था है, मंच द्वारा, रक्तदान, कैंसर जागरूकता, नेत्रदान देहदान, कृत्रिम अंग प्रत्यारोपण, अमृतधारा (प्याऊ) नारी चेतना, कन्या भ्रूण संरक्षण, वन एवं पर्यावरण संवर्धन सहित समाजिक एवं सांस्कृतिक उत्थान एवं विकास कार्यक्रम किए जाते है, वैश्विक महामारी कॅरोना के समय भी मंच की शाखाओ द्वारा, ऑक्सीजन सिलेंडर, ऑक्सीजन मशीन, रक्त, प्लाज्मा, सूखे राशन, गर्म भोजन, दवाई, सहित आवश्यकता अनुसार संसाधन मुहैया करवाया जा रहा है ।

मैनपुर में ठाकुर देव जात्रा कार्यक्रम संपन्न महामारी दूर करने मांगा आशीर्वाद

नवप्रदेश संवाददाता

मैनपुर। तहसील मुख्यालय व ग्राम पंचायत मैनपुर में आज शुक्रवार को ग्रामीणो द्वारा सामाजिक दूरी का पालन करते हुए ग्राम के प्रमुख देव ठाकुरदेव जात्रा पुजा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। ठाकुरदेव पूजा कार्यक्रम में प्रमुख जन मास्क लगाकर शोसल डिस्टेसिंग के साथ बारी बारी से शामिल हुए और ठाकुर देव से कोरोना महामारी को दूर करने विशेष पूजा अर्चना की गई। इस दौरान जांत्रा में प्रमुख रूप से सरपंच बलेदव राज ठाकुर, किसन मरकाम, दिलवर पटेल, पवन पटेल, थानू पटेल, रामकृष्ण ध्रुव, चिंतराम कश्यप, जगमोहन कश्यप, विष्णु मानिकपुरी, कांती पटेल, डोमार पटेल, ऐश कुमार कश्यप, कमलेश कश्यप, गुमान यादव उपस्थित रहे। सरपंच बलदेव राज ठाकुर ने बताया कि ग्राम प्रमुख देव ठाकुर देव का आज जांत्रा संपन्न हुआ है कोरोना व लॉकडाउन को देखते इस बार भीड़ नही किया गया था व ठाकुर देव से कोरोना महामारी को दूर करने आशीर्वाद मांगा गया है एवं आज से खेती किसानी का कार्य प्रारंभ हो जायेगी।

टीकाकरण को लेकर पंचायत सचिव को नोटिस के बाद भी गंभीर नहीं

नवप्रदेश संवाददाता

देवभोग। ग्राम पंचायत नयापारा सचिव द्वारा वैक्सिंन टीकाकरण में उदासीनता बरतने को लेकर नवप्रदेश द्वारा प्रमुखता के साथ पिछले दिनों सामाचार प्रकाशित किया रहा। जिसे गंभीरता से लेते हुए एसडीएम सूरज साहू ने संबंधित सचिव नोटिस जारी कर एक दिवस के भीतर जवाब मांगा है और जवाब संतोषजनक नहीं होने की स्थिति में कार्यवाही के संकेत भी दिए हैं। लेकिन एसडीएम के नोटिस का ग्राम पंचायत सचिव द्वारा कितना गंभीरता से लिया है। यह तो वैक्सीन के प्रतिशत बता रहे हैं। क्योंकि 478 लोगों में से अब तक 206 लोगों को ही व्यक्ति लग पाया है। जबकि 272 लोग वैक्सिंन टीका से वंचित हैं।

मतलब अब तक 43% लोग ही वैक्सीन टीकाकरण लगाए हैं। जबकि इस पंचायत से लगे अमलीपदर केकराजोर भेजी पदर सहित अन्य पंचायतों के जिम्मेदारों ने वैक्सीन टीकाकरण के शानदार प्रदर्शन किया है। लेकिन नयापारा पंचायत सचिव भोज नाथ भाटी 45 वर्ष के लोगों द्वारा वैक्सीन को लेकर रूचि नहीं लेने सहित तरह-तरह का बहाना बताकर अधिकारियों को गुमराह करने की बात सामने आ रही है। क्योंकि टीकाकरण के लिए जिम्मेदार सचिव संबंधित लोगों के समक्ष पहुंच ही नहीं रहे हैं। ऐसे में आने वाले निर्धारित दिनों तक दिए गए वैक्सीन टीका के लक्ष्य को किस तरह पूरा किया जा सकता है। क्योंकि पिछले 4 दिनों में सचिव द्वारा सिर्फ32 लोगों को टीका लगाने में कामयाब हुए हैं। इससे अंदाजा लगाया जा सकता है। की पंचायत के जिम्मेदार 45 वर्ष के लोगों को किस हद तक सक्रिय है ।हालांकि पूरे पंचायत में जागरूकता के बहाने का पल्ला झाड़ते हुए अपनी लापरवाही छुपाने का आरोप भी लगाया जा रहा है। तभी वैक्सीन टीकाकरण कछुए की चाल पर चल रहा है। जबकि एसडीएम सीईओ सहित प्रशासनिक अमला वैक्सीन के लिए लगातार आम जनता के बीच जागरूकता की मुहिम छेड़ रखा है ।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

ग्रामीण क्षेत्रों में...

कराई जा रही है। जिसका सेवन संबंधित लोग पर्ची में लिखी मात्रा के अनुसार कर सकेंगे। बैठक में गृह मंत्री श्री ताम्रध्वज साहू, पंचायत एवं ग्रामीण विकास तथा स्वास्थ्य मंत्री श्री टी.एस. सिंहदेव, मुख्य सचिव श्री अमिताभ जैन, अपर मुख्य सचिव स्वास्थ्य श्रीमती रेणु जी. पिल्ले, पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के सचिव श्री प्रसन्ना आर., मुख्यमंत्री के सचिव श्री सिद्धार्थ कोमल सिंह परदेशी, संचालक पंचायत श्री मोहम्मद कैसर अब्दुल हक उपस्थित थे। जिला पंचायतों के अध्यक्ष एवं कलेक्टर, मुख्य कार्यपालन अधिकारी सहित अन्य जनप्रतिनिधि वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बैठक में शामिल हुए। मुख्यमंत्री ने कहा कि कोरोना संक्रमण की विषम परिस्थिति और रोजी-रोजगार के संकट को देखते हुए छत्तीसगढ़ सरकार ने मई और जून माह का खाद्यान्न एकमुश्त मुफ्त में देने का फैसला लिया है। उन्होंने गांवों में ग्रामीणों की रायशुमारी से मनरेगा के कार्य का संचालन किए जाने की भी बात कही। मुख्यमंत्री ने कहा कि इससे लोग श्रम के कार्यों में जुटे रहेंगे। उनका मन लगे रहेगा और आर्थिक लाभ होने के साथ अधोसंरचना का भी निर्माण होगा।

एकजुट होकर कोरोना...

कहा कि पिछले वर्ष कोरोना की पहली लहर का देश ने एकजुट होकर सामना किया था और इस बार भी सफलता के लिए सभी को एकजुट राष्ट्र की तरह मिलकर लड़ना होगा तो संसाधनों की कमी भी नहीं होगी। दूसरी लहर की चुनौती से निपटने के लिए भी सभी राज्यो को एकजुट होकर रणनीति बनानी होगी। उन्होंने कहा कि राज्य एकजुट हों और तालमेल के साथ एक दूसरे का सहयोग करे केन्द सरकार उनकी हर संभव मदद करती रहेगी। आक्सीजन की आपूर्ति के बारे में उन्होंने कहा कि इसे बढाने के लिए निरंतर प्रयास किये जा रहे हैं सभी संबंधित विभाग और मंत्रालय मिलकर काम कर रहे हैं। औद्योगिक क्षेत्र की ऑक्सीजन को भी मेडिकल इस्तेमाल में लाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि सभी राज्यों को मिलकर और तालमेल के साथ एक दूसरे की दवा तथा आक्सजीन की जरूरतों के मामलों में मदद करनी चाहिए। सभी राज्यों को ऑक्सीजन तथा दव की जमाखोरी के मामलों से सख्ती से निपटना चाहिए। प्रत्येक राज्य को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि किसी भी राज्य में जाने वाले ऑक्सीजन टैंकर को किसी भी सूरत में नहीं रोका जाना चाहिए। राज्यों को अपने यहां प्रत्येक अस्पताल में ऑक्सीजन की आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए एक समिति का गठन करना चाहिए।

केन्द्र को मिलने...

की प्रगति की वर्चुअल समीक्षा बैठक में यह अनुरोध किया। बैठक में स्वास्थ्य मंत्री टी.एस. सिंहदेव, गृहमंत्री ताम्रध्वज साहू और मुख्य सचिव श्री अमिताभ जैन भी शामिल हुए। वहीं नई दिल्ली में प्रधानमंत्री के साथ गृहमंत्री अमित शाह, रेल मंत्री पीयूष गोयल और नीति आयोग के सदस्य डॉ. वी.के. पॉल भी मौजूद थे।

कोरोना के इलाज...

पहले रेमडेसिविर का इस्तेमाल कोरोना मरीजों के इलाज के लिए किया जा रहा था। यह मरीजों को कोरोना के गंभीर लक्षणों से बचाने में मदद करता है। बता दें कि भारत में बीते 24 घंटों के भीतर 3 लाख 32 हजार 730 नए मामले सामने आए हैं।

कार्यालय नगर पालिका परिषद आरंग, जिला रायपुर (छ.ग.)
anagarpalika3@gmail.com
क्र./145/न.पा./लोनिवि/2020-21 आरंग, दिनांक 22/04/2021

// मैन्युअल निविदा आमंत्रण सूचना //

एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्नलिखित कार्य हेतु मैनुअल निविदा आमंत्रित की जाती है :-

क्र.	कार्य का विवरण	अनुमानित लागत (रुपए लाख में)	निविदा हेतु आवेदन की अंतिम तिथि
1	2	3	4
1	कलई चौक आरंग से कलई मार्ग में प्रस्तावित उद्यान स्थल तक विद्युत पोल एवं ट्रांसफार्मर प्रदाय एवं स्थापना कार्य	16.14	12.05.2021

उपरोक्त कार्य की निविदा की सामान्य शर्तें, धरोहर राशि, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी कार्यालयीन अवधि में कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है साथ ही यह जानकारी विभागीय वेबसाईट http://uad.cg.gov.in से भी डाउनलोड की जा सकती है।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर पालिका परिषद आरंग

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक यशवंत धोटे* द्वारा बंसल स्कूल कैम्पस, अशोक विहार कॉलोनी, पण्डरी से मुद्रित कर ब्रिस्टल चौक छोटापारा रायपुर से प्रकाशित,
फोन व फैक्स : 0771-4035602, RNI NO.CHHHIN/2012/41806/ डाक पंजीयन क्रमांक सी.जी./आर.वाई.पी. डीएन/40/2019-2021

इस जिले के छोटे से गांव के युवा फिल्मकार का सपना हुआ पूरा

छत्तीसगढ़ का पहली शॉर्ट फिल्म जो मैक्स प्लेयर के 'ओटीटी प्लेटफॉर्म' पर दिखेगा जर्नी इंटरप्टेंड

नवप्रदेश संवाददाता

गरियाबंद। छत्तीसगढ़ के युवा निर्देशक हेमंत तिवारी (राहुल) के द्वारा तैयार किया गया या वीडियो जो अब एम एक्स प्लेयर के ओटीटी प्लेटफॉर्म पर आ चुका है। यह फिल्म पूरा नशे के ऊपर दिखाया गया है जिसमें एक्टर सनित स्वामी द्वारा और असिस्टेंट डायरेक्टर सत्यांश निषाद के द्वारा इस वीडियो का निर्माण किया गया है।

यह फिल्म इंडिया में हो रहे हैं नशे के शिकार व्यक्ति के बारे में दिखाया गया है यह फिल्म सस्पेंस से भरी हुई है आपको इस फिल्म की खास बात बता दे इस फिल्म को सिर्फ 3 लोग ही मिलकर शूट किए है, जी हां जिसमें पहला व्यक्ति एक एक्टर और लेखक है और दूसरा करैक्टर जो था वह एक्टिंग के साथ-साथ मैनेजमेंट का भी काम संभाला है और बाकी कैमरा डायरेक्शन एडिटिंग का काम हेमंत तिवारी के द्वारा किया गया है।

सिर्फ 3 लोग मिलकर इस फिल्म का निर्माण किया हैं और इसका म्यूजिक और बैकग्राउंड स्कोर प्रतीक शर्मा ने किया है, और इसका पूरा सूट बिलासपुर में हुआ है इस फिल्म की खास बात यह है कि सिर्फ एक ही करैक्टर पूरा फिल्म के शुरुआत से एंड तक है यह शॉर्ट फिल्म विविध सेवा प्राधिकरण बिलासपुर फिल्म फेस्टिवल में भी सिलेक्शन हो चुका है कोरोना काल के पहले ही इस फिल्म का सिलेक्शन टॉप में हो चुका है कोरोना के कारण वस आगे की प्रक्रिया रुकी हुई थी

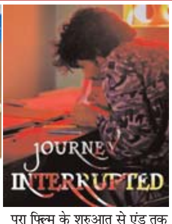

कड़ी मेहनत ओर मकसद के बाद इस फिल्म को एम एक्स प्लेयर के ओटीटी प्लेटफॉर्म पर भेजा गया जहा इस फिल्म का सिलेक्शन हो गया जिसके डिस्ट्रीब्यूटर राही प्रोटक्शन है आपको बता दे युवा डायरेक्टर छत्तीसगढ़ के गरियाबंद जिले के छूरा ब्लॉक के छोटे से गांव खरखरा के रहने वाला हैं छत्तीसगढ़ के लिए एक बहुत बड़ी उपलब्धि है जो OTT प्लेटफॉर्म MX player पर आया है हेमंत तिवारी राहुल जो छत्तीसगढ़ी फिल्मेंकर है उनसे बात करने पर उन्होंने बतलाया की उनके सपने बहुत बड़े है वो बॉलीवुड जाना चाहते है और ज़िले के साथ पूरे छत्तीसगढ़का नाम रौशन करना उनका सपना है हेमंतयुवा फ़िल्मकार हेमंत तिवारी उर्फ़ राहुल जो फिल्मो के साथ छत्तीसगढी एल्बम, साथ ही छत्तिशगढ पुलिस के लिए कोरोना समंधित जागरूकता वीडियो बना चुके हैं जिसे लोगों ने बहुत पसंद भी किया था और सोशल मीडिया में भी इसे लोगों ने जमकर कर शेयर भी किया था।

लॉकडाउन में गुड़ाखू बेंच थोक व्यापारी काट रहे चांदी

जिला मुख्यालय में 150 रुपये कीमत का पैकेट 700 प्लस में बिक रहा

■ व्यापारियों के गुड़ाखु बना कमाई का सबसे बड़ा जरिया

नवप्रदेश संवाददाता

गरियाबंद। कोरोना संक्रमण के बढ़ते प्रकोप के चलते प्रशासन ने जिले को लॉकडाउन किया है। लॉकडाउन की यह अवधि निम्न और मध्यम वर्ग के लोगो के लिए किसी मुसीबत से कम नहीं है। लेकिन यही लॉक डॉउन जिलामुख्यालय के कालाबाजारियों के लिए वरदान बन गया है। आमतौर पर 140 की कीमत पर प्रति पैकेट बिकने वाली गुड़ाखु लॉकडाउन की अवधि में 700 प्लस क़ीमत में बिक रहा है। इस तरह से नगर गुड़ाखु विक्रेता व्यापारी खुलेआम लूट मचा रखे है।

आदिवासी क्षेत्र और ग्रामीण अंचल होने के चलते ग्रामीण क्षेत्रों में हर घर मे एक से दो व्यक्ति (महिला और पुरुष दोनों ही) गुड़ाखू के आदि है। आदतों के चलते ये लोग प्रतिदिन गुड़ाखु का इस्तेमाल करते है। और मजबूरी वश किसी भी दाम पर खरीदने को तैयार रहते है ग्रामीणों की इसी लत का फायदा उठाकर नगर के थोक व्यापारी गुड़ाखू की जमकर कालाबाजारी कर 150 रुपए में बिकने वाले पैकेट को 700-700 रुपये में बेच कर लाखो कमा रहे है। वही स्थानीय प्रशासन के अधिकारी इन पर कार्यवाही करने के बदले इनके साथ कई सार्वजनिक मंच पर इनके साथ दिखाई देते है जिसके चलते इन पर कार्यवाही तो दूर इन्हें पूरा संरक्षण मिला हुआ है संबंधित विभाग के अधिकारी इसकी भरपाई करने के लिए जिले के आस पास के गांवों में कार्यवाही दिखा अपनी खाना पूर्ति कर लेते है इस बाबत बात करने पर गुड़ाखू विक्रेता पर स्टॉक रखने और अधिक कीमत में बेचने पर कोई कार्यवाही करने का अधिकार नही होने की बात कह कर अपना पल्ला झाड़ लेते है।

पिता और दादा की याद में जयंत सिंघानिया ने गंडई सामुदायिक स्वाथ्य केंद्र को दिए 1 नग आक्सीजन कांसनट्रेटर एवं अन्य सामान

गंडई पंडरिया। मूल रूप से गंडई के निवासी रहे जयंत सिंघानिया ने आज दिन बुधवार को अपने परिवार के भतीजो रितेश सिंघानिया,नीरज सिंघानिया, जैकी सिंघानिया के माध्यम से 1 नग आक्सीजन कांसनट्रेटर मशीन ,200 नग सेनेट्राइजर एवम 300 नग मास्क अपने पिता स्वर्गीय बिसनचंद सिंघानिया एवम अपने दादा स्वर्गीय लीलाधर सिंघानिया के स्मृति में गंडई सामुदायिक स्वाथ्य केंद्र को प्रदान किया है। मिली जानकारी अनुसार जयंत सिंघानिया मूल रूप से गंडई के निवासी है और कुछ सालों से गोंदिया में निवास करते हुए वहां टायर,बैटरी एवम आयल का होल सेलर है।वे हमेशा से अपने जन्म स्थल गंडई को लेकर भावुक रहे है एवम गंडई वासियो के सुख दुख में अपनी भागीदारी दिखाये है उनके द्वारा पूर्व में भी गंडई में समाज सेवा को लेकर बड़ चढ़ कर हिस्सा लिया गया है साथ ही गंडई समाज उत्थान को लेकर भी वे अग्रणी रहे है यही कारण रहा है कि उनके द्वारा अग्रसेन भवन का स्थल समाज को दान किया गया था साथ ही भवन के लिए एक बड़ी राशि भी प्रदान किया गया था।गंडई में बढ़ते कोविड के मामलो और आक्सीजन मशीन की कमी के साथ ही आक्सीजन रिफ़िलग में आने वाले समस्या एवं देरी को देखते हुए उनके द्वारा आज गोंदिया से गंडई सामुदायिक स्वाथ्य केंद्र को 1 नग आक्सीजन कांसनट्रेटर मशीन दिया गया है उक्त मशीन को रिफ़िलग करवाने की आवश्यक्ता नही पड़ता है मशीन स्वयं ही आक्सीजन का निर्माण करता है आक्सीजन कांसनट्रेटर मशीन के साथ ही 200 नग सेनेटाइजर एवम 300 नग मास्क प्रदान किया गया इस अवसर पर डॉ.प्रशांत सोनी,डॉ.अभिनव पंचारी,स्टाफ नर्स सुलेखा साहू,वैष्णव सिस्टर एवम अन्य लोग मौजूद रहे थे।

अनुमति प्रदान करने के लिए सक्षम प्रधिकारी नियुक्त

कवर्धा। कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी श्री रमेश कुमार शर्मा ने कवर्धा नगरीय क्षेत्र के अनुमति प्रदान करने के लिए अतिरिक्त जिला दंडाधिकारी मोबाईल 9479089190, अनुविभाग कवर्धा (कवर्धा नगरीय को छोड़कर) अनुमति प्रदान करने के लिए अनुविभागीय दंडाधिकारी कवर्धा मोबाईल 6264201896 अथवा 8839383464, अनुविभाग बोड़ला के अनुमति प्रदान करने के लिए अनुविभागीय दंडाधिकारी बोड़ला मोबाईल 9424268542 और अनुविभाग पंडरिया के अनुमति प्रदान करने के लिए अनुविभागीय दंडाधिकारी पंडरिया मोबाईल 9827152283 को नियुक्त किया है। अनुमति प्राप्त होने की दशा में ही जिले के भीतर भ्रमण की अनुमति होगी।

हॉस्पिटल जाने वाले व्यक्ति के पास आईडी कार्ड साथ में रखना अनिवार्य

कवर्धा। कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी श्री रमेश कुमार शर्मा ने कोरोना संक्रमण के रोकथाम एवं नियंत्रण के लिए कबीरधाम जिला अंतर्गत संपूर्ण क्षेत्र को 21 अप्रैल शाम 4 बजे से 29 अप्रैल प्रातः 6 बजे तक कंटेन्मेंट जोन घोषित किया गया है। जिले के शहरी क्षेत्रों में यह देखने में आया है कि लोग हॉस्पिटल, परिजन के दाह संस्कार और अन्य कार्य का नाम लेकर अनावश्यक घूमते हुए पाए गए है। कोरोना संक्रमण के रोकथाम एवं नियंत्रण और अनावश्यक घूमने वालों के लिए कलेक्टर श्री शर्मा ने उपर्युक्त प्रतिबंधात्मक आदेश जारी किया है। जारी आदेश के अनुसार हॉस्पिटल जाने वाले व्यक्ति के पास उसी हॉस्पिटल द्वारा जारी किया गया परिचय पत्र (जहां मरीज भर्ती हो) साथ में रखना अनिवार्य होगा। जिसमें मरीज का नाम, मरीज के परिजन का नाम, पता, मोबाईल नंबर एवं हॉस्पिटल का नाम उल्लेखित हो, परिचय पत्र संबंधित अस्पताल द्वारा एक मरीज के पीछे केवल 1 परिजन, व्यक्ति हेतु जारी किया जाए। परिचय पत्र की वैधता अधिकतम 7 दिवस के लिए होगी, आवश्यकता अनुसार परिचय पत्र का नवीनीकरण कराया जा सकेगा। मरीज के लिए हॉस्पिटल में आवश्यक सामग्री पहुंचाने के लिए सुबह 8.30 से 9.30 बजे, मध्यान्ह 12 बजे से 2 बजे तक और रात्रि 7 बजे से 9 बजे तक समय निर्धारित किया गया है। यदि किसी व्यक्ति को किसी अन्य अत्यावश्यक प्रयोजन हेतु जिले के अंदर भ्रमण आवश्यक हो तो वेबसाईट में ऑनलाइन आवेदन कर सकेंगे। आवेदन स्वीकृति, अस्वीकृति की सूचना आवेदक को मोबाईल नंबर पर एसएमएस द्वारा दी जाएगी।

कलेक्टर ने किया नवागढ़ स्थित आईटीआई छात्रावास का निरीक्षण

बेमेतरा। बेमेतरा जिला अन्तर्गत अनुविभाग मुख्यालय नवागढ़ स्थित आईटीआई छात्रावास को कोविड-19 अस्पताल के रुप मे चिन्हांकित किया गया है। कलेक्टर शिव अनंत तायल ने आज शुक्रवार को नये भवन का निरीक्षण किया। इस अवसर पर एसडीएम बेमेतरा एवं नवागढ़ दुर्गेश कुमार वर्मा, तहसीलदार नवागढ़ रेणुका रात्रे, नगर पालिका अधिकारी बीएल बर्मन उपस्थित थे। निरीक्षण उपरांत कोविड-19 हॉस्पिटल में किये गये व्यवस्था से कलेक्टर ने प्रसन्नता जाहिर किया। जिलाधीश ने स्वास्थ्य विभाग के मैदानी अमले को अपने-अपने क्षेत्र में सर्दी, खांसी, बुखार जैसे इन्फ्लूएंजा लाइक लक्षणों वाले लोगों की पहचान कर उनका कोरोना टेस्ट अनिवार्यतः करने के निर्देश दिए।

कोरोना मरीजों के इलाज के लिए मिलें 8 वेंटिलेटर बिना उपयोग धूल खाते पड़े

■ सरकार हुई नाकाम - योगेश तिवारी

बेमेतरा। केंद्र सरकार की ओर से कोरोना मरीज के इलाज के लिए जिला अस्पताल को मिले 8 वेंटिलेटर बिना उपयोग धूल खाते पड़े हैं। इन वेंटिलेटर की आपूर्ति हुए करीब 8 माह हो चुका है, शासन-प्रशासन व्यवस्था बनाने में नाकाम रहा है। उक्त बातें किसान नेता योगेश तिवारी ने कहते हुए आगे कहा कि जिला अस्पताल में वेंटिलेटर संचालन के लिए विशेषज्ञ नही हैं। कोरोना के दूसरी बड़े पैमाने पर मरीज मिलने के साथ ऑक्सीजन बेड व वेंटिलेटर के लिए मरीजो को भटकना पड़ रहा हैं।

कोरोना का संक्रमण को एक साल से अधिक समय बीत चुका है, बावजूद प्रशासन व्यवस्था बनाने में नाकाम रहा हैं। बेमेतरा विधानसभा समेत जिले में हालात काफी खराब हैं, जिले में संक्रमण की स्थिति भी चिंताजनक हैं।

वेंटिलेटर संचालन के लिए विशेषज्ञ की भर्ती पर नही दिया ध्यान - किसान नेता ने बताया कि करीब 40 लाख कीमत के वेंटिलेटर की सुविधा जिलें के कोरोना मरीजो को नही मिल रही हैं। प्राइवेट अस्पतालों में वेंटिलेटर बेड नहीं मिल रहे हैं, काफी प्रयासों के बाद मिलने पर मरीज के परिजन को लाखों का बिल थमाया जा रहा हैं। स्थानीय प्रशासन को वेंटिलेटर मिले 8 माह से अधिक समय बीत चुका हैं, बावजूद संचालन के लिए विशेषज्ञ की भर्ती की ओर ध्यान नहीं दिया गया। वर्तमान में इस दिशा में प्रशासन के विशेष प्रयास भी नहीं दिख रहे हैं, जो शासन-प्रशासन की विफलता को दर्शाता हैं।

राष्ट्रीय स्तर में सक्षम टीचर इन्नोवेटर्स अवार्ड में पटुवा के शिक्षक हेमंत ठाकुर का चयन

■ वेबीनार का सफल आयोजन

कवर्धा। पूर्व में सन 2020 में राष्ट्रीय स्तर के नवाचारी शिक्षक प्रतिभा सम्मान से दिल्ली में सम्मानित जिला कबीरधाम विकासखंड पंडरिया के शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला सह शासकीय प्राथमिक शाला पटुवा के शिक्षक हेमंत ठाकुर ने एक बार फिर सक्षम टीचर अवार्ड में चयनित होकर जिले का नाम रोशन किया है। हाल ही में उन्होंने सनराइज फाउंडेशन द्वारा आयोजित सक्षम टीचर इनोवेशन अवार्ड में सभी राज्यों से शिक्षकों का चयन में, सक्षम ग्रुप सनराइज फाउंडेशन के द्वारा चलाये जा रहे कार्यक्रम में देश के ग्रामीण एवं शहरी परिवेश से ऐसे बच्चों को प्लेटफार्म प्रदान किया जा रहा है जो बहुमुखी प्रतिभा के धनी हैं। लेकिन कुछ कारणवश उन्हें मंच नहीं मिल पा रहा है। इस मुहिम में ऐसे ही प्रतिभावान बच्चों को आगे लाने के लिए सभी प्रदेशों से सनराइज फाउंडेशन के द्वारा ऐसे शिक्षकों को चुना जा रहा है जो बच्चों के बेहतर भविष्य के लिए लगातार प्रयासरत हैं।

सनराइज फाउंडेशन की नेशनल को-ऑर्डिनेटर शिक्षिका कामिनी साहू के द्वारा जानकारी साझा किया गया है कि दिनांक 17 एवं 21 अप्रैल 2021को सक्षम टीचर इन्नोवेटर्स में चयनित शिक्षकों का ऑनलाइन परिचय कार्यक्रम हुआ जिसका संचालन शिक्षिका कामिनी साहू के द्वारा किया गया। जिसमें सभी राज्यों के शिक्षकों ने अपने कार्यों एवं उससे बच्चों की शिक्षा व समाज में हुए परिवर्तन की जानकारी प्रदान की।

इस कार्यक्रम में छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र,गुजरात एवम उत्तरप्रदेश के शिक्षकों ने अपने अनुभव साझा किया। इस कार्यक्रम में प्रथम दिवस अतिथि के रूप में राज्य जिला साक्षरता मिशन छत्तीसगढ़ रायपुर के असिस्टेंट डायरेक्टर दिनेश कुमार टांक और राजस्थान से आशा सुमन व द्वितीय दिवस में उत्तराखंड से आभा सिंह भैसोड़ा, छत्तीसगढ़ रायपुर से डी एम सी के.सी. पटले बी.ई.ओ.गोस्वामी एवं सनराइज फाउंडेशन के सचिव पवन द्विवेदी बतौर विशेष अतिथि सम्मिलित रहे।

■ न्यूज गैलरी

राम नवमी के पावन पर्व पर हनुमान चालीसा पाठ का वाचन

खरोरा। राम नवमी के पावन पर्व पर नगर में घरों घर सहपरिवार हनुमान चालीसा का पाठ किया गया।ताकि इस कोरोना वायरस से मुक्ति के लिए, सभी के कल्याण के लिए किया गया। ऐसा विश्व हिंदू परिवार के द्वारा आग्रह किया गया था। पूरे नगर के सभी परिवारों के द्वारा हनुमान चालीसा पाठ सामूहिक रूप से किया गया।

तपती गर्मी को ध्यान में रखकर पक्षियों के लिए की गई पानी व्यवस्था

खरोरा। 21 अप्रैल 2021 को आदरणीय श्री सुरेश शुक्ला जी जिला मुख्य आयुक्त भारत स्काउट्स एवं गाइड्स जिला संघ रायपुर एवं श्री अशोक नारायण बंजारा जी जिला आयुक्त स्काउट एवं जिला शिक्षा अधिकारी रायपुर के दिशा निर्देश एवं मार्गदर्शन में कुमारी ईश्वरी साहू उपाध्यक्ष युवा समिति जिला संघ रायपुर ने कोई करो ना महामारी को देखते हुए अपने आसपास के लोगों को मास्क वितरण किया एंव हाथ धुलाई के साथ-साथ सोशल डिस्टेंस की अनिवार्यता और तपती गर्मी को ध्यान में रखकर पक्षियों के लिए पानी पीने के लिए प्याऊ की व्यवस्था तथा दाना चुगने के लिए पात्र एवं दाने की व्यवस्था कर अपने रेंजर होने की दायित्व का पालन की साथ ही साथ स्काउटिंग भावना का परिचय प्रस्तुत कर रही है इसकी इस गतिविधि के लिए माननीय श्री सत्यनारायण शर्मा जी राष्ट्रीय उपाध्यक्ष भारत स्काउट्स एवं गाइड्स नई दिल्ली एवं वरिष्ठ विधायक तथा पूर्व मंत्री छत्तीसगढ़ शासन, माननीय श्री विनोद सेवालाल चंद्राकर राज्य मुख्य आयुक्त भारत स्काउट्स एवं गाइड्स छत्तीसगढ़ एवं विधायक महासमुंद एवं संसदीय सचिव छत्तीसगढ़ शासन, आदरणीय श्री कैलाश सोनी जी राज्य सचिव भारत स्काउट्स एवं गाइड्स छत्तीसगढ़ श्री जी स्वामी जी जिला ,अध्यक्ष जिला संघ रायपुर ,श्री मृत्युंजय शुक्ला जी जिला सचिव जिला संघ रायपुर एवं जिला के अन्य पदाधिकारियों ने बधाई एवं शुभकामनाएं दी इसकी पूरी जानकारी श्री मनोज कुमार वर्मा जिला संगठन आयुक्त स्काउट ने दी।

इन्द्रलोक भवन में कोरोना मरीजों का नि:शुल्क इलाज

कवर्धा। इस वक़्त कोरोना की महामारी तथा बेड और ऑक्सीजन की कमी से पूरा देश जूझ रहा है। अस्पताल की भारी भरकम फीस और ऑक्सीजन की कालाबाजारी का असर मध्यवर्ग और निम्नवर्ग के मरीजों और उनके परिजनों पर साफसाफदिखाई पड़ रहा है। ऐसे कठिन समय में लायंस क्लब के पूर्व अध्यक्ष और वर्तमान में आनरेरी गवर्नर एमजेएफलायन प्रेमचंद-सुशीला देवी जैन श्रीश्रीमाल के पुत्र डॉ. अतुल जैन ने अपने भवन इंद्रलोक को 20 बिस्तरों वाले निःशुल्क कोविड अस्पताल के लिए देकर अनुकरणीय उदाहरण पेश किया है। ज्ञात हो कि इन्द्रलोक भवन लोहारा रोड में सरस्वती शिशु मंदिर के सामने स्थित है और कुछ वर्ष पहले इसका उपयोग विवाह-स्थल के लिए किया जाता था। डॉ अतुल महावीर स्वामी चौक में स्थित रूपजीवन अस्पताल के संचालक भी हैं। उन्होंने बताया कि इन्द्रलोक भवन में 20 बिस्तरों और ऑक्सीजन सिलेंडर की व्यवस्था की गई है और यहाँ अभावग्रस्त गरीब मरीजों का निःशुल्क इलाज किया जाएगा। श्रीश्रीमाल परिवार ने इसके पूर्व भी लायंस क्लब के माध्यम से वंचित पीड़ित जनों के लिए कई उल्लेखनीय सेवाकार्यों को अंजाम दिया है। वे क्लब की हर सेवा गतिविधि में बढ़ चढ़कर हिस्सा लेते हैं और लायंस क्लब को इस स्थान में पहुँचाने में उन्होंने काफी बड़ा रोल अदा किया किया है। उनकी इस सराहनीय पहल का डिस्ट्रिक्ट के सारे क्लब्स ने स्वागत करते हुए शुभकामनाएं दी हैं।

ग्राम स्तर पर आयोजित विवाह की निगरानी होगी

गरियाबंद। जिला अंतर्गत संपूर्ण क्षेत्र को 26 अप्रैल प्रातः 06 बजे तक कंटेनमेंट जोन घोषित किया गया है। विवाह समारोह में शामिल होने के लिए अधिकतम 10 लोगों की अनुमति दी गई है। इस आदेश के पालन हेतु ग्राम स्तर पर संबंधित ग्राम के हल्का पटवारी, पंचायत सचिव, रोजगार सहायक एवं ग्राम कोटवार को प्राधिकृत किया जाता है। संबंधित कर्मचारियों का यह दायित्व होगा कि वह अपने क्षेत्र में होने वाले विवाह समारोह में इस नियम का कड़ाई से पालन कराये तथा उल्लंघन किये जाने की स्थिति में त्वरित रूप से अपने उच्चाधिकारी को इसकी सूचना दे। यह आदेश तत्काल प्रभाव से लागू हो गया है।

टीकाकरण अभियान की आम लोग भी कर रहे है सराहना

गरियाबंद। टीकाकरण के पश्चात कईयों के मन में जो भ्रांति फैली है उसे ग्राम पंचायत के सरपंच घर-घर जाकर प्रेरित कर रहे हैं और उनका हाल जान रहे है।ग्रामीण व्यक्ति भी टीकाकरण के पश्चात स्वस्थ्य और सहज महसूस कर रहे है। राज्य शासन के टीकाकरण अभियान की सराहना आम लोग भी कर रहे हैं। छुरा विकासखण्ड के ग्राम मोंगरा, भेण्ड्री एवं मुरमुरा के सरपंच द्वारा घर-घर जाकर संपर्क किया जा रहा है। ग्राम पंचायत भेण्ड्री के सरपंच मोहन लाल साहू ने बताया कि वे अपने पंचायत में ऐसे लोगों से मिल रहे है, जो अभी हाल ही में टीका लगाये है। कई उम्र दराज महिलाओं ने भी कहा कि वे स्वेच्छा से टीका लगवाये है। उनका कहना है कि टीका लगाने के पश्चात वे सहज और स्वस्थ्य महसूस कर रहे है। किसी तरह की कोई तकलीफमहसूस नहीं हुआ है। सरपंच श्री साहू द्वारा सह भी प्रेरित किया जा रहा कि किसी के दुष्प्रचार में न आये और शासन की योजना का लाभ उठाये। ग्राम पंचायत मुरमुरा की महिला सरपंच भी अपने ग्राम पंचायत के ऐसे लोगों से जाकर मिल रही है, जिन्होंने हाल ही में टीका लगवाई है। सरपंचों की इस पहल की गांव वाले खुलकर तारीफ कर रहे है। ग्राम मोंगरा की फूलबाई ने कहा कि वे टीकाकरण के पश्चात पहले से ज्यादा बेहतर महसूस कर रही है। उन्हे किसी तरह का कोई डर नही है। इसी तरह पंचायत के कई लोगों ने सराहना किया है। जनपद पंचायत छुरा के मुख्य कार्यपालन अधिकारी रूचि शर्मा ने बताया कि टीकाकरण के पश्चात भी पंचायत के प्रतिनिधि घर-घर जाकर उनका हौसला बढ़ा रहे है। उन्होंने बताया कि टीकाकरण जागरूकता के लिए दीवाल लेखन का कार्य भी किया जा रहा है। अब टीकाकरण के प्रति लोगों में किसी तरह का संशय नहीं है और घर से निकलकर टीकाकरण केन्द्रों तक पहुंच रहे है। ज्ञात है कि जिले में टीकाकरण की प्रक्रिया में तेजी आई है और पात्रतानुसार लोग स्वस्फूर्थ आकर टीका लगवा रहे है।

ई-गर्वनेंस राष्ट्र स्तर पर ग्राम पंचायत महराटोला को मिला दीनदयाल उपाध्याय पंचायत सशक्तिकरण पुरस्कार

राष्ट्रीय पंचायत पुरस्कार 2021 के तहत जिला कबीरधाम को मिला पुरस्कार

नवप्रदेश संवाददाता

कवर्धा। राष्ट्रीय पंचायत पुरस्कार 2021 के तहत राज्य से कबीरधाम जिले के विकासखण्ड सहसपुर लोहारा के ग्राम पंचायत महराटोला का चयन दीनदयाल उपाध्याय पंचायत सशक्तिकरण पुरस्कार (ई-गर्वनेंन्स) के लिए केन्द्र सरकार द्वारा किया गया है। ई-गर्वनेन्स के तहत रोजगार गारंटी योजना के में भुगतान करना, 14वें वित्त आयोग के कार्यों का ऑनलाईन भुगतान, जन्म एवं मृत्यु पंजीयन, ई-पंचायत के तहत ग्राम पंचायत विकास योजना तैयार किए जाने के लिए ग्राम सभा का ऑनलाइन जियोटेगिंग, मिशन अंत्योदय ऑनलाइन सर्वे एवं जनहित कार्य करने के आधार पर केन्द्र सरकार द्वारा यह पुरस्कार ग्राम पंचायत को दिया जाएगा। जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री विजय दयाराम के. ने बताया कि राष्ट्रीय पंचायत पुरस्कार के अंतर्गत केन्द्र सरकार द्वारा विभिन्न प्रकार के मानक तय किये गए है जिसकी पूर्ती करने पर यह पुरस्कार प्राप्त हुआ है। केन्द्र सरकार ने पत्र जारी कर पुरस्कार के लिए चयनित ग्राम पंचायत की सूची जारी किया है।

उन्होंने बताया कि यह पुरस्कार प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी एवं श्री नरेन्द्र सिंह तोमर कृषि एवं किसान कल्याण, ग्रामीण विकास, पंचायती राज एवं खाद प्रसंस्करण मंत्री द्वारा विडियों कान्फ्रेसिंग के माध्यम से 24 अप्रैल को पंचायती राज दिवस 2021 के अवसर पर पुरस्कृत किया जाएगा। ग्राम पंचायत द्वारा पुरस्कार के लिए नामांकन दाखिल किया गया था जिसमें ग्राम पंचायत द्वारा अपने क्षेत्र में ई-गर्वनेन्स के लिए किए गए कार्यो का विवरण अभिलेखों सहित दिया गया था। जिसके आधार पर राज्य सरकार ने ग्राम पंचायत का चयन कर राज्य स्तर के अधिकारी से इसका भौतिक परीक्षण कराया जिसके आधार पर अब केन्द्र सरकार ने यह पुरस्कार वितरण कि घोषणा की है। पुरस्कार के रूप में ग्राम पंचायत को केन्द्र सरकार द्वारा राशि एवं प्रशस्ती पत्र देकर सम्मानित किया जाएगा।

कोविड से होने वाले मौतों को रोकने के लिए झोकें पूरी ताकत: मंत्री अकबर

वर्चुअल मीटिंग में कलेक्टर रमेश कुमार शर्मा ने जिले की स्थितियों से कराया अवगत

नवप्रदेश संवाददाता

कवर्धा। मंत्री मोहम्मद अकबर ने जिले में कोविड से होने वाले निधन पर शोक जताया। उन्होंने जिले की जनता को भयभीत न होने व धैर्य पूर्वक मिलकर स्थितियों से निपटने का निवेदन किया। उन्होंने आज जिला कलेक्टर रमेश कुमार शर्मा की उपस्थिति में स्वास्थ्य विभाग व जिले के निजी चिकित्सकों की वर्चुअल बैठक ले कर जिले में चल रहे कोविड नियंत्रण कार्यों की समीक्षा

की। उन्होंने जिले के लिए कोविड दवाओं, ऑक्सीजन सिलेंडर की उपलब्धता व अन्य तमाम व्यवस्थाओं के बारे में जानकारी ली। उन्होंने जिले के शासकीय व निजी अस्पतालों में कोविड उपचार व अन्य महत्वपूर्ण विषयों चर्चा की व आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। जिला कलेक्टर रमेश कुमार शर्मा ने जानकारी में जिले में कोरोना जांच, पॉजिटिविटी, कोरोना टीकाकरण, कोरोना से होने वाली डेथ , कोरोना जांच किट व टीके की उपलब्धता एवं आवश्यकताओं के विषय में विस्तार से जानकारी दी।

शासकीय अस्पतालों में निजी चिकित्सकों की ली जाएगी सेवाएं

मंत्री मोहम्मद अकबर ने शासकीय व निजी चिकित्सालयों में सेवाएं बढाने के लिए कहा। उन्होंने इस सम्बंध में आने वाली समस्याओं पर भी चर्चा की व जल्द इन्हें दूर करने का प्रयास करने की बात कही। इसके अलावा निजी चिकित्सकों से शासकीय अस्पतालों में भी कम से कम 2 घण्टे सेवा प्रदान करने का आग्रह किया। बैठक में उपस्थित जिले के सभी चिकित्सकों ने कोविड पेशेंट के उपचार के लिए अपनी निःशुल्क सेवाएं प्रदान करने की सहमति दी। जिसके पश्चात सेवाएं सुनिश्चित करने के लिए कलेक्टर को निर्देशित किया गया।

मंत्री अकबर ने बायोमेडिकल वेस्ट में आने वाली समस्याओं को जल्द दूर करने, अतिआवश्यक जीवनदायिनी दवाओं की जल्द से जल्द पर्याप्त मात्रा में उपलब्धता व सभी निजी व शासकीय चिकित्सालयों में सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने, उन कोविड मरीजों जिनके मृत्यु के बाद परिजन डेडबॉडी ले जाने से मना कर देते हैं, को नगरपालिका के माध्यम से निराकरण करने सम्बधी चर्चाएं भी की।

जिले में भिजवाए पहले 86 व आज 100 ऑक्सीजन सिलेंडर

मंत्री अकबर ने आज पुनः जिले को 100 ऑक्सीजन सिलेंडर भिजवाए हैं। अब तक कुल 186 सिलेंडर उनके द्वारा जिले को दिया जा चुका है। जिला कलेक्टर श्री शर्मा ने मंत्री जी को बताया कि इसके अलावा जिले में आगामी समय में स्थितियों को नियंत्रित रखने के लिए 100 ऑक्सीजन सिलेंडर की आवश्यकता और पड़ेगी, निजी चिकित्सकों ने ऑक्सीजन युक्त बेड की जानकारी देते हुए 75 ऑक्सीजन सिलेंडर की मांग की इन्हें भी जल्द पूरा करने आश्वासन मंत्री अकबर द्वारा दिया गया। निजी अस्पतालों द्वारा दी जा रही सेवाओं के लिए उन्होंने चिकित्सकों को साधुवाद दिया व हरसम्भव व्यवस्था करने का आश्वासन भी उन्होंने दिया।

पौधारोपण के नाम पर हर साल लाखों खर्च फिर भी 'आगे पाट पीछे सपाट' जैसे हालात!

मामला कोरिया जिले के मनेन्द्रगढ़ वन मंडल का

नवप्रदेश संवाददाता

बैकुंठपुर /मनेन्द्रगढ़ । योजनाओं के तहत वन विभाग द्वारा हर साल लाखों रूपए की राशि पौधारोपण से लेकर पौध संरक्षण पर खर्च की जाती है परंतु ÷ हरयाली से खुशहाली का सपना ÷ पतझड सावन बसंत बहार गीत की तरह हर साल रिपीट होता रहता है। भले ही रिकार्डो में शासन द्वारा भेजे गए एक एक रूपए के खर्च से लेकर उपयोग के रिकार्ड व फोटोग्राफ्स वीडियों सहेज कर पौधरोपण की सफलता की कहानी दर्ज की जाती हो परंतु धरातल में अधिकांश जगह ढाक के तीन पात जैसे हालात ही है।

आगे पाठ पीछे सपाट की कहावत को चरितार्थ करती वन

विभाग की पौधरोपण की दास्तान अनेक जगहों पर ÷बागड़ के खेत खा जाने÷ जैसे हालात को भी उजागर करती है। हालांकि वक्त बेवक्त घपले घोटालों के चर्चे खबरों की सुर्खिया भी बनते रहते है लेकिन उपर से नीचे तक शेयरिंग के चलते जांच के नाम पर सब कुछ ठंडे बस्ते में चला जाता है !

मामला कोरिया जिले के मनेंद्रगढ़ वन मंडल अंतर्गत आने वाले मनेन्द्रगढ़ वन परिछेत्र का हैं जहा पूर्व में रह चुके प्रभारी डिप्टी रेंजर के छेत्र में दुबारा प्रभारी रेंजर पद पर तैनात किया गया है जो कि किसी न किसी मामले को लेकर हमेशा सुर्खियों में रहते है वही मिली जानकारी अनुसार अब ऐशा ही मामला पौधरोपण को लेकर सामने आया है जहा विगत कुछ माह पूर्व ही पौधरोपण के नाम पर राशि खर्च की गई जहा इन पौधों को लगाने व बचाने वन परिक्षेत्रों में नन्हे पौधों को सहारा व सुरक्षित पालन पोषण के लिए बांस से बने टी गार्डो का उपयोग विभागीय तौर पर किया गया है। जिसकी स्थित आज इस कदर हो चुकी की अब बांस से बनाए गए टीगार्डो को खुद सहारे की जरूरत पड़ने लगी है। जहाँ पर भी इन टीगार्डो में नजर जाती है वहाँ टूटे, उधड़े,और लुढ़के बांस से बने टिगार्ड(ढोले)दिखाई देंगे,जिसे देख कर साफ अंदाजा लगाया जा सकता है कि बांस के गोल गोल ढ़ोलो में गुणवत्ता को ताक पर रखते हुए गोल मोल किया गया है वही यदि इनमें लगाये गए पौधे बच गए तो ओ किसी चमत्कार से कम नही होगा क्यो की ज्यादातर पौधे तो सुख गए या फिर मवेशियों द्वारा नुकसान कर दिया गया वही विभाग के जिम्मेदार अधिकारी अब भी इन पौधों को सुरक्षित होना बता रहे जो कि किसी चमत्कार से कम नही आखिर जिम्मेदार कब तक सुधरेंगे और अपनी जिम्मेदारी को बखूबी निभाएंगे ये समझ से परे है !वही अब वन विभाग के उच्च अधिकारी नाम न छापने की शर्त पर आप के माध्यम से शिकायत मिलने पर जाच की बात कह रहे जब कि इन पौधों को लगाने व सुरक्षा की राशि निकाली जा चुकी हैं ।

क्षेत्र में मॉनिटरिंग नहीं

अब क्षेत्र में मॉनिटरिंग नही होने से सड़क किनारे लगे पौधे भी अपनी दुर्दशा पर आशु बहा रहे हैं ! जबकि मनेन्द्रगढ़ वन छेत्र में अवैध कोयला उत्खनन व कटाई का मामला तो पहले से ही जिले में सुर्खियों का विषय बना हुआ है वही अब वृक्षारोपण की दुर्दशा देखकर कही न कही बड़ा सवाल खड़ा कर रहा है। प्रभारी रेंजर की करामात ऐसी है जैसे दूध में से मलाई छानी जाती है ऐसा इसलिए क्योकि इनके द्वारा कराए जा रहे निर्माण कार्यो की गुणवत्ता बद से बत्तर नजर आती है । शिकायतों के बाद भी कार्यवाही नही होती जिससे मिलीभगत की भी आशंका व्याप्त है।

कोरोनाः बिलासपुर की राह पर चलकर कोरबा दिला सकता है, मरीजों को राहत

- हर घंटे बेड की उपलब्धता की मिले आम नागरिकों को जानकारी

नवप्रदेश संवाददाता

कोरबा। कोविड 19 के संक्रमण की कारगर रोकथाम के साथ ही गरीब मरीजों के साथ परिजनों को भी राहत मिले इसके लिए बिलासपुर में सतत निगरानी रखने के लिए कई टीम बनाई गई है। बेड की उपलब्धता की अपडेट की जानकारी हर घंटे कौन से अस्पताल में कितना है इसकी जानकारी भी सोशल मीडिया के माध्यम से अपग्रेड की जानी चाहिए।

बिलासपुर जिले में 17 निजी अस्पतालों को उपचार हेतु अनुमति प्रदान की गयी है। निजी अस्पतालों में कोपिड -19 के उपचार के दौरान मरीजो/ परिजनों को किसी प्रकार की असुविधा ना हो इस हेतु रेफरल संबंधी समन्वय अस्पतालों में उपलब्ध बैड की स्थिति,डेथ बाडी मूवमेंट प्लान,प्रायवेट अस्पतालों में मरीजों के उपचार हेतु शासन द्वारा निर्धारित दर से अधिक दर लेने संबंधी अथवा अन्य किसी प्रकार की शिकायतों के निवारण एवं निजी अस्पतालों मेंसमुचित समन्वय एवं सतत् निगरानी हेतु प्रशासनिक सेवा में दक्ष अधिकारीयों को नोडल अधिकारी नियुक्त किया और प्रतिदिन उन्हें जिला प्रशासन के संबंधित विभागों को प्रतिवेदन प्रस्तुत करने के लिए भी निर्देशित किया गया है।

बिलासपुर जिले से अलग होकर जिला बने कोरबा को बड़े भाई बिलासपुर का अनुसरण करते हुए प्रत्येक कोविड हॉस्पिटल में आम मरीजो के लिए नोडल अधिकारी की नियुक्ति की जानी चाहिए। जिससे आपदा को अवसर में तब्दील करने वाले मेडिकल माफियो की मनमानी पर ब्रेक लग सके लेकिन इस संबंध में कोई कारगर कदम नहीं उठाया गया है, जिससे निजी हॉस्पिटल संचालक मरीज के परिजनों को दोनों हाथ से और खुलेदिल से लूट रहे हैं।

जिस तरह से सक्रियता दिखाते हुए निजी हॉस्पिटल संचालको की मनमानी पर अंकुश लगाने बिलासपुर कलेक्टर ने अलग अलग हॉस्पिटल के लिए अलग अलग नोडल अधिकारी नियुक्त की है, उसका अनुशरण करते हुए कोरबा जिला प्रशासन को भी तत्काल नोडल अधिकारियों की नियुक्ति कर दिया जाना चाहिए।

अतरमरा में जलस्त्रोत सूखा

पेयजल एवं निस्तारी के लिए हाहाकार

नवप्रदेश संवाददाता

पानी के लिए लोग कर रहे है त्राहिमाम-त्राहिमाम

गरियाबंद। छुरा विकासखण्ड के ग्राम पंचायत अतरमरा में पेयजल एवं निस्तारी की गंभीर समस्या उत्पन्न हो गई है। ग्राम पंचायत द्वारा संचालित स्पॉट सोर्स नल जल योजना के तहत 10 समर्सिबल पंप लगे हुए हैं जिसमें मात्र दो सबमर्सिबल पंप ठीक-ठाक चल रहा है बाकी के आठ मोटर पंप जल स्तर के नीचे बहुत नीचे जाने की वजह से नहीं के समान चल रहे हैं। जिससे अतरमरा ग्राम की सभी गलियों में पेयजल की आपूर्ति नहीं हो पा रही है। पेयजल एवं निस्तारी के लिए अतरमरवासी तरस रहे हैं। लोगों में मारामारी एवं तनाव की स्थिति निर्मित हो गई है। ग्राम पंचायत द्वारा लगातार पेयजल के लिए पानी की व्यवस्था किया जा रहा है।इसके बारे में ग्राम पंचायत अतरमरा के सरपंच रामअधीन ध्रुव एवं उपसरपंच शिवांगी चतुर्वेदी,ग्राम पटेल भोजराम सिन्हा ने बताया की गांव में स्थापित पंपों का वाटर लेवल 300 फीट से भी अधिक नीचे चला गया है। तथा गांव के किसी भी तालाब में निस्तारित सुविधा हेतु पानी नहीं है। सभी तालाब पूर्ण रूप से सूख चुके हैं। निस्तारी एवं पेयजल की समस्या काफी गंभीर है। स्थानीय जनप्रतिनिधि से लेकर राजिम विधायक महोदय जी एवं जल संसाधन विभाग के आला अधिकारी के समक्ष सिकासेर एवं तौरेंगा जलाशय से नहर नाली में पानी दिए जाने हेतु लगातार ग्रामवासियों द्वारा मांग की जा रही है,किंतु नहर नाली में निर्माण कार्य चलने का हवाला देकर ध्यान नहीं दे रहे हैं तथा अभी तक पानी की कोई व्यवस्था नहीं की गई है। यह भी ध्यान रखने योग्य है कि तौरेंगा से लेकर अतरमरा तक नहर नाली का काम विगत 2 माह से काम चल रहा है लेकिन अभी तक पूरा नहीं हुआ है जो कि कार्य के प्रति लापरवाही को दर्शाता है। आसपास के ग्राम पंचायतों को निस्तारित सुविधा हेतु नहर नाली के माध्यम से पानी दिया गया है किंतु सिर्फ अतरमरा ग्राम को पानी नहीं दिया जा रहा है। पंचायत प्रतिनिधि एवम ग्रामवासी लगातार पानी की मांग कर रहे हैं फिर भी किसी भी विभागीय अधिकारी के द्वारा नहर नाली में पानी नहीं दिया गया है, जिस कारण अतरमरा में निस्तारी की गंभीर समस्या उत्पन्न हो गई है। अतरमरा के नहर नाली में पानी नहीं दिए जाने के कारण ग्रामीणों में काफी आक्रोश है, जो कभी भी एक विशाल आन्दोलन का रूप लेकर उभर सकता है। मरता नहीं क्या करता की स्थिति बन गई है।तौरेगा जलाशय से मासुर जोर के उलट से पानी दिया जा सकता है।उक्त नहर में दो माह से ज्यादा समय हो गया है।काम नही चल रहा है ना ही तो वहाँ कोई मजदूर है।अगर अतरमरा वासियो को पानी नही मिला तो हाहाकर मच जाएगा।गांव में लोग त्राहिमाम त्राहिमाम कर रहे है।घण्टो लाइन लगाकर पानी के लिए लड़ते हुए देखा जा सकता है।स्तिथि विकराल रूप धारण कर चुके है।मवेशियों के पीने के पानी की व्यवस्था दूभर हो गया है।ग्रामीणों ने मांग की है कि अतरमरा नहर नाली में पानी नहीं दिया गया तो ग्रामीण जन उग्र आंदोलन को विवश हो जाएंगे।ग्राम पंचायत अतरमरा के सरपंच रामअधीन ध्रुव, उपसरपंच शिवांगी चतुर्वेदी, ग्राम पटेल भोजराम सिन्हा, ग्रामविकाससमिति के अध्यक्ष श्यामलाल साहू,रक्षा समिति के अध्यक्ष टीकम सिन्हा,विनोद सिन्हा अभिषेक चतुर्वेदी, हेमन्त निर्मलकर, राजू सिन्हा, कमलकिशोर ध्रुव,चुम्मन निर्मलकर, विष्णु सिन्हा, जगत सिन्हा,मनराखन सिन्हा, झुमुक साहू,रमेश भारती, प्यारे साहू, सहित ग्रामवासियों द्वारा स्थिति को ध्यान में रखते हुए शीघ्र जल आपूर्ति की व्यवस्था करने की मांग की है।

पाईपलाइन के डी-जवाइंट और वाल में खराबी 6 घंटे बाद सुधरी व्यवस्था

जल प्रदाय प्रभारी उपस्थित होकर कार्य करवाया पूरा

- खोदे गए जगह के सामने बेरिकेट्स भी लगवाया

नवप्रदेश संवाददाता

गंडई पंडरिया। नगर के मा गंगई मंदिर के सामने मुख्य पाइपलाइन 21 अप्रैल बुधवार को सुबह सुबह ही लाइन लिकेज होकर पानी भरा हुआ था। तभी किसी ने नगर पंचायत सी एम ओ प्रमोद शुक्ला को शिकायत किया। तभी मामले को गंभीरता से लेकर जल प्रदाय प्रभारी शत्रुहन दास मारकंडे के साथ उक्त स्थल पहुँचा जहाँ पानी भरा हुआ था मामले को लेकर जल प्रदाय प्रभारी मारकंडे ने अपने जल प्रदाय के टीम को लेकर हुए पाइपलाइन के लिकेज को लेकर खोदवाया जहाँ काफी गहरा और चौड़ा होने के कारण कर्मचारी कों काम करने में काफी समय लगता और शाम कों पानी की सप्लाई नही हो पाती जिस पर नगरीय निकाय के प्रशासन ने जे सी बी का सहारा लिया और खोदे गए गड्ढे पर नया पाइप लगाकर डी जवाइंट और वाल से पेक कर कार्य को पूरा कर टेस्टिंग देखा गया जहाँ कार्य संतोषजनक भरोसे मंद होने के कारण और पानी सप्लाई वार्डो में बाधित ना हो इसके लिए जे सी बी दोपहर 2 बजे लगवाकर शाम तक कार्य करवाकर और उस खोदे गए जगह को पटवाया साथ ही मुख्य रोड होने और खोदे गए जगह नमी होने कारण किसी भी प्रकार के अनहोनी ना हो इसके लिए सी एम ओ शुक्ला ने बेरिकेट्स भी लगवाया था।और 4 से 5 बजे तक जो पानी की नियमित सप्लाई होती थी उसे 6 से 7 बजे तक पानी सप्लाई देकर वार्डवासी को पानी की आपूर्ति किया। इस कोरोनाकाल मे भी कर्मचारी लोगो को जहाँ तक हो सके सुविधा देने में कोताही नही कर रहे है।इस कार्य के लिए लोगो ने जमकर तारीफ की।

टूट रही है संक्रमण की चैन

- अब प्रतिदिन के रिपोर्ट में आ रहा है पहले की अपेक्षा कम संक्रमित केश।
- होम आइसोलेट में रह रहे व्यक्ति हो रहे है ठीक

गंडई पंडरिया। प्रशासन द्वारा लॉक डाउन की मियाद बढ़ाने को लेकर इसका फायदा कोरोना संक्रमित मरीजो में दिखने लगा है।लॉक डाउन के चलते संक्रमण की चैन टूटने लगी है। अब कोरोना व्यक्तियों की पहचान नगरीय क्षेत्र में कम और ग्रामीण क्षेत्र में अधिक जरूर देखने और सुनने को मिल रहा है।होम आइसोलेट में रह रहे कोरोना पॉज़िटिव मरीज भी घर मे रहकर स्वस्थ हो रहे है इसका सीधा असर लॉक डाउन को लेकर दिख रहा है।प्रशासन भी लोगो से यही अपील कर रहा है कि घर पर रहकर ही कोरोना के चैन को तोड़ा जा सकता है ।अतिआवश्यक इमर्जेंसी काम से ही बाहर निकले। गंडई स्वास्थ्य विभाग ने बताया कि लोग संक्रमण से रिकवर हो रहे है। इसको लेकर संक्रमित मरीज और उसके परिवार के लोग भी राहत महसूस कर रहे है। इधर गंडई नगर पंचायत के अधिकारी प्रमोद शुक्ला भी कोरोना के चैन को तोड़ने एवं संक्रमण को कम करने के लिए नगर के चौक चौराहों सहित सार्वजनिक प्रतिष्ठानों में सेनेटाइजर से छिड़काव करने की अभियान छेड़ा है। नालियों की नियमित साफ सफाई पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। पिछले सप्ताह के आंकड़े देखे तो इस प्रकार है 14 अप्रैल को 135 टेस्ट में 53 पॉजिटिव मिले।